www.sutrakarsamachar.com

सब्सक्राइब करें

वर्ष : 60, अंक : 103
रांची, मंगलवार
16 अप्रैल 2024
पेज -08, मूल्य : 3 रुपया
चैत्र शुक्ल पक्ष अष्टमी
विक्रम संवत, 2081

सच का पैरोकार

सूत्रकार

DL No.30/2022 रांची व कोलकाता से प्रकाशित

ढुल्लू और उनके परिजनों की बेनामी संपत्तियों का ब्यौरा है मेरे पास, जल्द खुलासा : सरयू

वासंतिक नवरात्र

मां महागौरी

चैत्र नवरात्रि के आठवें दिन विधिवत मां महागौरी की पूजा करनी चाहिए। इस दिन सुबह उठकर स्नान करने के बाद साफ-सुथरे वस्त्र धारण करने चाहिए। इसके बाद पूजा घर या फिर साफ जगह पर चौकी रखकर सफेद कपड़ा बिछाकर मां महागौरी की मूर्ति या तस्वीर रखें। महागौरी यंत्र है तो उसे भी वहां रख दें। मां का ध्यान लगाते हुए शुद्धिकरण करें। मां महागौरी को फूल, माला, सिंदूर, अक्षत चढ़ाकर नारियल या इससे बनी हुई चीजों का भोग लगाएं। अगर कन्या पूजन कर रहे हैं तो मां को हलवा-पूड़ी, सब्जी, काले चने, खीर का भी भोग लगाएं। अब जल अर्पित करें और घी का दीप प्रज्जवलित करें। अब दुर्गा चालीसा, दुर्गा सप्तशती के साथ मां महागौरी के बीज मंत्र का जाप करें और सबसे आखिरी में आरती कर माता से गलती की क्षमा मांगे।

न्यूज फ्लैश

लातेहार में पुलिस ने 8 आईडी बम बरामद कर किया डिफ्यूज

लातेहार, सूत्रकार

पुलिस ने नक्सलियों के द्वारा छिपा कर रखे आठ आईईडी बम बरामद किया है, जिसे बाद में डिफ्यूज कर दिया गया। दर-असल, एसपी अंजनी अंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि लातेहार जिले के बरवाडीह थाना क्षेत्र के मोरवाई गांव के निकट जंगल में कुछ संदिग्ध वस्तुएं देखी गई है। सूचना के बाद एसपी के निर्देश पर जिला पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों ने संयुक्त रूप से चिन्हित जंगल में छापामारी अभियान चलाया। अभियान के दौरान जंगल में एक चट्टान के नीचे आठ बम बरामद हुए। सभी बम को सुरक्षा बलों ने जब्त करते हुए बम निरोधक दस्ते के मदद से डिफ्यूज कर दिया।

नक्सलियों के खिलाफ लगातार जारी है अभियान : इस संबंध में जानकारी देते हुए एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ जिले भर में अभियान जारी है। उन्होंने कहा कि चुनाव के मद्देनजर सर्च अभियान को और तेज किया गया है। एसपी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि बरवाडीह थाना क्षेत्र के लोहरा जंगल में कुछ संदिग्ध वस्तुएं देखी गई है। सूचना के आधार पर जब सर्च अभियान चलाया गया तो वहां आठ बम बरामद हुए। सभी बम को जंगल में ही निष्क्रिय कर दिया गया। एसपी ने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ पूरे इलाके में सर्च अभियान जारी है।

नक्सलियों का सेफ जोन हुआ करता था यह इलाका : बताते चले कि बरवाडीह थाना क्षेत्र के मोरवाई जंगल का इलाका नक्सलियों का सेफ जोन माना जाता था। परंतु पिछले दो-तीन वर्षों से पुलिस के द्वारा नक्सलियों के खिलाफ जो अभियान चलाया गया, उसके कारण नक्सलियों को यह इलाका छोड़कर भागना पड़ा। हालांकि कभी-कभार नक्सली इस इलाके में आकर अपने पांव जमाने का प्रयास भी करते हैं, परंतु अब उन्हें ना तो ग्रामीणों का सहयोग मिलता है और ना ही उन्हें कोई शरण देता है। इस अभियान में सीआरपीएफ 11वीं बटालियन के कमांडेंट वेद प्रकाश त्रिपाठी की भूमिका भी अति महत्वपूर्ण रही।

चैती छठ की खुशी मातम में तब्दील, रातू में पिकअप वैन दुर्घटनाग्रस्त

अर्घ्य देने जा रहे तीन लोगों की मौत, आठ घायल, दो गंभीर

रांची, सूत्रकार

रातू थाना क्षेत्र के काठीटांड में भीषण सड़क हादसा हुआ है। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। कुल आठ लोग घायल हैं। इनमें से दो महिलाओं की हालत गंभीर बताई जा रही है।

रांची के सीनियर एसपी चंदन सिन्हा ने बताया कि कुछ श्रद्धालु पिकअप वैन से रातू तालाब के पास अर्घ्य देने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान चालक की आंख झपकने से गाड़ी डिवाडर से टकरा गई और पिकअप वैन में सवार श्रद्धालु सड़क के दूसरी ओर जा गिरे। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक ट्रैक्टर ने तीन श्रद्धालुओं को रौंद दिया। जिसकी वजह से तीनों की मौत हो गई। पिकअप वैन चलाने वाले ड्राइवर का ही परिवार गाड़ी में सवार था।

पिकअप वैन पर सवार लोग रातू के चटकपुर गांव के निवासी थे। चैती छठ के तहत उदयगामी भास्कर को अर्घ्य देने के लिए रातू तालाब जा रहे थे। इसी बीच काठीटांड़ में शिव मंदिर के पास हादसा हो गया। इस हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल भेजा।

जानकारी के मुताबिक, हादसे में घायल दो महिलाओं की हालत गंभीर है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक बाइक सवार को बचाने के दौरान पिकअप वैन डिवाडर से टकराई थी। लेकिन एसएसपी ने इसका खंडन किया है।हादसे पर रांची सांसद संजय सेठ ने दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही घायलों को जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

मैक्लुस्कीगंज में सड़क हादसा, दो दोस्तों की मौत

मैक्लुस्कीगंज, सूत्रकार

रांची जिले के मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र के दुल्ली में सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो दोस्तों की मौत हो गयी, जबकि एक सुरक्षित है। ये तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर रील बनाने नकटा पहाड़ जा रहे थे। इसी दौरान ये सड़क हादसे के शिकार हो गए। सड़क हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां जांच के बाद एक को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि एक साथी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। पुलिस ने बताया कि बिना हेलमेट पहने युवक बाइक चला रहे थे। सड़क हादसा सोमवार सुबह करीब 11:25 बजे की बतायी जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मांडर तिगोई अम्बाटोली निवासी सुमन लकड़ा (17 वर्ष), चान्हो चोरया डोमा टोली निवासी अंकित तिग्गा (16 वर्ष) व मांडर हेशमी निवासी सोनू कुमार सिंह बाइक (जेच01एफएच 4674) से सुबह ही घर से निकले थे। सड़क हादसे में सुरक्षित बचे सोनू सिंह ने बताया कि वे लोग मैक्लुस्कीगंज दुल्ली अम्बाटांड़ स्थित नकटा पहाड़ घूमने व रील बनाने गए हुए थे। वहां से मैक्लुस्कीगंज जा रहे थे। इसी दौरान दुल्ली के निकट बाइक अनियंत्रित हो गयी। सड़क हादसे को लेकर सोनू सिंह ने जानकारी दी कि बाइक पलटते ही अंकित व सुमन बीच सड़क पर गिर गए, वहीं वह सड़क किनारे जा गिरा। इसी क्रम में तेज रफ्तार से जा रहे वाहन (बोलेरो) ने दोनों सुमन उरांव व अंकित तिग्गा को अपनी चपेट में ले लिया। इससे सुमन उरांव की मौत मौके पर ही हो गयी, जबकि अंकित तिग्गा को चान्हो अस्पताल में जांच के बाद चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

हादसे के बाद घटनास्थल पर मैक्लुस्कीगंज पुलिस पहुंची और सोनू सिंह से पूरे मामले की जानकारी ली।

एलन मस्क की भारत योजना पर बोले पीएम मोदी

पैसा किसी का भी हो, पसीना मेरे देश का लगना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृढ़ विश्वास है कि दुनिया भर से निवेश का स्वागत है लेकिन उत्पादों में देश की मिट्टी का सार होना चाहिए और इसके नागरिकों को विनिर्माण प्रक्रिया में शामिल किया जाना चाहिए। लोकसभा चुनाव से पहलेदिए एक इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा था कि जो भी भारत में निवेश करना चाहता है वह ऐसा कर सकता है, लेकिन इस-ाका उत्पादन भारतीयों द्वारा किया जाना चाहिए ताकि युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें।

पसीना मेरे देश का लगना चाहिए

पीएम मोदी ने एलोन मस्क की टेस्ला और स्टारलिंक की भारत में संभावित प्रविष्टि पर एक सवाल पर कहा, ₹मैं चाहता हूं कि भारत में निवेश आए क्योंकि भारत में इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि किसने पैसा लगाया है, (लेकिन) काम में बहाया गया पसीना हमारे अपने लोगों का होना चाहिए। उत्पाद में हमारी मिट्टी का सार होना चाहिए, ताकि देश में हमारे युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे।"

साक्षात्कार के दौरान प्रधानमंत्री से एलोन मस्क के सार्वजनिक रूप से यह कहने के बारे में पूछा गया कि मस्क मोदी के प्रशंसक थे। इस पर पीएम मोदी ने जवाब देते हुए कहा कि मस्क भारत के समर्थक हैं। उन्होंने कहा, ₹देखिए, पहली बात यह कहना कि एलन मस्क मोदी के समर्थक हैं, ऐसा नहीं है, एक बात है, मूल रूप से वह भारत के समर्थक हैं। और मैं अभी

उनसे मिला हूं। पीएम मोदी ने 2015 में मस्क की फैक्ट्री की अपनी यात्रा को भी याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मस्क ने अपनी पूर्व निर्धारित प्रतिबद्धता रद्द कर दी और उनसे मुलाकात की। पीएम मोदी ने कहा, ₹उन्होंने मुझे अपनी फैक्ट्री में सब कुछ दिखाया। और मैंने उनसे उनका दृष्टिकोण समझा। मैं अभी वहां (2023 में अमेरिका) गया और उनसे दोबारा मिला। और अब वह भारत आने वाले हैं।

टेस्ला प्रमुख की एक्स पर एक पोस्ट के अनुसार, एलोन मस्क इस महीने के अंत में भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने वाले हैं। यह व्यापक रूप से उम्मीद है कि मस्क भारत में बड़ी निवेश योजना का अनावरण कर सकते हैं। हालांकि, मस्क की भारत यात्रा के अंतिम एजेंडे की पुष्टि होना अभी बाकी है। इस महीने की शुरूआत में मस्क ने कहा था कि हर दूसरे देश की तरह भारत में भी इलेक्ट्रिक कार होनी चाहिए और भारत में टेस्ला इलेक्ट्रिक वाहन उपलब्ध कराना उनकी कंपनी के लिए स्वाभाविक प्रगति होगी।

भारत में इस साल भी जमकर होगी बारिश मॉनसून पर दिखेगा ला नीनो का असर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने अपने पूर्वानुमान में सोमवार को बताया कि इस साल मानसून के दौरान पूरे देश में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है। आईएमडी के प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि पूरे देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून के तहत एक जून से 30 सितंबर के बीच मानसून ऋतुनिष्ठ वर्षा दीर्घावधि औसत का 106 फीसदी होने की संभावना है।

महापात्र ने कहा कि आईएमडी अपने पूवार्नुमान में अल नीनो, ला नीनो, हिंद महासागर द्विध्रुव स्थितियां और उत्तरी गोलार्ध में बर्फीले आवरण संबंधी स्थिति के प्रभाव पर विचार करता है और यह सभी स्थितियां इस बार भारत में अच्छे मानसून के अनुकूल हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर पश्चिम, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से ज्यादा वर्षा होने की बहुत संभावना है।

महापात्र ने कहा कि 1971 से 2020 तक के बारिश के आंकड़ों के आधार पर हाल के वर्षों में नई दीर्घावधि औसत पेश किया गया है जिसके तहत एक जून से 30 सितंबर के बीच पूरे देश में औसतन 87 सेंटीमीटर बारिश होती है। उन्होंने कहा कि अगर ऋतुनिष्ठ वर्षा दीर्घावधि औसत की 96 फीसदी से 104 प्रतिशत के बीच होती है तो वह सामान्य मानी जाती है। आईएमडी प्रमुख ने कहा कि दीर्घावधि औसत की 106 फीसदी बारिश सामान्य से अधिक की श्रेणी में आती है और अगर वर्षा दीर्घावधि औसत की 105 फीसदी से 110 फीसदी के बीच होती है तो इसे सामान्य से अधिक माना जाता है।

आईएमडी प्रमुख के मुताबिक, वर्तमान में भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र पर अल नीनो की मध्यम स्थिति बनी हुई है तथा मानसून ऋतु के शुरूआती दौर में अल नीनो की स्थिति और कमजोर होकर तटस्थ अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ) स्थितियों में परिवर्तित होने की संभावना है और इसके बाद अगस्त-सितंबर में ला नीना स्थितियां विकसित होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि जब अल नीनो की स्थिति होती हैं जो ज्यादातर वर्षों में बारिश पर इसका नकारात्मक असर होता है। उन्होंने कहा कि 1951 से 2023 तक 22 साल ला नीनो की स्थितियां रहीं और इन वर्षों में ज्यादातर साल में दक्षिण पश्चिम मानसून के तहत सामान्य या सामान्य से ज्यादा बारिश हुई, लेकिन ला नीनो की स्थितियां होते हुए भी 1974 और 2000 में बारिश सामान्य से कम रही।

टीएसपीसी के चार उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार बरामद

दो यूएसए मेड पिस्टल, दो मैगजीन व 100 चक्र गोली जब्त

पिपरवार व टंडवा के व्यापारियों से मांगी जा रही थी लेवी

चतरा, सूत्रकार

पुलिस ने टीएसपीसी उग्रवादियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही कई हथियार जब्त कर लिये। गिरफ्तार उग्रवादियों में टंडवा थाना क्षेत्र के खंधार गांव निवासी मसी तिग्गा, चिरलौंगा गांव निवासी किरण नगरवाल, पिपरवार थाना क्षेत्र के झूलनडीहा गांव निवासी विफा उरांव व कल्याणपुर गांव निवासी विकास उरांव शामिल हैं। इनके पास से दो यूएसए मेड पिस्टल, दो मैगजीन, 7।65 एमएम का 100 चक्र गोली, दो मोबाइल व एक उग्रवादी संगठन का लेटर पैड जब्त किया गया। यह जानकारी एसपी विकास कुमार पांडेय ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। उन्होंने बताया कि कुछ दिनों से पिपरवार व टंडवा थाना क्षेत्र में कोल व्यवसाय व विकास कार्य से जुड़े व्यवसायियों को टीएसपीसी उग्रवादियों द्वारा धमकी देकर रंगदारी स्वरूप लेवी की मांग की जा रही थी। कुछ दिन पूर्व पिपरवार थाना क्षेत्र के सेंगाबिलारी में जय अंबे ट्रांसपोर्ट कंपनी के हाइवा में आगजनी, जामड-ीह स्थित श्री इंटरप्राइजेज कंपनी के हाइवा वाहन में आगजनी की घटना को अंजाम दिया गया था। इन घटनाओं में शामिल उग्रवादियों की गिरफ्तारी को लेकर टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में एसआइटी टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी सहयोग से लगातार छापामारी अभियान चला रही थी। इस दौरान हथियार के साथ चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार उग्रवादी टंडवा व पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र के अलावा रांची के खलारी, मैक्लुस्कीगंज, बुढ़मू, रातू थाना क्षेत्र में खनन व विकास कार्यों से जुड़े व्यवसायियों से लेवी वसूलने में शामिल थे। मसी तिग्गा के खिलाफ पिपरवार थाना में आर्म्स, सीएलए एक्ट व यूएपी एक्ट के तहत मामला दर्ज है। एसपी ने कहा कि उग्रवादी संगठन के शीर्षस्थ सदस्य नये लड़कों को संगठन में शामिल कर रहे हैं। सभी उग्रवादियों की गिरफ्तारी को लेकर एसआइटी टीम अभियान चला रही है। छापामारी टीम में टंडवा एसडीपीओ अजय प्रभात रंजन बरवार, पिपरवार थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा, पुलिस अवर निरीक्षक अभिमन्यु कुमार व कई जिला बल के जवान शामिल थे।

टीएसपीसी का टॉप कमांडर मंटू गंझू गिरफ्तार चतरा में दो जवानों को गोली मारने का है आरोपी

पलामू, सूत्रकार

ाक्सल विरोधी अभियान के दौरान पुलिस और सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने टीएसपीसी के टॉप कमांडर मंटू गंझू को गिरफ्तार कर लिया है। मंटू गंझू पलामू के मनातू थाना क्षेत्र के केवाल इलाके का रहने वाला है। पुलिस अधिकारी फिलहाल गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं कर रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक, मंटू गंझू से पूछताछ की जा रही है, जिसके बाद नक्सली संगठन टीएसपीसी के बारे में कई खुलासे होंगे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मंटू गंझू को चतरा इलाके में सर्च ऑपरेशन के दौरान गिरफ्तार किया गया है। मंटू 10 लाख रुपये के इनामी टीएसपीसी कमांडर शशिकांत गंझू का दाहिना हाथ माना जाता है।

कुछ दिन पहले चतरा पुलिस पोस्ते की खेती के खिलाफ अभियान चला रही थी। इस ऑपरेशन के दौरान प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी के सदस्यों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी थी। इस गोलीबारी की घटना में दो पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे।

मंटू गंझू इस घटना के मुख्य आरोपियों में से एक है। मंटू पर पलामू और चतरा इलाके में कई नक्सली हमलों को अंजाम देने का आरोप है। मंटू पलामू के मनातू पांकी, तरहसी, छतरपुर, नौडीहा बाजार और चतरा के सीमावर्ती थाना क्षेत्रों में सक्रिय रहा है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक मंटू ने पुलिस को टीएसपीसी के बारे में कई जानकारियां दी हैं, जिसके बाद इलाके में बड़ा अभियान भी चलाया जा रहा है। मंटू की गिरफ्तारी पलामू और चतरा के सीमावर्ती इलाके में पुलिस के लिए बड़ी सफलता है।

लोकसभा चुनाव 2024: मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन बोले

झारखंड में बीजेपी का नहीं खुलेगा खाता, सभी 14 सीटों पर इंडिया गठबंधन की होगी जीत

राजनगर (सरायकेला)

झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से सोमवार को राज्य संपोषित प्लस टू उच्च विद्यालय राजनगर फुटबॉल मैदान में बूथ स्तरीय संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में सूबे के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि चुनाव में बूथ कमेटी की अहम भूमिका होती है। सभी बूथों पर 25 महिलाएं एवं 25 पुरुषों से भी ज्यादा रहना है। लोकसभा चुनाव 2024 में इंडिया गठबंधन के झामुमो से ही प्रत्याशी है। पिछले लोकसभा चुनाव में भी इंडिया गठबंधन की जीत हुई थी। इस बार भी इंडिया गठबंधन की ही जीत होगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में सभी 14 सीटों पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी ही जीतेंगे। भाजपा खाता तक नहीं खोल पायेगी।

चंपाई सोरेन ने बीजेपी पर साधा निशाना

सीएम चंपाई सोरेन ने कहा कि झामुमो एक अनुशासित पार्टी है। इसलिए तो इस चिलचिलाती धूप में भी अनुशासन का पालन करते हुए हुए बैठे हैं। उन्होंने भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि केंद्र में भाजपा की सरकार है। इन दास वर्षों से लोगों को ठगने का काम कर रही है। उनके झांसे में नहीं आना है। उन्होंने यह भी कहा कि केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास के लिए पैसा देना बंद किया, तो केन्द्र से पत्रचार भी किया गया। तब पर भी ध्यान नहीं दिया। जनता के साथ धोखा किया है। अब सरकार अबुआ आवास दे रही है। अबुआ आवास में तीन कमरों का मकान बनेगा।

विकास के नाम पर झूठ का प्रचार कर रही बीजेपी

झारखंड के सीएम चंपाई सोरेन ने कहा कि भाजपा विकास के नाम पर झूठ का प्रचार कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि सभी कालाधन को जब्त कर जनता के खाते में 15 लाख रुपए बांट देंगे। क्या जनता के खाते में 15 लाख रुपए पहुंचा? क्या यही मोदी की गारंटी है? इसलिए इनके पास कोई जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार ने सभी परिवारों तक विकास पहुंचा दिया है। पहले पेंशन के लिए 60 साल की उम्र के साथ बीपीएल सूची में नाम रहना अनिवार्य था। बीपीएल सूची को हटाकर 60 साल की उम्र होने पर वृद्धा पेंशन मिलेगी। अभी तो उसको घटाकर 50 साल कर दिया है। अब कोई भी वृद्धा पेंशन से वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि निजी स्कूल की तर्ज पर मॉडल स्कूल भी शुरू हो गया है। अब गरीब, किसान, मजदूर भी बेटे को मॉडल स्कूल में पढ़ा पायेंगे। 21 अप्रैल को रांची में उलगुलान रैली में भाग लेना है। प्रत्येक बूथ से 50 से 100 की संख्या में उपस्थित होकर ताकत दिखाना है।

इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को दिलानी है जीत

जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को जीत दिलानी है। इसकी जीत दिलाने का दायित्व हम सभी पर है। जिला अध्यक्ष शुबेन्दू महतो ने कहा कि लोकसभा चुनाव होने जा रहा है। इस चुनाव में इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी को जीताना है। बुद्धिजीवी मंच के जिला अध्यक्ष छायाकांत गोराई ने कहा कि चुनाव के समय गांव में भाजपा प्रत्याशी से पूछना है कि अभी तक आपने शिक्षा, स्वास्थ्य, वृद्धा पेंशन आदि के क्षेत्र में क्या किया है?

बूथ संवाद कार्यक्रम में ये थे मौजूद

इस मौके पर मंत्री पुत्र सिमल सोरेन, बाबलू सोरेन,जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा, जिला अध्यक्ष शुबेन्दू महतो, छायाकांत गोराई, जिला परिषद सदस्य श्रीमती सुलेखा हांसदा, मालती देवगम, राजनगर प्रखंड प्रभारी प्रमुख सुमना देवी, मुखिया नमिता सोरेन, राजो टुडू, रामदास हांसदा,तपस बिसई, नींबू प्रधान, गोपाल महतो आदि उपस्थित थे।

www.sutrakarsamachar.com
सूत्रकार सब्सक्राइब करें
रांची, मंगलवार, 16 अप्रैल 2024

न्यूज फ्लैश

कतरास की महिला संगठनों ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

कतरास, सूत्रकार

कतरास राजगंज रोड स्थित राजस्थानी समाज भवन में सोमवार को इनर ब्हील क्लब ऑफ कतरास, मारवाड़ी महिला समिति कतरास एवं पुनित चैतन्य जागृति जैन महिला मंडल कतरास के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर एवं नेत्रदान जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में 13 लोगों ने रक्तदान किया। शिविर का शुभारंभ मारवाड़ी महिला समिति के मीडिया प्रभारी श्वेता खंडेलवाल ने रक्तदान कर शुरूआत की। शिविर में नेत्रदान करने के लिए लोगों को जागरूक किया गया तथा बताया गया कि आपका नेत्रदान से जो लोग दुनिया को देखने से वंचित हैं। वह पुनःएक बार आपकी आंखों से दुनिया को देख सकेगें। मौके पर इनर व्हील क्लब, मारवाड़ी महिला समिति, पुनीत चैतन्य जैन महिला मंडल के सदस्य उपस्थित थे।

अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज ने की बैठक, ददई दुबे को धनबाद से टिकट देने की कांग्रेस से की मांग

धनबाद, सूत्रकार

अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज ने कांग्रेस से यह मांग की है कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए वह अपना प्रत्याशी चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे को ही बनाए। इस मांग का निर्णय संगठन ने न्यू मुरली नगर में सोमवार को आयोजित एक बैठक में ली। उन्होंने कहा की चंद्रशेखर दुबे एक ऐसे व्यक्ति रहे हैं जिन्होंने न केवल अपना समाज बल्कि पूरे संसदीय क्षेत्र की जन समस्याओं को संसद तक पहुंचाया था एक बार फिर मौका मिला है पार्टी वैसे क्रमठ नेता को ही धनबाद संसदीय क्षेत्र से अपनी उम्मीदवारी दे। बताया गया की धनबाद में 4,50,000 ब्राह्मणों का वोट है जो पूरी तरह से उनके पक्ष में जाएगा। मौके पर दीनानाथ दुबे, विनय उपाध्याय, विकास ओझा, कैलाश दुबे, एस पाठक, मनोज मिश्रा ,सहदेव तिवारी, तपन ओझा, उत्तम चक्रवर्ती दिवाकर पाठक बीके झा राजदेव पांडेय, महादेव चक्रवर्ती तथा मधुसूदन चक्रवर्ती समेत अन्य शामिल थें।

डिस्ट्रिक्ट आइकॉन श्वेता किन्नर के नेतृत्व में निकाली गई मतदाता जागरूकता रैली

धनबाद, सूत्रकार

सोमवार को अखिल भारतीय किन्नर समाज, झारखंड प्रदेश एवं डिस्ट्रिक्ट आइकॉन श्वेता किन्नर के नेतृत्व में मतदाताओं को आगामी लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने को लेकर झरिया में जागरूकता रैली निकाली गई। जागरूकता रैली कम मतदान प्रतिशत वाले झरिया विधानसभा के वार्ड नंबर 36, 43, 44 एवं 45 में पड़ने वाले लगभग 50 बूथों से गुजरते हुए वहां के मतदाताओं को आगामी 25 मई को धनबाद लोकसभा चुनाव में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सशक्त लोकतंत्र का निर्माण करने हेतु प्रेरित किया। रैली के दौरान डिस्ट्रिक्ट आइकॉन श्वेता किन्नर ने आम मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने निर्वाचन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत करने हेतु मतदान के दिन अपने अपने मत का प्रयोग करने हेतु सभी से अपील किया। इस दौरान स्वीप पंपलेट, हैंडबील आदि वितरित किए गए। मौके पर एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, झरिया सीओ सुमन प्रसाद, अखिल भारतीय किन्नर समाज झारखंड प्रदेश के सभी प्रतिनिधि, जिला आइकॉन श्वेता किन्नर समेत आम नागरिक मौजूद रहे।

रामनवमी को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट

धनबाद, सूत्रकार

रामनवमी पर्व को शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संम्पन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन व जिला पुलिस पूरी तरह सजग है। इसको पुलिस एक ओर सभी थाना में अखाड़ों कमिटियों के साथ पुलिस के वरीय अधिकारी लगातार बैठकें कर रहे हैं तो दूसरी ओर जिले के सभी अंचल और प्रखंडो में निकलने वाले अखाड़ा रूठों का ड्रोन कैमरे से अवलोकन किया जा रहा है। वहीं सोमवार को पुलिस लाइन में रामनवमी और आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। जिला पुलिस के द्वारा अनियंत्रित भीड़ को रोकने के लिए और उपद्रवियों से निपटने के गुर सिखाये गए। मॉक ड्रिल जिले के पुलिस कप्तान एचपी जनार्दन के निर्देश पर किया गया। डीएसपी मुख्याला 1 एस कामती ने बताया की आगामी रामनवमी पर्व है जहा किसी भी विशेष परिस्थिति और संकट उत्पन होने पर पुलिस किस प्रकार उस पर नियंत्रण करती है उसी को लेकर यह मॉक ड्रिल अभ्यास किया गया है। आगे उन्होंने बताया की जिला पुलिस के द्वारा शांति समिति की बैठक सभी थाने में की गई ताकि यह रामनवमी पर्व शांति, भाईचारे और शांत महोल में खुशी खुशी मनाए। इस दौरान, पुलिस को कब और किस परिस्थितियों पर लाठी चार्ज, वाटर कैनन का प्रयोग, आशु गैस, और फायरिंग करनी इन सब चीजों से अवगत कराया गया।

पुलिस व सीआरपीएफ ने फ्लैग मार्च निकाला

किरीबुरु, सूत्रकार

रामनवमी एवं लोकसभा चुनाव के मद्देनजर क्षेत्र में शांति, आपसी भाईचारा एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण व माहौल कायम करने हेतु किरीबुरु थाना पुलिस एवं सीआरपीएफ के जवानों ने किरीबुरु-मेघाहातुबुरु शहर में फ्लैग मार्च निकाला। उपायुक्त कुलदीप चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर के निदेर्शानुसार किरीबुरु थाना प्रभारी मुनाजीर हसन व सीआरपीएफ के पदाधिकारियों के नेतृत्व में यह फ्लैग मार्च निकाला गया।

गीता कोड़ा ने चलाया जनसंपर्क अभियान, लोगों से कहा

मोदी जी देश की जनता को मानते हैं अपना परिवार, तीसरी बार बनायें प्रधानमंत्री

चाईबासा, सूत्रकार

भारतीय जनता पार्टी की सिंहभूम लोकसभा प्रत्याशी गीता कोड़ा ने सोमवार को मझगांव विधानसभा के कुमारडूंगी प्रखंड में जनसम्पर्क अभियान चलाया। मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष बड़कुंवर गागराई, मंडल अध्यक्ष नारायण हेम्ब्रम, वशिष्ट प्रधान, अनिल बिरुली, भूषण पाट पिंगुवा, प्रभारी सतीश पूरी के साथ, गुण्डियाधर, धनसारी, इटोर, बड़ालुन्ति, टाँगर, कुमरिता, भोंडा, छोटारायकमान, अंधारी, पुतकरसाई, कुंकलपी, बड़ाजाम्बनी, खण्डकोरी, उलिहातू, जोजोहातू, टियापोसी, टूनटाकाट, मरांदा, बारूसाई, बूड़ासाई, लखिम्पोसी, के ग्रामीणों से संवाद किया। वहीं बताया कि नरेंद्र मोदी गरीबों व आदिवासियों के साथ-साथ देश की पूरी जनता को अपना परिवार मानते हुए सबकी सेवा विगत10 वर्षों से कर रहें है। मोदी जी के रहते देश से भ्रष्टाचार दूर हो रहा है। भ्रष्टाचारी जेल जा रहे हैं। गीता कोड़ा ने आक्रमक सुर में कहा कि मोदी जी द्वारा गरीबों के लिए चलाई जा रही योजनाओं के कारण, ग्रामीणों का मोदी जी के ऊपर बढ़ रहे विश्वास से घबड़ाये हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा वाले गम्हरिया प्रखंड के मोहनपुर में उनके साथ महिला कार्यकर्ताओं के ऊपर हमला तक कर दिया। पर वे इससे जरा भी विचलित नही हुई, और आज मोदी जी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने के लिये आपसबों से आशीर्वाद व समर्थन मांगने चली आई। गीता कोड़ा ने कहा कि ये झारखंड मुक्ति मोर्चा वाले केवल और केवल झूठ की राजनीति कर जनता को ठगने में लगें हुए हैं, पूरे राज्य की जनता त्रस्त है, महिलाएं असुरक्षित है, लोंगों को मोदी जी द्वारा फ्री में खाने के लिए दिए जाने वाले अनाज भी सही तरीके से नही देते है, हर घर नल से पीने का पानी फ्री में पहुंचाने की योजना भी ये राज्य सरकार पूरी नही कर रही है, जनता को पीने का पानी भी नसीब नही हो रहा है, अखबारों में आज छपा है कि मझगांव में हर घर नल का जल की योजना में गड़बड़ी चल रहा है। गीता कोड़ा ने ग्रामीणों से कहा कि राज्य सरकार की जनहित योजनाओं के नाकामियों से थक कर और मोदीजी से प्रभावित होकर मै भारतीय जनता पार्टी में जनता की भलाई के लिए शामिल हुई हूं, जो विरिधियों को पच नही रहा है।उन्होंने ग्रामीणों से प्रार्थना कर कहा कि चुनाव में कमल फूल निशान में वोट देकर अपना समर्थन नरेंद्र मोदीजी को देंवे।ग्रामीणों के समस्याओं को पूरी गम्भीरता से चुनाव बाद समाधान करने का भरोसा उन्होंने दिया।उनके साथ बिजय पिंगुवा,बिनय पान,धुनिया कुम्हार के अलावे कई कार्यकर्ता साथ रहे।

घबराया विपक्ष कर रहा कायराना हरकत : गागराई

चाईबासा, सूत्रकार

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री बड़कुंवार गागराई ने कहा है कि सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र सहित पूरे देश मे नरेन्द्र मोदी कि लहर चल रही है। इससे विपक्ष घबरा गया है और भाजपा के प्रत्याशी को जनता से मिलने से रोकने के लिए उन पर हमला जैसी कायराना हरकत कर रहा है। गम्हारिया प्रखंड के मोहन पुर मे हुई घटना कि निंदा करते हुए श्री गागराई ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता भी इसका जवाब देना जानते हैं, लेकिन हमें लोकतान्त्रिक व्यवस्था पर विश्वास है और इसका जवाब जनता 13 मई को देगी। उन्होंने कहा कि झामुमो झूठ और जनता को ठगने कि राजनीति करती है। इसका सिंहभूम मे सबसे बड़ा उदाहरण ईचा खरकाई डैम पर उसका दोहरा स्टैंड है। पहले तो डैम का विरोध कर कर के झामुमो जनता को बेवकूफ बना कर वोट लेने कि राजनीति करता रहा, और जब ये लोग खुद सत्ता मे आये तो डैम बनवाने की बात कहने लगे। जनता इनके दोहरे चरित्र को समझ चुकी है। भ्रष्टाचार किया जेल गए तो सहानुभूति बटोर रहे हैं।

टाटा स्टील झरिया डिवीजन में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह का हुआ शुभारंभ

जोड़ापोखर, सूत्रकार

टाटा स्टील झरिया डिवीजन के महाप्रबंधक संजय राजोरिया ने सोमवार को जामाडोबा में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह का शुभारंभ किया। श्री राजोरिया ने राष्ट्रीय अग्नि सुरक्षा सप्ताह मनाने के महत्व और प्रासंगिकता पर जोर दिया और अग्नि सुरक्षा टीम को उनके द्वारा किए जा रहे अच्छे कार्यों को जारी रखने की सलाह दी।

डिवीजन के सेफ्टी एवं सिक्योरिटी विभाग ने सरकारी अग्निशमन दल के साथ अग्नि सुरक्षा पर कई जागरूकता कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने,मॉक ड्रिल तथा कर्मचारियों, ठेका श्रमिकों, स्कूली बच्चों एवं समुदाय के लिए अग्निशामक उपकरणों एवं बचाव तकनीकों के उपयोग पर प्रशिक्षण देने की योजना बनाई है, ताकि वे किसी भी आपात स्थिति के लिए आत्मनिर्भर बन सकें। बताया की इस वर्ष का थीम है अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करें, राष्ट्र निर्माण में योगदान दें।इस अवसर पर उपस्थित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों में नरेंद्र कुमार गुप्ता, चीफ(जामाडोबा ग्रुप),बरुण बनर्जी, हेड (सेफ्टी), कर्नल भवानी सिंह निर्वाण,हेड (एडमिनिस्ट्रेशन),कौशिक गायेन, हेड (प्लानिंग) और सुजीत कुमार झा, सीनियर एरिया मैनेजर (सिक्योरिटी), झरिया डिवीजन, टाटा स्टील शामिल थे।

नव पत्रिका पूजन के साथ कतरास में चैती दुर्गापूजा शुरू

कतरास, सूत्रकार

कतरास राजबाड़ी में श्री श्री सार्वजनिक चैती दुर्गा पूजा महासप्तमी पूजन के साथ शुरू हो गया। सोमवार को कतरास राजा तालाब में पूरे विधि विधान के साथ नव पत्रिका का पूजन किया गया। कतरास राजबाड़ी से विशाल शोभायात्रा निकाली निकाली गयी जो शहर के प्रमुख मार्गों का परिभ्रमण करते हुए कतरास राजा तालाब पहुंची। जहां पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गयी। शोभायात्रा में दर्जनों महिला पुरुष एवं बच्चे नाचते गाते चल रहे थे। शोभा यात्रा में बांकुड़ा के ढाक आकर्षण का केंद्र बना रहा। शोभायात्रा में जनशक्ति जल के सुप्रीमो सूरज महतो, चैती दुर्गा पूजा के अध्यक्ष अमरनाथ स्वर्णकार, सचिव समीर चक्रवर्ती, रिंटू बनर्जी, गणेश मोदक, मधुसूदन दा, राजू दे, सच्चिदानंद उपाध्याय, जय चटर्जी, अमित चटर्जी, सिकंदर चक्रवर्ती, गोलू हलधर, मोनू गोप, हारु चक्रवर्ती आदि शामिल थे। मंगलवार को प्रातः 8 बजे महाअष्टमी पूजन एवं शाम 5 बजे संधि पूजा किया जाएगा। बुधवार को प्रातः 9 बजे नवमी पूजा एवं 12 बजे हवन तत्पश्चात महाप्रसाद वितरण किया जाएगा। इस दौरान मां दुर्गा की महाआरती संध्या 7 बजे प्रतिदिन किया जाएगा। गुरुवार को प्रातः 7 बजे दशमी पूजा 9 बजे नव पत्रिका विसर्जन सह महिलाओं द्वारा सिंदूर खेला एवं रात्रि 8 बजे प्रतिमा विसर्जन किया जाएगा।

एक माह की बच्ची के हाथों हुआ चैती दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन

चक्रधरपुर, सूत्रकार

चक्रधरपुर के पंडित शिव मंदिर स्थित श्री-श्री शिव शक्ति चैती दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन एक माह की बच्ची के हाथों फीता कटवाकर किया गया। इस अवसर पर माता की प्रतिमा का भी अनावरण किया गया।मौके पर उपस्थित सभी अतिथियों ने गिरिराज सेना के संरक्षक सह हिन्दूवादी युवा नेता स्व। कमलदेव गिरि की तस्वीर पर फूल माला चढ़ाकर श्रद्धासुमन अर्पित किया।इस मौके पर अतिथियों ने संबोधित करते हुये स्व। कमलदेव गिरि को याद किया।

पंडाल उद्घाटन के दौरान भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश पुरी व लोकसभा संयोजग गीता बालमुचू ने कहा कि स्व। कमलदेव गिरि ने ही पंडित हाता चैती दुर्गा पूजा की शुरूआत की थी।हिन्दू युवा नेता कमलदेव गिरि को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर गिरिराज सेना के प्रमुख सह स्व। कमलदेव गिरि के बड़े भाई उमाशंकर गिरि, फूलन देव गिरि, छोटी बहन पूजा गिरि व गिरिराज सेना के सभी सदस्यों की ओर से उपस्थित अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

पंडाल उद्घाटन के दौरान मुख्य रुप से चक्रधरपुर के थाना प्रभारी राजीव रंजन, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सतीश पुरी, भाजपा की लोकसभा संयोजक गीता बालमुचू, रांची रिम्स के डॉक्टर सह समाजसेवी मनोज कुमार कोड़ाह, भाजपा नेता मनोज लेयांगी, भाजपा नेत्री जयश्री, हिन्दू जागरण मंच के झारखंड प्रदेश सदस्य सह जिलाध्यक्ष जय गिरि, टाईगर क्लब के आजाद गिरि, प्रो विकास कुमार मिश्रा, डॉ। शिवपूजन सिंह के अलावे गिरिराज सेना के सभी सदस्य व स्थानीय लोग मौजूद थे।

जगन्नाथपुर के शिव मंदिर टोला में पानी के लिए हाहाकार

नोवामुंडी, सूत्रकार

जैसे-जैसे गर्मी बढ़ रही है वैसे-वैसे पानी के लिए महिलाएं हाहकार मचा रही हैं। जी हां हम बात कर रहे हैं जगन्नाथपुर प्रखंड के शिव मंदिर टोला में जहां पानी का स्रोत नहीं रहने के कारण सभी चापाकल खराब पड़े हुए है। एक मात्र वन विभाग कॉलोनी स्थित डीप बोरिंग के जरिए शिव मंदिर स्थित सिंटेक्स लगाया गया है। जिससे कुछ हद तक लोगों को थोड़ा पानी मिलता था। लेकिन एक सप्ताह से मोटर खराब होने के कारण लोगों को पानी के लिए जद्दोजहद करना पड़ रहा है। खराब मोटर बनाने हेतु घर-घर से 200 से 300 रुपये शिव मंदिर के घरों की महिलाएं चंदा भी दी हैं, पर वन कॉलोनी के तरफ से चंदा नही उठने के कारण अब तक मामला वहीं का वहीं फंसा हुआ है।

कुछ दिन पहले ही शिव मंदिर आंगनबाड़ी की अगल-बगल की महिलाओं के द्वारा पेयजल सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए एक आवेदन अनुमंडल पदाधिकारी व प्रखंड विकास पदाधिकारी को सौपा था।

भगवान भास्कर को उदीयमान अर्ध्य के साथ संपन्न हुआ चैती छठ महापर्व

धनबाद, सूत्रकार

लोक आस्था का महापर्व चैती छठ पूरे जिलेभर में सोमवार को काफी धूमधाम से संपन्न हो गया। श्रद्धालुओं ने नदी व तालाब घाट पर अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर सुख शांति की मंगल कामना की। काफी संख्या में श्रद्धालु दोपहर से ही नदी घाट पहुंचे थे। चिलचिलाती धूप में ध्यान मग्न होकर छठ व्रतियों ने पानी में खड़े होकर भगवान भास्कर को नमन कर अपनी मनोकामना मांगी। सोमवार की सुबह उदयीमान भगवान भास्कर को छठ व्रतियों के साथ लोक आस्था का यह महापर्व समाप्त हुआ। महापर्व को लेकर विभिन्न छठ पूजा कमेटी ने महापर्व में किसी को किसी भी प्रकार की कोई तकलीफ ना हो इसकी पूरी व्यवस्था की थी।चैती छठ पूजा के शुभ अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह ने अपने आवास सिंह मेंशन छठ तालाब में पूरे परिवार के साथ सम्मलित हो भगवान सूर्य की आराधना कर समस्त कोयलांचल वासी सहित परिवार की शुख शांति एवं समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा।

छठ घाट समिति द्वारा की गई तालाब घाट की सफाई: गलफरबाड़ी ओपी अंतर्गत कृष्णा कांटा के समीप प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कृष्णा कांटा छठ घाट मे गुरूवार को कृष्णा कांटा छठ घाट समिति के द्वारा घाटो की साफ-सफाई,घाटो के किनारे ब्लचिंग का छिड़काव और छठ व्रतियो के आने-जाने वाले रास्ते मे पानी की छिड़काव किया गया है कृष्णा कांटा छठ घाट समिति के द्वारा प्रतिवर्ष छठ व्रतियो के लिए हर सुविधा उपलब्ध कराया जाता है। मौके पर लाल बाबू यादव,अरुण सिंह,देवेन्द्र भगत, वरूण पाण्डेय, अमीत मिश्रा, बिट्टू गुप्ता,अनुज गुप्ता आदि मौजूद थे।

लोयाबाद में श्रद्धा के साथ मना महापर्व छठः लोयाबाद में जगह-जगह लोक आस्था का महापर्व चैती छठ श्रद्धा के साथ मनाया गया। रविवार को अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को पहला अर्ध्य अर्पित किया गया।छठ व्रती श्रद्धालुओं ने घाटों पर पहुंच कर अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्ध्य दिया।लोक आस्था का यह महापर्व छठ वर्ष में दो बार मनाया जाता है।चैत्र शुक्ल पक्ष षष्ठी पर मनाए जाने वाले छठ पर्व को चैती छठ कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी पर मनाये जाने वाले पर्व को कार्तिकी छठ कहा जाता है।चैती छठ को बहुत ही कठिन माना गया है।क्योकि इस समय वर्तियो को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ता हैं।फिर भी व्रतियों के चेहरे पर कोई शिकन नही पाया जाता है।लोग पुरे विधि विधान से पर्व को मनाते है।वर्तियो ने बताया कि पारिवारिक सुख-समृद्धि, मनोवांछित फल प्राप्ति के लिए यह पर्व मनाया जाता है। सोमवार की सुबह उदीयमान भगवान को अर्ध्य देने के साथ लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व का समापन हुआ।

झरिया में हर्षोल्लास से संपन्न हुआ महापर्व : झरिया में हर्षोल्लास के साथ लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व चैती छठ सोमवार को उदयीमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देने और मंगल कामना के साथ संपन्न हुआ। झरिया के ऐतिहासिक राजा तालाब,आनंद भवन, सिंह नगर तालाब सहित जोरापोखर,डिगवाड़ीह,पाथरडीह,धनुडिह,तिसरा, सुदामडीह,केंदुआ,पुटकी आदि क्षेत्रों में भी पर्व की धूम रही।

चिरकुंडा व मैथन में धूमधाम से मनाया गया लोक आस्था का महापर्व : चिरकुंडा क्षेत्र में महापर्व चैती छठ के तहत शनिवार की शाम को छठ व्रतधारियों ने अपने अपने घरों में खरना अनुष्ठान संपन्न कर रविवार की संध्या को अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य दिया। अस्ताचलगामी सूर्यदेव को प्रथम अर्घ्य अर्पित करने हेतु मैथन डैम पर आए। हालांकि व्रतियों की संख्या कार्तिक मास की अपेक्षा काफी कम थी। अर्घ्य अर्पित करने से पूर्व व्रती जल में खड़े होकर आदिदेव भुवन भास्कर को नमन कर एवं परिवार,समाज की सुख-शांति के लिए मंगल कामना किया। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या में डैम पर उपस्थित श्रद्धालु दूध, पुष्प एवं जल से पहला अर्घ्य दिया। पहला अर्घ्य अर्पित करने के बाद व्रती एवं साथ आए श्रद्धालु छठि मैया के पारम्परिक गीत गाते हुए अपने-अपने घरों को लौट गए।चैती छठ पूजा को लेकर डीवीसी के द्वारा सड़क के दोनों किनारों पर मोरम डाल कर सड़क चौड़ीकरण, घाट की साफ सफाई एवं कैम्प पावर हाउस डिवीजन के द्वारा विधुतीय ब्यबस्था का कार्य समय से पूर्व पूरा कर लिया गया था।वहीं गोंगना छठ पूजा सेवा समिति के द्वारा घाट के समीप स्थित सूर्यदेव,बजरंगबली की मंदीर में स्थापित प्रतिमा के साथ प्रांगण की साफ सफाई एवं रंगरोगन का कार्य समय से पूर्व पूरा कर लिया गया था। सोमवार की सुबह व्रती के द्वारा उगते सूर्य देव को द्वितीय अर्ध्य अर्पित किए जाने के बाद चार दिनी महापर्व छठ का समापन हुआ।

कतरास में उदयीमान भगवान सूर्य के अर्ध्य के साथ चैती छठ संपन्नः लोकआस्था के चार दिवसीय महा चैती छठ पर्व सोमवार को उदयमान भगवान सूर्य को अर्ध्य के साथ समापन हो गया। कतरास शहर के विभिन्न छठ तालाबों व नदियों में छठव्रतियों ने भगवान सूर्य को अर्ध्य दिया। कतरास नदी किनारे सूर्य मंदिर में प्रातः 4 बजे से ही छठव्रतियों का आना शुरू हो गया था। प्रातः 5 बजते बजते छठ घाट में भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड पड़ी। लोगों ने बारी बारी से पूजा अर्चना की। छठ पर्व को लेकर सूर्य मंदिर को दुल्हन के तरह सजाया गया था। छठ कमेटी के लोग बेहतर व्यवस्था देने के लिए तैनात देखे गए। अंगारपथरा पुलिस दलबल के साथ मुस्तैद थे। सूर्य मंदिर छठ कमेटी के किशोरी गुप्ता, प्रकाश राम गुप्ता, मनोज गुप्ता, विजय गुप्ता,अधिवक्ता अवधेश गुप्ता, रामदेव तिवारी, गुड्डू शर्मा, रामेश्वर तिवारी, विकास कुमार, उदय वर्मा, प्रभाकर कुमार आदि सक्रिय रहे।

न्यूज फ्लैश

चार ट्रकों से 500 लीटर डीजल की चोरी

अनगड़ा, सूत्रकार

हेसल टोल प्लाजा के समीप रविवार की रात चार ट्रकों से 500 लीटर डीजल की चोरी हो गयी। बताया जाता है कि राजस्थान व बंगाल जा रहे ट्रक चालकों ने रविवार की रात टोल प्लाजा के समीप गाड़ी खड़ी की और खाना बनाकर खाने के बाद सो गये। इसी बीच ट्रकों की टंकियों से 500 लीटर से अधिक डीजल की चोरी हो गयी. अनगड़ा पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। थाना प्रभारी चमरा मिंज ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है।

गैंगरेप के दोषी को बेल देने से हाईकोर्ट का इनकार

खूंटी, सूत्रकार

खूंटी में वर्ष 2018 में हुए चर्चित कोचांग सामूहिक दुष्कर्म मामले के सजायाफ्ता जुनास मुंडा को बेल देने से हाईकोर्ट ने इनकार कर दिया है। सोमवार को हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आर मुखोपाध्याय और जस्टिस दीपक रौशन की खंडपीठ ने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी है। जुनास मुंडा ने अपनी कस्टडी को आधार बताते हुए जमानत मांगी थी, लेकिन अदालत ने उसकी अर्जी ठुकरा दी। बता दें कि खूंटी सिविल कोर्ट ने 17 मई 2019 को जुनास मुंडा को सामूहिक दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सामूहिक दुष्कर्म का यह मामला साल 2018 जून महीने का है। इस केस से जुड़े अन्य दोषी भी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

न्याय उलगुलान रैली के आयोजन से भाजपा नेता हैरान और परेशान : राजद

रांची, सूत्रकार

झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने कहा कि न्याय उलगुलान रैली के आयोजन से भाजपा हैरान और परेशान नजर आ रही है। इसलिए भाजपा नेताओं द्वारा ऊल जलूल बयानबाजी की जा रही है। अभी से भाजपा को हार का डर सताने लगा है। भाजपा समझ रही है कि इस रैली के दिन से ही भाजपा की उलटी गिनती शुरू हो जाएगी। इस रैली में देश के सभी बड़े नेता जो इंडिया गठबंधन हैं, वे शामिल होंगे। रैली में महागठबंधन के नेता और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता, युवाओं के मान व सम्मान युवाओं के आई कॉन तेजस्वी प्रसाद यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। डॉ मनोज ने कहा कि भाजपा का घोषणा पत्र केवल लोक लुभावना घोषणा पत्र है। देश की जनता जान चुकी है कि भाजपा को झूठे वादे करने और झूठे सपने दिखाने का जुमला है। देश की जनता जानना चाह रही है कि पिछले साल प्रधानमंत्री ने दो करोड़ बेराजगारों को नौकरी, काला धान वापस लाएंगे, स्मार्ट सिटी बनायेंगे इस तरह के सैकड़ों वादे किए थे, उसका क्या हुआ भाजपा को बताना चाहिए। भाजपा के क्रिया कलाप से देश की जनता वाकिफ है, इसलिए देश में भाजपा के तमाम नेता जितने भी झूठे वादे कर ले, कुछ होना नहीं है।

बाबूलाल मरांडी को हाईकोर्ट से राहत, पीड़क कार्रवाई पर रोक का आदेश

रांची, सूत्रकार

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को झारखंड हाईकोर्ट से राहत मिली है। मामला रांची, सिमडेगा, रामगढ़, लोहरदगा, साहिबगंज और मधुपुर में दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा है। दरअसल, बाबूलाल मरांडी ने एक साक्षात्कार में हेमंत सोरेन और उनके परिवार पर गंभीर आरोप लगाए थे। इसपर झामुमो कार्यकताओं ने आपत्ति जताते हुए अगस्त 2023 में राज्य के अलग-अलग जिलों के छह थानों में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसपर बाबूलाल मरांडी की ओर से सिमडेगा थाना में दर्ज प्राथमिकी को क्वैश (रद्द) करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दी गई थी। झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता धीरज कुमार ने बताया कि हाईकोर्ट के जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत में मामले की सुनवाई करते हुए बाबूलाल मरांडी के खिलाफ किसी भी तरह की पीड़क कार्रवाई पर रोक लगाने का आदेश दिया है। साथ ही विपक्षी को नोटिस जारी किया है। प्राथमिकी दर्ज करने वाले शख्स का पक्ष आने के बाद मामले पर अगली सुनवाई होगी। दरअसल, पिछले साल बाबूलाल मरांडी ने संकल्प यात्रा निकाली थी। उस दौरान उन्होंने कई जिलों का दौरा कर तत्कालीन मुख्यमंत्री के साथ-साथ पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ कई बयान दिए थे। उन्होंने सोरेन परिवार को भ्रष्टाचारी बताया था। झामुमो कार्यकताओं ने थानों में प्राथमिकी के लिए आवेदन देते हुए आरोप लगाया था कि राज्य की जनता ने शिबू सोरेन को दिशोम गुरु की उपाधि दी है। उन्होंने झारखंड आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई है। इसके बावजूद एक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष होते हुए भी बाबूलाल मरांडी उनके खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी कर रहे हैं।

रेलवे मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में विशेष जांच अभियान चला

मधुपुर, सूत्रकार

रेलवे मजिस्ट्रेट जूलियन आनंद टोप्पो के नेतृत्व में मधुपुर स्टेशन पर रेलवे एक्ट अनुपालन कराने को लेकर विशेष जांच अभियान चलाया । इस बीच रेलवे मजिस्ट्रेट की टीम ने पटना हावड़ा जनशताब्दी एक्सप्रेस अप एवं डाउन धनबाद पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस,के अलावा आसनसोल झाझा बैजनाथ धाम मेमू सवारी ट्रेन अंडाल बांका सवारी गाड़ी पूर्वा अप एक्सप्रेस के महिला और दिब्यांग बोगी की रेल यात्रियों की जांच की गई । साथ ही रेलवे ट्रैक क्रांसिग, स्टेशन पर गंदगी फैलाना आदि पर भी यह अभियान चलाकर रेलवे एक्ट नियमों का अनुपालन करने को रेलयात्री को कहा गया । इस बीच रेलवे मजिस्ट्रेट ने विभिन्न रेलवे एक्ट अधिनियम के तहत मधुपुर स्टेशन में कुल 100 रेल यात्रियों को हिरासत में लेकर कुल 24200/ जुर्माना वसूला गया । मौके पर मोहम्मद रमीज, प्रभास झा, उदय कुमार सिंहा, अनुप कुमार, नुनुलाल हैब्रम, समेत आसनसोल रेल मंडल के पुरुष, महिला आरपीएफ के अधिकारि एवं मधुपुर जसीडीह जीआरपीएस के बल मौजूद थे।

रंगोली, मेहंदी व स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन

देवघर, सूत्रकार

देवघर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विशाल सागर के निर्देशानुसार लोकसभा आम चुनाव, 2024 में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से देवघर जिलान्तर्गत स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाताओं को जागरूक करने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज मधुपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रंगोली, मेहंदी और स्लोगन प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रंगोली प्रतियोगिता में स्कूली बच्चों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। साथ ही मतदाता जागरूकता से जुड़ी कई आकर्षक रंगोली बनाने के अलावा रंगोली में ही मतदाताओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न जागरूकता स्लोगन लिखे गये थे, ताकि शत प्रतिशत मतदाताओं को मतदान हेतु जागरूक किया जा सके। इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान सभी को स्वीप गतिविधियों की जानकारी दी गयी।

आर्किटेक्ट विनोद सिंह ने मांगी अग्रिम जमानत

रांची, सूत्रकार

लैंड स्कैम केस में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सहयोगी आर्किटेक्ट विनोद सिंह ने अपनी अग्रिम जमानत के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। विनोद सिंह ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लाउंड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की है। उसकी याचिका पर कोर्ट मंगलवार को सुनवाई करेगा। दरअसल एऊने हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दायर की है, जिसपर कोर्ट ने संज्ञान भी ले लिया है। शनिवार (30) मार्च को रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट में एऊ के अधिकारियों ने पीसी दाखिल की है। इस केस के प्रमुख आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में बंद हैं। ढटछअ कोर्ट द्वारा संज्ञान लिए जाने के बाद अब आर्किटेक्ट विनोद सिंह और राजकुमार पाहन के ऊपर गिरफ़्तारी की तलवार लटकने लगी है। क्योंकि अदालत ने आर्किटेक्ट विनोद सिंह और राजकुमार पाहन के विरुद्ध समन जारी करने का निर्देश दिया है।

बीजेपी के संकल्प पत्र पर बोले बाबूलाल

मोदी असंभव को करेंगे संभव हर हाल में होगा 400 पार

रांची, सूत्रकार

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने पार्टी के संकल्प पत्र को मोदी द्वारा पूरा किए जाने का दावा करते हुए कहा है कि मोदी असंभव को भी संभव करने वाले व्यक्ति हैं, जिसे जनता ने उनके पिछले 10 वर्षों के कार्यकाल में परख लिया है। लोकसभा चुनाव को लेकर पार्टी के मीडिया कार्यालय का उद्घाटन करते हुए बाबूलाल ने एक बार फिर झारखंड की सभी 14 सीटें और देशभर में 400 से ज्यादा सीटें जीतने का दावा किया। इस दौरान मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि संकल्प पत्र को 24 समूहों में बांटा गया है, जिसके बाद इसे 10 सामाजिक समूहों में बांटा गया है। इन सामाजिक समूहों में गरीब, युवा, वरिष्ठ नागरिक, मध्यम वर्ग, वंचित वर्ग, मछुआरा, पिछड़ा वर्ग और कमजोर वर्ग में बांटा गया है। इसके अलावा गवर्नेंस को भी 14 सेक्टरों में बांटा गया है।

इस मौके पर बाबूलाल मरांडी ने गीता कोड़ा पर हुए हमले में झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं का हाथ होने का आरोप लगाया और कहा कि प्रशासन को इस घटना में शामिल लोगों पर कार्रवाई करनी चाहिए और चुनाव तक उन्हें जेल से बाहर नहीं रहने देना चाहिए। जेएमएम के इनकार पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जिस तरह से वीडियो में झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता दिख रहे हैं, उससे साफ लग रहा है कि इसमें वही लोग शामिल हैं। चाहें तो नाम सार्वजनिक भी किये जा सकते हैं।

भाजपा का संकल्प पत्र पूरा होने की है गारंटी : लक्ष्मीकांत वाजपेयी

संकल्प पत्र पूरा होने का दावा करते हुए बीजेपी प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा है कि इसे 15 लाख लोगों से मिले सुझावों पर तैयार किया गया है, जिनमें से 10 लाख सुझाव वीडियो के जरिए मिले हैं। इसके बाद राजनाथ सिंह के नेतृत्व में बीजेपी की कमेटी बनी। मोदी बीजेपी के इस संकल्प पत्र को पूरा करने का काम करेंगे। क्योंकि जनता जानती है कि मोदी की गारंटी पूरी होने की गारंटी है। मीडिया सेंटर के उद्घाटन के मौके पर राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, प्रदेश महासचिव मनोज सिंह, मीडिया विभाग प्रभारी शिवपूजन पाठक, प्रदीप सिन्हा समेत कई बीजेपी नेता मौजूद रहे।

ढुल्लू और उनके परिजनों की बेनामी संपत्तियों का ब्यौरा है मेरे पास, जल्द खुलासा : सरयू

रांची, सूत्रकार

निर्दलीय विधायक सरयू राय ने भाजपा नेताओं को नसीहत दी है। उन्होंने भाजपा के उन नेताओं पर निशाना साधा है, जिन्होंने सरयू राय को अपना ज्ञान अपने पास ही रखने की सलाह दी है। सरयू राय ने कहा है कि उन्हें इन विवरणों की वस्तुस्थिति और सत्यता की जाँच अपने सूत्रों से करा लेनी चाहिए। उसके बाद उन्हें इस बारे में अपनी प्रतिक्रिया देनी चाहिए कि प्रधानमंत्री की घोषणा की कसौटी पर भाजपा के ऐसे उम्मीदवार खरा उतरते है या नहीं? सरयू राय ने कहा है कि मेरे पास भाजपा के इस घोषित उम्मीदवार और उनके परिवारजनों द्वारा खरीदी गई बड़ी संख्या में बेनामी अचल संपतियों और कंपनियों के नाम का विस्तृत ब्यौरा भी है। ये कंपनियां दो साल पूर्व दिवालिया होने के कगार पर पंहुच चुकी थी। इन कंपनियों में पिछले चार वर्षों में अकूत अचल संपति खरीदा गया है, जिसमें हार्ड कोक उद्योग, फ्लावर मिल आदि के भूखंड, निर्मित ढांचा एवं मशीनरी शामिल है। इनमें से कई भूखंड गोविंदपुर अंचल के तुमादाहा मौजा में ही स्थित है। ये कंपनियां अभी भी रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के दस्तावेज में सक्रिय दिख रही है। जीएसटी एवं आयकर का भुगतान भी कर रही हैं। सरयू राय ने कहा कि ढुल्लू के पास आय की तुलना में अचल परिसंपत्तियां अधिक हैं। ऐसे व्यक्तियों और कंपनियों के बारे में प्राप्त सूचनाओं का मिलान आधिकारिक दस्तावेजों से करने के उपरांत मैं शीघ्र ही इसे भाजपा नेताओं की जानकारी के लिए सार्वजनिक करूंगा, ताकि वे नहीं चाहते हुए अपने ज्ञान में वृद्धि कर सकें। उनका जमीर जग सके। ये मामला आय से अधिक संपत्ति के ठोस उदाहरण हैं।

उलगुलान रैली के लिए गठबंधन दलों की बनी समिति

रांची, सूत्रकार

उलगुलान न्याय महारैली की सफलता के लिए इंडिया गठबंधन के दलों ने आपसी समन्वय के तहत विभिन्न प्रकार की समितियों का गठन किया है। जिसमें आयोजन समिति, स्वागत समिति और मीडिया समिति का गठन किया गया है। झामुमो द्वारा समिति में शामिल पदाधिकारियों और नेताओं के नाम जारी कर दिए गए हैं। जिसमें सभी गठबंधन दलों के मंत्री, सांसद, विधायक व पार्टी पदाधिकारियों को शामिल किया गया है। मंत्री बैजनाथ राम, दीपक बिरूआ, बेबी देवी, हफीजुल हसन, मिथिलेश ठाकुर, बादल पत्रलेख, विधायक विकास सिंह मुंडा, राजेश कच्छप, पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद, आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान, विनोद कुमार पांडेय, फागू बेसरा, सुप्रियो भट्टाचार्य,नंद किशोर मेहता, पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, रवींद्र सिंह, अजय नाथ शाहदेव, अमूल्य नीरज खलखो, मानस सिन्हा, , गौतम सागर राणा, रंजन कुमार, कुमार वरूण, सुदामा खलखो, नरेंद्र चौबे, सौरभ श्रीवास्तव आदि शामिल हैं। स्वागत समिति में मंत्री दीपक बीरूआ, हफीजुल हसन, मिथिलेश ठाकुर, बन्ना गुप्ता, सांसद सरफराज अहमद, विजय हांसदा, महुआ माजी, विधायक सविता महतो, सुदिव्य कुमार सोनू, हिंदू न्यास बोर्ड के अध्यक्ष जयशंकर पाठक, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद, राजू गिरि, अनवर अहमद अंसारी, विनय सिन्हा दीपू, मंजूर अंसारी, गुंजन सिंह, तनवीर आलम, अभिलाष साहू, अभीजित राज, केदार पासवान, अनिता यादव, आबिद अली, शुभेंदू सेन, समर सिन्हा, डीएन सिंह, अजय भगत शामिल हैं। प्रेस-मीडिया समिति में सुप्रियो भट्टाचार्य, मनोज कुमार पांडेय, राकेश सिन्हा, सतीशपाल मुंजनी, कैलाश यादव, विनोद लहरी, सईद अख्तर, ओंकार नाथ जायसवाल शामिल हैं।

रांची से मंत्री बन्ना गुप्ता हो सकते हैं कांग्रेस के प्रत्याशी ! आलाकमान के फैसले पर सबकी नजर

रांची, सूत्रकार

रांची लोकसभा सीट को लेकर कांग्रेस ने बड़ा दांव खेला है। विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, चंपाई सरकार में मंत्री बन्ना गुप्ता को पार्टी प्रत्याशी बना सकती है। इसकी आधिकारिक घोषणा आज शाम तक होने की उम्मीद जतायी जा रही है। विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने बन्ना गुप्ता के नाम पर अपनी सहमति दे दी है। इस फैसले को कांग्रेस का मास्टर स्ट्रोक कहा जा रहा है। अगर बन्ना प्रत्याशी घोषित होते तो रांची सीट पर चुनाव दिलचस्प हो सकता है। इसकी वजह जातीय समीकरण मानी जा रही है। सूत्रों के मुताबिक बनिया वर्ग से आने वाले भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ के सामने इसी जाति से आने वाले बन्ना गुप्ता ताल ठोकते नजर आएंगे। खास बात है कि बन्ना गुप्ता जमशेदपुर पश्चिम से विधानसभा का चुनाव लड़ते रहे हैं। 2019 में उनकी एकतरफा जीत हुई थी क्योंकि जमशेदपुर पश्चिम से 2014 में भाजपा की टिकट पर चुनाव जीतने वाले सरयू राय ने तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास के खिलाफ बतौर निर्दलीय जमशेदपुर पूर्वी सीट से चुनाव लड़ा था और उन्हें मात भी दे दी थी।

दरअसल, रांची लोकसभा सीट पर भाजपा और कांग्रेस के बीच टक्कर होती रही है।

2019 के चुनाव से पहले तक यहां भाजपा की ओर से रामटहल चौधरी और कांग्रेस की ओर से पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय के बीच चुनावी जंग चलती रही है। लेकिन 2019 में भाजपा ने रामटहल चौधरी की जगह संजय सेठ को प्रत्याशी बना दिया था। तब रामटहल चौधरी बागी बनकर मैदान में उतरे थे। लेकिन चुनाव के ठीक पहले पीएम मोदी के रोड शो से पूरा माहौल बदल गया था और संजय सेठ की एकतरफा जीत हुई थी। इस बीच पिछले दिनों रामटहल चौधरी कांग्रेस में शामिल हो गये हैं। जबकि सुबोधकांत सहाय अपने क्षेत्र में पहले की तरह सक्रिय हैं। संभावना जतायी जा रही थी कि सुबोधकांत सहाय और रामटहल चौधरी में से ही किसी को टिकट मिलेगी।

रांची में रामनवमी में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

पुलिस ने ड्रोन से हिंदपीढ़ी और डेली मार्केट में छतों का किया निरीक्षण

रांची, सूत्रकार

दो दिन बाद रामनवमी है। ऐसे में जिला प्रशासन अपनी तरफ से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर रही है। 1500 जवानों की तैनाती सुरक्षा की लिहाज से की जाएगी। राजधानी रांची में किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना ना घटे इस वजह से संवेदनशील इलाकों में पैनी नजर रखी जा रही है। जुलूस के मार्ग में स्थित सभी घरों की छतों का सोमवार को ड्रोन से निरीक्षण किया गया। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में हिंदपीढ़ी और डेली मार्केट थाना क्षेत्र में ड्रोन से छत का निरीक्षण किया गया।

जुलूस के दौरान किसी तरह का विवाद ना हो, पत्थरबाजी नहीं हो, इसलिए जुलूस वाले मार्ग के सभी मकानों का जिला प्रशासन द्वारा जांच की जा रही है। जिनकी छतों पर ईंटा पत्थर देखा गया है उन्हें हटाने को कहा गया है। इसके अलावा जुलूस मार्ग और विभिन्न चौक-चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए स्थानों का चयन किया गया है। डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया है कि रामनवमी जुलूस पर निगरानी रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा अस्थायी सीसीटीवी कैमरा लगाया जा रहा है। जिसकी मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम से होनी है। कैमरों की सहायता से जुलूस पर पैनी नजर होगी। किसी भी असामाजिक तत्व को बख्शा नहीं जायेगा। उपद्रवियों पर सख्त कार्रवाई की जायेगी।

डीसी ने ईवीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण

रांची, सूत्रकार

उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने सोमवार को मोरहाबादी के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम स्थित ईवीएम वेयर हाउस की आंतरिक व्यवस्था का निरीक्षण किया। भारत निर्वाचन आयोग के तय मानकों के आधार पर राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम वेयर हाउस खोला गया। इस दौरान आंतरिक व्यवस्था, ईवीएम के रख-रखाव, वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था समेत अन्य मानकों का जायजा लिया। डीसी ने वेयर हाउस के रख-रखाव के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश उप निर्वाचन पदाधिकारी को दिया। इस दौरान रांची जिले के सभी सात विधानसभा क्षेत्र के संबंधित सहायक निर्वाची पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

गीता कोड़ा पर हमला मामले में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने दी प्रतिक्रिया, कहा

लोकतंत्र में सबको सबके घर-आंगन जाने का है अधिकार

खूंटी, सूत्रकार

केंद्रीय मंत्री सह खूंटी लोकसभा के बीजेपी प्रत्याशी अर्जुन मुंडा ने सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा पर हमला मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सबको सबके घर और आंगन तक जाने का अधिकार भी है और दायित्व भी है। अर्जुन मुंडा ने कहा कि प्रशासन को इस मामले को देखना चाहिए। गौरतलब है कि शनिवार को गीता कोड़ा अपने संसदीय क्षेत्र का दौरा करने निकली थीं। जहां ग्रामीणों और झामुमो समर्थकों उनपर हमला किया था और तीन घंटे तक बंधक बनाकर रखा था। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि प्रत्याशियों को क्षेत्र भ्रमण करने का अधिकार है और उन्हें हर गांव तक जाने का पूरा अधिकार है। प्रशासन को इस तरह के मामले में नजर रखनी चाहिए और ऐसी घटना दोबारा नहीं हो इस पर ध्यान देना चाहिए। खूंटी पहुंचे केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने सोमवार को खूंटी के नेताजी चौक स्थित चुनावी कार्यालय का उद्घाटन किया। इस मौके पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा और कोचे मुंडा को संयुक्त रूप से 11 किलो का माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम में खूंटी और तोरपा विधानसभा के बानो क्षेत्र से लगभग 200 झामुमो, कांग्रेस, राजद और झापा के कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दामन थामा। भाजपा में शामिल कार्यकर्ताओं में बानो प्रखंड के झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष भी थे।चुनावी कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में भाजपा के खूंटी लोकसभा प्रभारी रवींद्र राय, खूंटी जिलाध्यक्ष, पूर्व जिलाध्यक्ष समेत बड़ी संख्या में महिला और युवा कार्यकर्ता मौजूद थे। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने मीडिया से भी बातचीत की। इस क्रम में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में कई महत्वपूर्ण कार्यों को अमलीजामा पहना चुके हैं। जम्मू कश्मीर से धारा 370 समाप्त किया। दूसरे देशों के घुसपैठियों को भारत की सेना ने पीएम के नेतृत्वकाल में करारा जवाब दिया। वर्त्तमान समय में सेना का मनोबल बढ़ा है और देश की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। केंद्रीय मंत्री सह खूंटी लोकसभा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा ने कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र में खूंटी को भी महत्वपूर्ण स्थान मिला है। वर्ष 2025 में धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को हमारी आने वाली सरकार ह्यजनजातीय गौरव वर्ष' के रूप में मनाएगी। यह हम सभी के लिए हर्ष का विषय है। भाजपा ने जनजातीय समुदाय का मान-सम्मान बढ़ाने का काम किया है। खूंटी विधानसभा चुनाव कार्यालय में उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प पत्र मोदी की गारंटी के माध्यम से आने वाले पांच सालों में क्या-क्या कार्य किए जाएंगे उसका रोडमैप जनता के समक्ष रखने का काम किया है। साथ ही संकल्प पत्र के माध्यम से यह भी बताने की कोशिश की गई कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में चहुंमुखी विकास हुआ है। मुंडा ने कहा कि हमारा संकल्प पत्र विकसित भारत बनाने का संकल्प पत्र है। अर्जुन मुंडा ने कहा कि अगले पांच सालों तक मुफ्त राशन, पानी, गैस कनेक्शन देने का काम हमारी सरकार करेगी। पीएम सूर्य घर योजना से जीरो बिजली बिल की व्यवस्था होगी। आयुष्मान भारत से पांच लाख तक का मुफ्त इलाज मिल रहा है, यह आगे भी मिलता रहेगा। 70 साल से ऊपर की आयु के हर बुजुर्ग को इस योजना से जोड़ा जाएगा। जन औषधि केंद्र पर 80 फीसदी छूट के साथ दवाई मिलती रहेगी। गरीबों को चार करोड़ पक्के मकान बनाकर दिए गए हैं। तीन करोड़ और पक्के मकान बनाए जाएंगे। मुद्रा योजना के तहत अब 20 लाख रुपए का लोन मिलेगा। युवाओं के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, स्टार्टअप, स्पोर्ट्स, इन्वेस्टमेंट, हाई वैल्यू सर्विस और टूरिज्म के जरिए लाखों रोजगार के अवसर पैदा किए जाएंगे। अर्जुन मुंडा ने कहा कि हमने अभी तक एक करोड़ लखपति दीदी बनाया है, आगे तीन करोड़ लखपति दीदी और बनाएंगे। नारी वंदन अधिनियम को लागू कर आधी आबादी को हक देने का काम हमारी सरकार करेगी। एकलव्य स्कूल, पीएम जनमन वन उत्पादों में वैल्यू एडिशन और ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए हमारी सरकार काम करेगी।

www.sutrakarsamachar.com
सूत्रकार
सब्सक्राइब करें
रांची, मंगलवार, 16 अप्रैल 2024

न्यूज फ्लैश

बीजेपी कार्यकर्ताओं से हाथापाई मामले में गीता कोड़ा ने चुनाव आयोग से की शिकायत

सरायकेल, सूत्रकार

सिंहभूम सीट से भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा के चुनावी जनसंपर्क अभियान को गम्हरिया प्रखंड के मोहनपुर में विरोध कर रोके जाने और भाजपा कार्यकताओं पर हमले के मामले में चुनाव आयोग से शिकायत की गई है। आयोग ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। बता दें कि रविवार को बीजेपी प्रत्याशी गीता कोड़ा चुनावी जनसंपर्क अभियान के तहत गम्हरिया के मोहनपुर गांव पहुंची थीं, जहां पहले से मौजूद बड़ी संख्या में लाठी-डंडे से लैस ग्रामीणों ने गीता कोड़ा समेत बीजेपी कार्यकताओं को गांव में घुसने से रोक दिया। जिससे भाजपा कार्यकर्ता भी उग्र हो गए मारपीट और हाथापाई की नौबत आ गई। घटना को लेकर मौके पर पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा समेत बीजेपी प्रत्याशी गीता कोड़ा ने गम्हरिया थाना पहुंचकर 6 नामजद और 50 अन्य के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज करायी है, जिस पर पुलिस ने कार्रवाई करने की बात कही है।

जंगल में मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

लोहरदगा, सूत्रकार

जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र के चंदवा-गढ़गांव जंगल में एक युवक का शव अर्धनग्न अवस्था में मिला। शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। लोग तरह-तरह की चर्चा कर रहे हैं। कोई इसे हत्या तो कोई आत्महत्या बता रहा है। पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुट गयी है। शव का पोस्टमार्टम कराकर आगे की कार्रवाई की जा रही है। लोहरदगा जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र के चंदवा गढ़गांव जंगल में जिस नाले में युवक का शव मिला, वह इलाका लोहरदगा और गुमला जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में है।अभी तक शव की पहचान नहीं हो सकी है। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से शव की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, जहां शव मिला, वहां पेड़ से रस्सी जैसी कोई चीज बंधी हुई थी। युवक के गले पर रस्सी के निशान भी हैं। इससे पूरा मामला काफी संदिग्ध लग रहा है। इस मामले में सेन्हा थाना प्रभारी सह प्रशिक्षु एसपी वेदांत शंकर का कहना है कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद कुछ स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पूरी जांच के बाद ही कहा जा सकता है कि युवक की मौत कैसे हुई। ग्रामीणों के अनुसार, जंगल में महुआ चुनने गयी महिलाओं को वहां एक युवक का शव मिला। जिसके बाद महिलाओं ने गांव आकर इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

गैस लदे ट्रक से भीषण टक्कर के बाद कंटेनर में लगी आग, केबिन जलकर खाक

रामगढ़, सूत्रकार

जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के कोठार फ्लाईओवर के पास भीषण सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में एक कंटेनर जलकर राख हो गया। कंटनेर में लगे आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। हादसे के कारण करीब दो घंटे तक रांची पटना एनएच 33 दोनों तरफ से जाम रहा। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली कि कोठार पुल के पास गैस लदे ट्रक में आग लग गयी है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि कंटेनर ने गैस सिलेंडर से लदे ट्रक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी है और कंटेनर के केबिन में आग लग गई। कंटेनर के केबिन में रूक-रूक कर धमाके की आवाज भी आ रही थी। इसी बीच गैस सिलेंडर ले जा रहे ट्रक ड्राइवर ने समझदारी दिखाई और किसी तरह अपनी गाड़ी वहां से हटा ली। तब तक फायर ब्रिगेड की टीम भी वहां पहुंच गई और कंटेनर के केबिन में लगी भीषण आग को बुझाने में जुट गई। हालांकि, इस घटना में कंटेनर का केबिन जलकर पूरी तरह खाक हो गया। कंटेनर में क्या लदा था, इसका पता नहीं चल सका है। कंटेनर का चालक घायल हो गया, जिसका इलाज रामगढ़ सदर अस्पताल में कराया गया। रामगढ़ थाना प्रभारी अजय कुमार साहू ने बताया कि सूचना मिली कि गैस टैंकर में कंटेनर में पीछे से जोरदार टक्कर हो गयी और आग लग गयी। पेट्रोलिंग टीम के साथ-साथ फायर ब्रिगेड के साथ मौके पर पहुंचने के बाद हमने देखा कि कंटेनर में आग लगी हुई है। वहीं आग की चपेट में आने से पहले किसी तरह चालक गैस लदे ट्रक को लेकर आगे बढ़ गया। उन्होंने बताया कि घटना के बाद कुज्जू नया मोड़ और काकेबार बाइपास पर दोनों तरफ ट्रैफिक रूट डायवर्ट कर दिया गया ताकि किसी भी तरह की कोई अन्य घटना न हो सके और कंटेनर में लगी आग को बुझाया गया। सबसे राहत की बात यह रही कि गैस लदी गाड़ी को आग की चपेट में आने से बचा लिया गया। यातायात सुचारू रूप से शुरू किया जा रहा है।

उगते सूर्य को दिया गया अर्घ्य, महापर्व का समापन

बोकारो, सूत्रकार

बोकारो जिले के चास व बेरमो अनुमंडल क्षेत्र में चैती छठ महापर्व श्रद्धा के साथ मनाया गया। व्रतियों ने नदी व सरोवरों पर सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रत का समापन किया। बोकारो शहर से लेकर गोमिया, कथारा, जारंगडीह समेत अन्य स्थानों पर छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। छठी मइया के गीतों से वातावरण भक्तिमय हो गया। इससे पहले व्रतियों ने रविवार की शाम अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। सोमवार की सुबह भुवन भास्कर को अर्घ्य के साथ चार दिवसीय महापर्व का समापन हुआ। छठ घाटों पर प्रसाद लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे।

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने सीएम चंपाई पर कसा तंज, कहा

खाता न बही, मैडम कल्पना जो बोले वही सही

जमशेदपुर, सूत्रकार

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने एक बार फिर झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन पर हमला बोला है। जमशेदपुर में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने आये नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को सर्कस का शेर बताया है। वे जमशेदपुर स्थित बीजेपी कार्यालय में पत्रकारों से बात कर रहे थे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार के मुखिया भले ही चंपाई सोरेन हैं, लेकिन इसका नियंत्रण किसी और के हाथ में है। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति में यह कहा जा सकता है कि खाता न बही मैडम कल्पना जो बोले वह सही। नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि सीएम चंपाई सोरेन का 14 सीटें जीतने का बयान मुंगेरीलाल के हसीन सपने देखने जैसा है। आज पूरा झारखंड पूछ रहा है कि सीएम चंपाई सोरेन की इतनी दुर्गति क्यों है? आज झामुमो की चुनावी रणनीति और बैठकों से सीएम चंपाई सोरेन को किनारे कर दिया गया है और मैडम कल्पना सोरेन वंशवाद और परिवारवाद की राजनीति का नेतृत्व कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आज झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष गुरुजी हैं, कार्यकारी अध्यक्ष जेल में हैं। ऐसे में परिवारवाद और वंशवाद की सबसे सटीक और अनूठी मिसाल बन चुकीं कल्पना सोरेन के पास न तो पार्टी में कोई पद है और न ही उनके पास कोई राजनीतिक अनुभव है। फिर वे किस हैसियत से फैसले लेने और राजनीति के केंद्र पर काबिज होने के लिए स्वतंत्र हैं।

सुदिव्य सोनू के बयान पर तंज : सुदिव्य सोनू के बयान का जिक्र करते हुए अमर बाउरी ने कहा कि उनके बयान 'आप मुख्यमंत्री चुन रहे हैं, विधायक नहीं' का क्या मतलब है? क्या सीएम चंपाई सोरेन के दिन पूरे हो गए हैं? क्या अब उनकी विदाई का समय आ गया है? अमर बाउरी ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में जब मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री बने थे, तब मैडम सोनिया गांधी सत्ता के केंद्र में थीं। हम भाई-भतीजावाद की राजनीति के आरोप ऐसे ही नहीं लगाते, ये सब पुराने उदाहरण हैं। वहीं, आज झारखंड में भी हालात कुछऐसे ही हैं। जहां सत्ता की सारी ताकत मैडम कल्पना के हाथ में है और चंपीई सोरेन महज केयरटेकर, सीएम और कठपुतली बनकर रह गये हैं।

सीएम अपने विधानसभा क्षेत्र तक ही सीमित : अमर बाउरी ने कहा कि मुख्यमंत्री किसी भी पार्टी के स्टार प्रचारक होते हैं, लेकिन सीएम चंपाई सोरेन अपने विधानसभा में बैठकर 3 दिनों का कार्यक्रम बना रहे हैं। इसका मतलब साफ है कि मैडम कल्पना सोरेन ने उन्हें अपने विधानसभा तक ही सीमित रखने का काम किया है। वहीं, अमर बाउरी ने कहा कि भाजपा जमशेदपुर समेत झारखंड की 14 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करेगी और राज्य की प्रबुद्ध जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकसित भारत के संकल्प यात्रा में भागीदार बनेगी। अमर बाउरी ने कहा कि राज्य में साढ़े चार साल की लूट, भ्रष्टाचार और कुकर्मों के बाद आगामी लोकसभा चुनाव में झामुमो-कांग्रेस और राजद का सफाया हो जायेगा।

आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में आठ नामजद समेत कई पर मामला दर्ज

प्रतापपुर, सूत्रकार

थाना में सीओ नित्यानंद दास ने रविवार को आचार संहिता उल्लंघन के मामले में आठ नामजद व 20-25 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस ने दो नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इनमें कुंदा थाना क्षेत्र के बौधाडीह गांव निवासी सुबोध पासवान व बबलू पासवान शामिल हैं। इस संबंध में प्रशिक्षु आइपीएस शुभम खंडेलवाल ने कहा कि 14 अप्रैल को प्रखंड कार्यालय के सामने स्थित गोलंबर में कुछ लोग आचार संहिता का उल्लंघन कर डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करना चाहते थे। रोक लगाने पर वरीय पदाधिकारियों की बातों की अवहेलना व दुर्व्यवहार किया गया। सीओ के आवेदन के आधार पर मामला दर्ज किया गया। मालूम हो कि प्रतापपुर प्रखंड कार्यालय के सामने स्थित गोलंबर में बाबा साहब की प्रतिमा को स्थापित कर अनावरण करने के लिए ग्रामीणों ने 10 अप्रैल को एसडीओ को आवेदन दिया था। एसडीओ ने 12 अप्रैल को निर्गत आवेदन में प्रतिमा स्थापित करने जयंती कार्यक्रम में 200 लोगों को शामिल होने के लिए अनुमति दी।

ट्रेनों ने कम किया जाएगा वेटिंग लिस्ट : वीडी राम

पलामू से बीजेपी के घोषणा पत्र के लिए दिया था 3938 सुझाव

पलामू, सूत्रकार

ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट को कम करना प्राथमिकता होगी, साथ ही साथ वंदे भारत और अमृत भारत ट्रेन जिला के नए इलाकों में शुरू किए जाएंगे। ये बातें पलामू सांसद सह बीजेपी के प्रत्याशी विष्णु दयाल राम ने कही हैं। भारतीय जनता पार्टी द्वारा लोकसभा चुनाव को लेकर घोषणा पत्र जारी होने के बाद प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने ये तमाम बातें मीडिया से साझा की। सांसद सह पलामू लोकसभा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम ने बताया कि घोषणा पत्र जारी करने से पहले भाजपा में सुझाव आमंत्रित किया था। 3 हजार 425 ऑफलाइन जबकि 513 लोगों ने ऑनलाइन सुझाव दिया था। उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की घोषणा पत्र में कई सारी बातों का उल्लेख है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के साथ-साथ कई बातों का ध्यान रखा गया है। सांसद वीडी राम ने बताया कि राष्ट्र की सुरक्षा और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर घोषणा पत्र में कई बातों का जिक्र है। घोषणा पत्र में मुख्य बातें यूनिफॉर्म सिविल कोड और वन नेशन वन इलेक्शन को भी इसमें शामिल किया गया है। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने बताया कि घोषणा पत्र में रेलवे के लेकर कई बातें कही गई हैं। सरकार की प्राथमिकता होगी की ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट को काम किया जाए, साथ ही साथ नए इलाका में वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत की जाए।

भाजपा का घोषणा पत्र : अन्नपूर्णा देवी और अमर बाउरी ने कहा

नए भारत की परिकल्पना व भारत को विकसित राष्ट्र बनाने वाला संकल्प

बोकारो/कोडरमा, सूत्रकार

भाजपा के संकल्प पत्र को केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री और कोडरमा लोकसभा की प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी ने साल 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने वाला संकल्प बताया है। वहीं विधायक अमर बाउरी ने इसे देश के विकास के हिसाब से संकल्प करार दिया है। सोमवार को कोडरमा के चाराडीह स्थित आवास पर प्रेस वार्ता कर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि बीजेपी घोषणा पत्र नहीं बल्कि अपने संकल्पों को पूरा करने के लिए संकल्प पत्र जारी करती है। जिस तरह पिछले कार्यकाल से पहले भाजपा ने जिन संकल्पों को पूरा करने का वादा किया था, उसे पूरा कर दिखाया है। इस बार भी संकल्प पत्र के जरिए भाजपा ने विभिन्न सेक्टर में इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने का संकल्प दोहराया है। साथ ही पीएम आवास, उज्ज्वला, आयुष्मान योजना में अधिक लोगों को जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। भाजपा सांसद अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण, तीन तलाक और धारा 370 को समाप्त करने के संकल्पों को भाजपा सरकार ने पूरा किया है और अब नए संकल्पों के साथ केंद्र सरकार नई इबारत लिखेगी। विपक्ष के द्वारा संकल्प पत्र पर उठ रहे सवाल के जवाब में कहा कि भाजपा का यह संकल्प पत्र विपक्ष के लिए नहीं है। बल्कि जनता के लिए है और जनता का पूरा विश्वास मोदी पर है और बीजेपी के 400 पार का नारा भी जनता पूरा करके दिखाएगी।

मोदी सरकार का संकल्प पूरा होगा : अमर बाउरी : भाजपा का संकल्प मोदी की गारंटी 2024 को लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों के बीच रखने का काम किया है। भाजपा के घोषणा पत्र को लेकर विधायक सह नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने बोकारो में पत्रकार वार्ता कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने दावा किया कि मजदूर किसान आदिवासी और आम लोगों के साथ मिलकर फिर से एक बार मोदी सरकार का संकल्प पूरा होगा। विधायक अमर बाउरी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 400 पर का नारा दिया गया है। वह भी पूरी तरह से भलीभूत होगा क्योंकि भारत की जनता ने 10 वर्षों के कार्यों के ट्रैक रिकार्ड को देखते हुए मोदी सरकार में पूर्ण विश्वास जताने का संकेत दिया है। जनता इस बार फिर से मोदी सरकार को देश का विकास करने के लिए ला रही है।

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि मोदी की गारंटी का मतलब जो काम शुरू होगा उसको पूरा करना भी है। हमारे पास मोदी जैसा नेतृत्व देने वाले प्रधानमंत्री हैं और हमारे पास संगठन है जो पूरी तरह से सभी गारंटी को पूरा करने में सक्षम है। उन्होंने रविवार को दिल्ली जारी बीजेपी के संकल्पों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देश के विकास के हिसाब से संकल्प है। इस संकल्प से नए भारत की परिकल्पना की गयी है।

पलामू में 30 गांव के ग्रामीणों ने लिया रामनवमी नहीं मनाने का निर्णय

पलामू, सूत्रकार

जिले के पांडू थाना क्षेत्र के कजरू इलाके में 30 गांव के ग्रामीणों ने बैठक कर इस वर्ष रामनवमी नहीं मनाने का निर्णय लिया है। इस वर्ष इलाके के ग्रामीण रामनवमी जुलूस भी नहीं निकालेंगे, सिर्फ घरों में ही पूजा-पाठ करेंगे। दरअसल, पलामू के पांडू थाना क्षेत्र के कजरू के इलाके में पिछले कई वर्षों से रामनवमी के दिन 30 गांवों के ग्रामीण एक जगह जमा होते थे और जुलूस का मिलान करते थे। जिस जमीन पर जुलूस का मिलन होता था। उस जमीन पर वर्तमान में अरहर की फसल लगी हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले कई वर्षों से जमीन परती थी और कुछ महीने पहले यहां अरहर लगा दी गई। ग्रामीण मामले में प्रशासन के पदाधिकारियों से गुहार लगा चुके हैं। यह जमीन किसकी है? यह बताने का आग्रह भी किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार पदाधिकारियों से इस बारे में स्थिति स्पष्ट करने का आग्रह किया गया है, लेकिन कोई जानकारी नहीं दी गई। रविवार को कजरू के इलाके में ग्रामीणों की एक बड़ी बैठक हुई थी। जिसमें रामनवमी नहीं मनाने का निर्णय लिया गया।

रामनवमी कमेटी के अध्यक्ष धर्मदेव यादव ने बताया कि प्रशासनिक लापरवाही के कारण इस वर्ष रामनवमी का जुलूस नहीं निकलेगा। रामनवमी समिति ने पूरे मामले में पलामू डीसी को पत्र भी लिखा है। समिति के लोगों का कहना है कि आयोजन स्थल पर जमीन के मामले को सुलझाया नहीं गया है। वहीं उनके ऊपर कई मुकदमे दर्ज कर दिए गए हैं। राजनीति के तहत षड्यंत्र किया जा रहा है और उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाया जा रहा है।

मामले मे रामनवमी आयोजन समिति के तरफ से सचिव जवाहर पासवान ने जुलूस नहीं निकलने का पत्र डीसी को भेजा है और रामनवमी नहीं मनाने का निर्णय लिया है। रामनवमी नहीं मनाने वाले गांव में कजरू कला, रबरी, मुरुमातु, फुलिया, बेलहारा, ओबरा, घासीदाग, राजखाड़ी, भंवराखाला, घट्टर, रत्नागिरी, रबरी, रानाग, गोरया, महुआधाम, रोल्पा, ओबरा, नेउरी, पोखरी, गुआसरई, ठेकही, बारहबिघवा, निमिया, नौडीहा, पिपरी, हिसरा आदि गांव शामिल हैं।

'खेलकूद से सकरात्मक ऊर्जा का होता है संचार'

बरकाकाना, सूत्रकार

रेलवे स्टेडियम बरकाकाना में संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीम राव आंबेडकर जयंती पर इंटर डिपार्टमेंटल डे-नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ रविवार रात किया गया। उदघाटन समारोह में मुख्य अतिथि एटीएम बरकाकाना राजहंस कुमार सिंह, इसीआरकेयू शाखा सचिव महेंद्र प्रसाद महतो शामिल हुये। उदघाटन मैच लोको पायलट बरकाकाना एलेवन बनाम हेंदेगीर इंजिनियरिंग एलेवन के बीच खेला गया। अतिथियों द्वारा दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टूर्नामेंट का आगाज किया गया। टॉस जीत कर बल्लेबाजी करते हुए हेंदेगीर इंजिनियरिंग एलेवन 64 रन बना कर ऑल आउट हो गयी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लोको पायलट बरकाकाना की टीम ने चार विकेट के नुकसान पर 65 रन बना कर मैच जीत लिया। निर्णायक की भूमिका डीके शर्मा व हरेश राय ने निभायी। मैच का आंखों देखा हाल पप्पू द्वारा बताया गया। एटीएम श्री सिंह ने कहा कि खेलकूद प्रतियोगिता से शरीर में स्फूर्ति आती है तथा मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है। खेलकूद से मन आनंदित होता है, सकरात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

आजसू के कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए सुदेश महतो, बोले

गांडेय उपचुनाव में एनडीए ने प्रत्याशी देने में की जल्दबाजी

गिरिडीह, सूत्रकार

गांडेय विधानसभा उपचुनाव की सरगर्मी बढ़ गई है। गांडेय विधानसभा का सीट हॉट है और यहां का राजनीतिक तापमान बढ़ा हुआ है। एनडीए और इंडिया गठबंधन की तरफ से गांडेय विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रत्याशियों की घोषणा हो चुकी है। वहीं एनडीए के घटक दल आजसू की तरफ से भी गांडेय सीट के लिए दावेदारी पेश की जा रही है। आजसू के केंद्रीय महासचिव अर्जुन बैठा गांडेय से अपनी प्रबल दावेदारी पेश कर रहे हैं। ऐसे में रविवार 14 अप्रैल को आजसू पार्टी की तरफ से गांडेय विधानसभा के बेंगाबाद में विधानसभा स्तर पर कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में विधानसभा क्षेत्र से चूल्हा प्रमुख, ग्राम प्रभारी और बूथ प्रभारी समेत सैंकड़ों की संख्या में महिला और पुरुष कार्यकताओं ने भाग लिया और शक्ति प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा गांडेय विधानसभा में उपचुनाव को लेकर उम्मीदवार की घोषणा में एनडीए की मीटिंग नहीं हो पाई। भाजपा द्वारा उम्मीदवार का नाम घोषित करने के दो घंटे पहले उन्हें सूचना मिली। कैंडिडेट के चयन से पहले विपक्ष के उम्मीदवार और चुनौतियों को देखते हुए जो विचार विमर्श होना चाहिए था, वह नहीं हो पाया। आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा कि इस बात की शिकायत उन्हें भी है, जिसे वह एनडीए गठबंधन के शीर्ष पटल पर रख रहे हैं। गांडेय से उम्मीदवारी को लेकर वह गठबंधन दल के नेताओं से बात कर रहे हैं। गांडेय से अर्जुन बैठा की दावेदारी को लेकर सवाल करने पर उन्होंने कहा कि चुनाव के पहले सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। हालांकि उन्होंने स्पष्ट तौर पर यह भी कहा कि वह एनडीए गठबंधन के साथ हैं।

एसपी ने अखाड़ा समितियों से की मुलाकात, रूट का भी किया वेरिफिकेशन

गिरिडीह, सूत्रकार

गिरिडीह में रामनवमी में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

रामनवमी का त्योहार पूरे जिले में धूमधाम से मनाया जाता है। सैकड़ों स्थानों पर अखाड़े स्थापित किये जाते हैं। शहरी क्षेत्रों में भी अखाड़े का आयोजन किया जाता है। अष्टमी की रात से नवमी की सुबह तक और फिर नवमी की शाम से देर रात तक लोग अखाड़े में प्रदर्शन करते हैं। वहीं, विजयादशमी के दिन चैत्र नवरात्रि का विसर्जन भी होता है। इस दौरान हर जगह भारी भीड़ जमा हो जाती है। इस त्योहार को देखते हुए गिरिडीह जिला प्रशासन ने भी अपनी तरफ से पूरी तैयारी कर ली है। अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति पहले से ही की जा रही है। वहीं, थाना स्तर से भी गश्ती तेज कर दी गयी है। इस बीच रविवार की रात जिले के एसपी दीपक कुमार शर्मा शहरी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने निकले। डीएसपी व थाना प्रभारी के साथ सभी लोग पैदल ही निकले। एसपी ने शहर के उन इलाकों को समझा जो क्रिटिकल माने जाते हैं। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और जवानों को ऐसे इलाकों में 24 घंटे तैनात रहने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने अखाड़ा समितियों के पदाधिकारियों से भी बात की। यह समझा गया कि रामनवमी में अखाड़े का रूट क्या है। कितनी भीड़ जुटती है। अखाड़े में किस प्रकार का प्रदर्शन होता है? एसपी ने समितियों के पदाधिकारियों के साथ बैठक करते हुए कहा कि आग जैसे खेलों पर पूर्ण प्रतिबंध है। इस दौरान एसपी ने जिन इलाकों से अखाड़ा गुजरता है, वहां से गुजरने वाले बिजली के तारों को भी देखा और जहां कोई कमी दिखी, उसे दुरुस्त कराने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों से संपर्क करने की बात कही। इस दौरान एसपी ने अन्य समुदाय के लोगों से भी बात की और कहा कि इस त्योहार को आपसी प्रेम के साथ संपन्न कराना है। बातचीत के दौरान एसपी ने बताया कि असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। सोशल मीडिया पर भी नजर है। इसके लिए तकनीकी सेल की टीम अपने तरीके से काम कर रही है। अगर किसी ने माहौल खराब करने की कोशिश की तो सख्त कार्रवाई के लिए तैयार रहें। उधर, जिले के सभी थानों में शांति समिति की बैठकें आयोजित की जा रही हैं। यह बैठक मुफस्सिल थाने में भी आयोजित की गयी। यहां बैठक में एसडीपीओ विनोद रवानी, बीडीओ गणेश रजक, थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर श्याम किशोर महतो, नगर थाना प्रभारी शैलेश प्रसाद, पचंबा इंस्पेक्टर मंटू कुमार मौजूद थे। यहां समिति के सदस्यों, डीजे संचालकों, मुखिया व उनके प्रतिनिधियों, लाइसेंसधारियों व अन्य प्रबुद्ध लोगों के साथ लंबी बैठक की गयी और आवश्यक निर्देश दिये गये।

बोकारो में जेएमएम विधायक ने की बैठक

उलगुलान महारैली को सफल बनाने का आह्वान

बोकारो, सूत्रकार

इंडिया ब्लॉक ने केंद्र और भाजपा के विरुद्ध मुखर है। इसको लेकर दिल्ली की रामलीला मैदान के बाद झारखंड की राजधानी रांची में इंडिया गठबंधन के नेताओं का जमावड़ा लगने के आसार हैं। इसको लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा समेत सभी दल बड़े स्तर की तैयारी में जुटे हैं। आगामी 21 अप्रैल को रांची के प्रभात तारा मैदान में इंडिया गठबंधन की उलगुलान महारैली होने वाली है। इसको लेकर गठबंधन के सभी दल इसको सफल बनाने के लिए बैठक कर रहे हैं। रविवार को बोकारो में गिरिडीह लोकसभा उम्मीदवार मथुरा महतो की अध्यक्षता में उलगुलान रैली की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित की गई। जिसमें सभी दलों के नेता शामिल हुए। इस बैठक में बोकारो से 50 हजार लोगों के शामिल होने का दावा किया गया। झामुमो विधायक मथुरा महतो ने सभी घटक दलों के नेताओं को रैली को सफल बनाने के लिए अपने-अपने स्तर से कार्य और तैयारी करने की अपील की है। इसके साथ ही बोकारो से कार्यकताओं को रांची में होने वाली रैली में शामिल होने की अपील की है। इस बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए झामुमो विधायक मथुरा महतो ने कहा कि जिस प्रकार से केंद्र को निरंकुश बीजेपी सरकार ने एक आदिवासी मुख्यमंत्री और जन नेता को साजिश करके जेल भेज दिया है। इसी के खिलाफ यह उलगुलान है, इस महारैली के बाद झारखंड की जनता भाजपा को माकूल जवाब देने के लिए रांची में जुटेगी। भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है, उनके नेता मुंह छुपाते भाग रहे हैं। भाजपा नेता 400 का पार नारा दे रहे हैं पर जनता वोट देगी तब ना 400 पर होगा, क्योंकि जनता यह नारा नहीं दे रही है।

www.sutrakarsamachar.com
सब्सक्राइब करें
रांची,मंगलवार, 16 अप्रैल2024

न्यूज फ्लैश

मोटरसाइकिल के धक्के से वृद्ध की मौत

खड़गपुर .पश्चिम मेदिनीपुर जिला अंतर्गत गुड़गुड़ीपाल थाना के धेड़ुवा इलाके में झाड़ग्राम - मेदिनीपुर मुख्य सड़क पर एक मोटरसाइकिल के धक्के से एक वृद्ध की मौत हो गयी।स्थानीय व पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक का नाम पशुपति पाथर (68)है।वह गुड़गुड़ीपाल थाना के धेड़ुवा इलाके का निवासी था।वह अपने घर से कुछ दूरी पर मौजूद एक चाय की दुकान पर चाय पीने के लिये जा रहा था।इस दौरान झाड़ग्राम से मेदिनीपुर की ओर तेज गति से जा रही एक मोटरसाइकिल ने उसे टक्कर मार दिया।जिससे वह बुरी तरह से जख्मी हो गया।उसे जख्मी अवस्था में झाड़ग्राम मेडिकल कालेज एंड अस्पताल में भर्ती कराया गया।अस्पताल में चिकित्साधीन अवस्था में उसकी मौत हो गयी।घटना की जानकारी पुलिस को दी गयी।शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया।पुलिस घटना की जांच कर रही है।

बंद स्वास्थ्य केन्द्र में आग लगी,कीमती दवा और मेडिकल जांच यंत्र जलकर राख हुये

खड़गपुर .पश्चिम मेदिनीपुर जिला अंतर्गत मोहनपुर थाना के आदलपुर के इलाके में मौजूद एक स्वस्थ्य केन्द्र में आग लग गयी।जिससे स्वास्थ्य केन्द्र के अंदर मौजूद कीमती दवाएं और मेडिकल जांच यंत्र जलकर राख हो गये।स्वस्थ्य केन्द्र बंद होने के कारण किसी के भी घायल होने की सूचना नही मिली।स्थानीय लोगों ने स्वस्थ्य केन्द्र को सर्वप्रथम आग के चपेट में देखा था।घटना की जानकारी ब्लाक स्वास्थ्य अधिकारी और दमकल विभाग को दी गयी।पूर्व मेदिनीपुर के एगरा से दमकल की एक इंजन घटना स्थल पर पहुँची और स्वास्थ्य केन्द्र में लगे आग को काबू में किया।प्राथमिक जांच के बाद दमकल कर्मियों का कहना है कि शार्ट सर्किट के कारण स्वास्थ्य केन्द्र में आ लगी।वही इलाके के ब्लाक स्वस्थ्य अधिकारी डा अनिल बास्के ने बताया कि स्वास्थ्य केन्द्र बंद था।स्थानीय लोगों ने आग लगने की जानकारी दी थी।कीमती दवाएं ,मेडिकल जांच यंत्र और लैपटॉप सहित कइ कीमती सामान आग के चपेट में आकर जलकर राख हो गये।घटना की जांच की जायेगी।पुलिस घटना की जांच कर रही है।

दो मोटरसाइकिल में टक्कर ,एक भाइ की मौत , दूसरा जख्मी

खड़गपुर .पश्चिम मेदिनीपुर जिला अंतर्गत गुड़गुड़ीपाल इलाके में दो मोटरसाइकिल एक दूसरे से आमने सामने से टकरा गयी।जिससे एक मोटरसाइकिल में सवार दो भाइयों में एक भाइ की मौत हो गयी और दूसरा बुरी तरह से जख्मी हो गया। स्थानीय व पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक का नाम दीपेंदु आदक(करीबन 23 वर्ष)है। एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर दोनों भाइ रेड़ापाल से गुड़गुड़ीपाल की ओर जा रहे थे।इस दौरान विपरीत दिशा से आ रही मोटरसाइकिल से उनकी मोटरसाइकिल आमने सामने से टकरा गयी।जिससे दो मोटरसाइकिल में सवार तीन लोग छिटकर जमीन पर गिर पडे.घटना स्थल पर ही एक की मौत हो गयी।दो लोग बुरी तरह से जख्मी हो गये।घटना की जानकारी पुलिस को दी गयी।घायलों को अस्पताल ले जाया गया।शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया।पुलिस घटना की जांच कर रही है।

संदिग्ध परिस्थिति में युवक की मौत ,जंगल से लटकता हुआ शव बरामद

खड़गपुर .पश्चिम मेदिनीपुर जिला अंतर्गत केशियारी थाना के झांटागेड़िया गांव से सटे जंगल में एक युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गयी।उस-का शव पुलिस ने पेड़ से लटकते हुये अवस्था में बरामद किया।स्थानीय व पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक का नाम दीपकंर बाग (25)है।वह सिंहपुर गांव का निवासी था।जंगल में लकड़ी काटने गये लोगों ने सर्वप्रथम शव को जंगल में पेड़ से लटकते हुये देखा था।घटना की जानका-री पुलिस को दी गयी।शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया।पुलिस घटना की जांच कर रही है।

टुंडी के बेहड़ा बादलपुर में श्री श्री हनुमत प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाला गया

टुंडी, टुंडी प्रखण्ड के बेहड़ा बादलपुर में तीन दिवसीय श्री श्री हनुमत प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर सोमवार को भव्य कलश यात्रा निकाला गया। गाजे-बाजे के साथ निकले कलश यात्रा में 500 से अधिक महिला, कुंवा-री कन्या श्रद्धालुओं ने माथे पर कलश लेकर यात्रा में भाग ली। कलश यात्रा को लेकर सोमवार को सुबह से ही श्रद्धालुओं बेहड़ा बादलपुर हनुमान मंदिर पर पहुंचना शुरू हो गया था। सुबह करीब 8 बजे यज्ञ आचार्य पंडित संजय पाण्डेय के नेतृत्व में वैदिक ब्राह्मण के द्वारा मंत्रोच्चारण और विधी विधान के साथ कलश शोभायात्रा निकाली गई। कलश यात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर लखनपुर होकर खेशमी जोरिया पहुंचे जहां विधि विधान के साथ कलश में जल भरने का कार्यक्रम पूर्ण किया गया जहां से वापस मंदिर परिसर पहुंचे। इसके बाद पञ्चाङ्ग पूजन, मंडप प्रवेश, जलाधिवास, पुष्पाधीवास, आरती इत्यादि का कार्यक्रम किया गयाे मंगलवार को प्रातः वेदी पूजन, नगर भ्रमण, शैयाधिवास, आरती तथा रात्रि में भक्ति जागरण का कार्यक्रम होगा तथा बुधवार को प्रतिष्ठा, पूणार्हुति, एवं प्रसाद वितरण भंडारा का आयोजन किया जा रहा है मौके पर अध्यक्ष सुरेश महतो, झगरु महतो, सचिव मनोज महतो, दिलीप महतो, कोषाध्यक्ष राजेश रजवार, लक्ष्मण महतो, रवि महतो, दामोदर महतो, हराधन महतो, संजीव महतो, पप्पू महतो, संतोष महतो आदि सक्रिय हैं ।

ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स को समाजसेवा में उत्कृष्ट कार्य में मिला सम्मान

धनबादे ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स टीम को समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सामाजिक कार्य और लगातार समाज के प्रति कुछ अच्छा करने की कोशिश को देखते ह्यूमैनिटी टीम के संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष गौतम कुमार मंडल एवं टीम को सर्वमंगला पब्लिक स्कूल में आयोजित समाजसेवी सम्मान समा-रोह में आमंत्रित कर डॉ. सर्वमंगला प्रसाद एवं सर्वमंगला ग्रुप के द्वारा सम्मानित किया गया।जहाँ मोके पर सर्वमंगला पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष डॉ. हरदेव प्रसाद, चेयरमैन ई. महेंद्र प्रसाद, प्रिंसिपल डॉ. प्रभा सक्सेना, प्रबंधक प्रकाश कुमार, दिलीप कुमार, मृतुंजय कुमार मंडल, ह्यूमैनिटी टीम के केंद्रीय सदस्य जॉन स्मिथ, अमित रवानी, राकेश कुमार, भजन मंडल एवं अन्य मौजूद थे।

रामनवमी को लेकर चास-बोकारो की ट्रैफिक व्यवस्था बदली रहेगी, इन रूटों पर वाहनों की नो एंट्री

बोकारो : रामनवमी के अवसर पर शहर व अन्य क्षेत्रों में जुलूस निकलने की परंपरा को ध्यान रखते हुए चास व बोकारो में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है. 17 अप्रैल को अपराह्न 2 बजे से रात 10 बजे तक ट्रैफिक में बदलाव किया गया है, जिसमे कई रूटों पर वाहनों के परिचालन में पाबंदी लागू रहेगी. इस जुलूस में लोग भारी संख्या में उमड़ते है. इस परिप्रेक्ष्य में रामनवमी जुलूस के दौरान समय दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक यातायात को सुव्यवस्थित रखने एवं विधि- व्यवस्था के मद्देनजर की दिशा निर्देश जारी किया गया है. साथ ही संबंधित थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्र अन्तर्गत वाहनों को निर्धारित समय एवं स्थल पर रोकने का निर्देश दिया गया है.

पेटरवार की ओर से उकरीद मोड़ की ओर आनेवाली एनएच 23 पर भारी वाहन को जर-ीडीह टोल के पास रोकी जायेगी. पुरूलिया की ओर से आई०टी०आई० मोड़ की ओर आने वाली एनएच 32 पर भारी वाहन को पिण्ड्राजोरा चेक पोस्ट एवं आई०टी०आई० मोड़ पर रोकी जायेगी. वहीं, धनबाद की ओर से जोधाडीह मोड़ की ओर आने वाली एनएच 32 पर भारी वाहन को तेलमच्चो टोल के पास रोकी जायेगी. इधर, चन्दनकियारी की ओर से जोधाडीह मोड़ की ओर आने वाली भारी वाहन को भवानीपुर साईड के पास रोकी जायेगी. इलेक्ट्रोस्टील की ओर से आनेवाली भारी वाहनों को तेलगड़िया मोड़ पर रोक दी जायेगी. वहीं, माराफारी से नयामोड़ की ओर आने वाली भारी वाहन का परिचालन पूर्णतः बंद रहेगी तथा भारी वाहन को रेलवे पुल के पास रोका जायेगा. उकरीद मोड़ बैरिकेटिंग कर पूर्णतः बंद रहेगा. नयामोड़ से उकरीद मोड़ वाले गले मार्ग पर जुलूस के समय बस का परिचालन पूर्णतः वर्जित रहेगा.

बालीडीह की तरफ से उकरीद मोड़ की ओर आने वाली एनएच 23 पर चार पहिया / तीन पहिया वाहन का परिचालन पर रोक रहेगी. उकरीद मोड़ से बालीडीह जाने वाली एनएच 23 पर सभी चार पहिया/तीन पहिया वाहन का परिचालन स्टेशन मोड़ से उकरीद मोड़ तक होगा. नयामोड़ से उकरीद मोड़ की ओर जाने वाली सभी प्रकार के वाहन का परिचालन सेक्टर-12 मोड़ से होते हुए पुलिस लाईन से होते हुए उकरीद मोड़ जायेंगे. चास की ओर से आने वाली तथा उकरीद मोड़ की ओर जाने वाली सभी प्रकार के वाहन का परिचालन सेक्टर-12 मोड़ से बांए पुलिस लाईन होते हुए हाईवे से उकरीद मोड़ जायेंगे. सेक्टर-11 की ओर से हवाई अड् डा की ओर आने वाली सभी प्रकार के वाहन का परिचालन पत्थरकट्टा चौक से दाहिने गाँधी चौक होते हुए जायेंगे. राजेन्द्र चौक से राम मंदिर चौक की ओर जाने वाली वाहनों का परिचालन जुलूस के समय वर्जित रहेगा.

ब्राह्मण समाज ने ददई दुबे को धनबाद से टिकट देने की मांग की

धनबाद, अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज ने कांग्रेस से यह मांग की है कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए वह अपना प्रत्याशी चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे को ही बनाए।इस मांग का निर्णय संगठन ने न्यू मुरली नगर में सोमवार को आयोजित एक बैठक में ली।उन्होंने कहा की चंद्रशेखर दुबे एक ऐसे व्यक्तित्व रहे हैं जिन्होंने न केवल अपना समाज बल्कि पूरे संसदीय क्षेत्र की जन समस्याओं को सदन तक पहुंचाया था एक बार फिर मौका मिला है पार्टी वैसे क्रमठ नेता को ही धनबाद संसदीय क्षेत्र से अपनी उम्मीदवारी दे। बताया गया की धनबाद में 4,50,000 ब्राह्मणों का वोट है जो पूरी तरह से उनके पक्ष में जाएगा। मौके पर दीनानाथ दुबे, विनय उपाध्याय, विकास ओझा, कैलाश दुबे, एस पाठक, मनोज मिश्रा ,सहदेव तिवारी, तपन ओझा, उत्तम चक्रवर्ती दिवाकर पाठक बीके झा राजदेव पांडेय, महादेव चक्रवर्ती तथा मधुसूदन चक्रवर्ती समेत अन्य शामिल थें।

डिस्ट्रिक्ट आइकॉन श्वेता किन्नर के नेतृत्व में झरिया के लगभग 50 बूथों में निकली गई मतदाता जागरूकता रैली

धनबाद ,अखिल भारतीय किन्नर समाज, झारखंड प्रदेश एवं डिस्ट्रिक्ट आइकॉन श्वेता किन्नर के नेतृत्व में मतदाताओं को आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने के ध्येय को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई। जागरूकता रैली कम मतदान प्रतिशत वाले 41 झरिया के वार्ड नंबर 36, 43, 44 एवं 45 में पड़ने वाले लगभग 50 बूथों से गुजरते हुए वहां के मतदाताओं को 25 मई को धनबाद लोकसभा चुनाव में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सशक्त लोकतंत्र का निर्माण करने हेतु प्रेरित किया। रैली के दौरान डिस्ट्रिक्ट आइकॉन श्वेता किन्नर ने आम मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने निर्वाचन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत करने हेतु मतदान के दिन अपने अपने मत का प्रयोग करने हेतु सभी से अपील किया। इस दौरान स्वीप पंपलेट, हैंडबील आदि वितरित किए गए।

कुसुम बिहार अंबिका अपार्टमेंट में हनुमान जी की मंदिर की स्थापना

धनबाद, कुसुम विहार अंबिका अपार्टमेंट स्थित मारुति नंदन हनुमान जी की नवनिर्मित मंदिर की स्थापना सोमवार 15 अप्रैल को वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच आयोजित किया। इस अवसर पर चार दिवसीय मारुति नंदन हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा हवन और पूणार्हुति श्रद्धालुओं के बीच आयोजित की गई।यज्ञ स्थल पर हवन एवं पूजन कर यजमान सहित श्रद्धालुओं ने बजरंगबली का ध्यान कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान 56 भोग लगाए गए।मौके पर महाभोग का भी आयोजन किया गया।इस औसत पर भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य रागिनी सिंह कुसुम विहार स्थित यज्ञ स्थल पहुंची तथा माता टेक कर मारुति नंदन का ध्यान कर परिवार समेत समस्त कोयलांचल वासियों की सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर कुसुम विहार सहित अन्य जगहों

के श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मुख्य भूमिका में जितेंद्र पांडेय ,प्रिया पांडेय, विश्व प्रताप सिंह, रागिनी सिंह, दुष्यंत सिंह, ज्योति सिंह, अशोक कुमार ओझा, अंजू आनंद, मानिक चंद्र तिवारी, राकेश कुमार चौबे, उदयकांत ठाकुर ,मंजू ठाकुर, धनंजय रवानी, आनंद ओझा, समेत सैकड़ो संख्या में स्थानीय श्रद्धालु मौजूद रहें।

धनबाद वेटरन्स फुटबॉल एसोसिएशन ने बांग्ला नव वर्ष पर आयोजित किया बार पूजा

धनबाद ,बांग्ला नव वर्ष के शुभ अवसर पर हर साल की भांति इस बार भी जगजीवन नगर फुटबॉल ग्राउंड में बार पूजा व फुटबॉल पूजा संपन्न हुआ।इस कार्यक्रम का आयोजन धनबाद वेटरन्स फुटबॉल एसोसिएशन के द्वारा किया गया। पूजा संपन्न होने के बाद एक प्रदर्शनी मैच पुलिस लाइन क्लब और सीएमआरआई डी नोबिली स्कूल के बीच रखा गया था।

इस कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ. यू एस प्रसाद के द्वारा सभी खिलाड़ियों परिचय कराया गया। अतिथि के रूप में वेटरन्स फुटबॉल संघ के अध्यक्ष जुबेर आलम,महासचिव तारकनाथ दास,अनिल लाल, अनिल कुमार, धर्मेंद्र सिंह समेत जगजीवन नगर क्लब के सभी सदस्य उपस्थित थे।कार्यक्रम में बबलू बब्बन, सनी,रिकी, सतीश, अर्पित मनीष आलोक और साहिल सक्रिय थे।

सरस्वती विद्या मंदिर में कन्याभारती गठन के लिए मतदान कराया गया

सिंदरी` सरस्वती विद्या मंदिर सिंदरी में डॉ भास्कर झा (प्रभारी सरस्वती विद्या मंदिर सिंदरी) के नेतृत्व में संवैधानिक तरीके से शिशुभारती, बाल भारती ,किशोर भारती और कन्याभारती गठन के लिए मतदान कराया गया। जिसमें कक्षा तृतीय से द्वादश के भैया बहनों ने भाग लिया।भास्कर झा ने कहा राष्ट्र के लिए मतदान जिस प्रकार सर्वश्रेष्ठ धर्म है ,उसी प्रकार बाल संसद को सुचारू रूप से गठित करने और क्रियावयान के लिए भैया बहनों का मतदान में भाग लेना। जिससे बच्चों में नेतृत्व क्षमता का विकास होता है।वोट के माध्यम से भैया बहनों को लोकतंत्र में वोट के महत्व एवं संसदीय लोकतंत्र के कार्य करने की विधियों की जानकारी प्राप्त हुई ।इस अवसर पर नरेश जी संध्या मिश्रा बनार्ली बनर्जी के साथ पूरा विद्यालय परिवार उपस्थित था।

माकपा का बलियापुर शाखा की ओर से डा. अंबेडकर की जयंती पर पलानी में विचार गोष्ठी की गई

बलियापुर, विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए सीपीआई(एम) के वरिष्ठ नेता संतोष कुमार महतो ने कहा कि आज संविधान में दिए गए अधिकारों पर शासक वर्ग द्वारा लगातार कटौती किया जा रहा है, डा. अंबेडकर का जो सपना था, उसको मौजूदा केंद्र सरकार ने धूमिल करने का प्रयास कर रही है। आज भी जात पात और धर्म के नाम पर दंगे हो रहे हैं। जबतक शोषण विहीन समाज व्यवस्था नहीं हो जाता तब तक डा. अंबेडकर के सपनों को पूरा नहीं किया जा सकता हैं।विचार गोष्ठी की अध्यक्षता निताई रवानी ने किया तथा गोष्ठी को सिंदरी बलियापुर लोकल कमिटी के सचिव, विकास कुमार ठाकुर, गौतम प्रसाद, सूर्य कुमार सिंह, बलियापुर शाखा सचिव समीरन बिद, सुबल मल्लिक, उपासी महताइन, मालती देवी, हिमानी देवी, पूर्णिमा देवी आदि ने संबोधित किया।

धनबाद विधानसभा स्तरीय माससस एंव मायुमो की बैठक संपन्न

देश की सार्वजनिक संस्था की लूट की खुली छूट दे रखी है : जगदीश रवानी

धनबाद

धनबाद विधानसभा क्षेत्र माससस एंव मायुमो की संयुक्त कार्यकताओं की एक बैठक नरेश पासवान की अध्यक्षता में संपन्न हुई ' बैठक का संचालन मायुमो जिला सचिव राणा चटराज ने की ' बैठक में मुख्य रूप से माससस धनबाद लोकसभा प्रत्याशी जगदीश रवानी उपस्थित थे ' बैठक को संबोधित करते हुए माससस प्रत्याशी जगदीश रवानी ने कहा कि आज देश को भाजपा एक नई गुलामी की ओर ले जा रहा है ' देश के तमाम संपदा एवं सार्वजनिक उद्योगों को कॉरपोरेट कंपनी के हवाले करने के साथ - साथ यहां की संपदा को लूटने की खुली छूट दे रखी है ' आज झारखंड को भी नए रूप से शोषण का जरिया बना रहा है ' आज देश में सबसे बड़ी समस्या महंगाई, बेरोजगारी, बढ़ती गरीबी है ' जिसका निदान भाजपा के पास नहीं है ' उन्होंने कहा कि आज कोयलांचल में चाहे माफिया शक्ति हो या लुटेरा,

रंगदार हर प्रकार के शोषण के खिलाफ माससस और लाल झंडा लड़ते आयी हैं ' ये चुनाव देश के साथ-साथ कोयलांचल की भविष्य निर्भर करता है ' इसलिए आम जनता, मजदूर - किसान से आह्वान है कि माससस को अपना व्यापक मतदान देकर सही जनप्रतिनिधि संसद में भेजने का काम करें ' जो यहां की मजदूर किसान, छात्र, नौजवान, आम गरीबों की आवाज बनेगी '

मुझे विश्वास है की, इस बार माससस एवं लाल झंडा भाजपा के विजय रथ को रोकेगी '

बैठक में मायुमो जिला अध्यक्ष पवन महतो, सुभाष चटर्जी, विजय पासवान, राकेश सिंह, ललिता देवी, संतोष रवानी, अरविंद तिवारी, मंटू रवानी, भोला ताम्रकार, सुरेश पास-वान, राजकुमार रवानी, औरंगजेब खान, मोहम्मद अख्तर, अधिवक्ता कन्हैया कुमार, राजकुमार सिंह, स-रफुद्दीन अंसारी, दिलीप भुईया, लालु राय, रियाज अंसारी आदि उपस्थित थे

देश के तमाम संपदा एवं सार्वजनिक उद्योगों को कॉरपोरेट कंपनी के हवाले करने के साथ - साथ यहां की संपदा को लूटने की खुली छूट दे रखी है ' आज झारखंड को भी नए रूप से शोषण का जरिया बना रहा है ' आज देश में सबसे बड़ी समस्या महंगाई, बेरोजगारी, बढ़ती गरीबी है ' जिसका निदान भाजपा के पास नहीं है ' उन्होंने कहा कि आज कोयलांचल में चाहे माफिया शक्ति हो या लु-टेरा, रंगदार हर प्रकार के शोषण के खिलाफ माससस और लाल झंडा लड़ते आयी हैं '

www.sutrakarsamachar.com
सूत्रकार सब्सक्राइब करें
कोलकाता,मंगलवार, 16 अप्रैल2024

संपादकीय

आलोचना का अधिकार

अक्सर सुनने में आता है कि विचारों की अभिव्यक्ति को लेकर पुलिस का रवैया आक्रामक होता है और वह अनावश्यक धाराओं में व्यक्ति को गिरफ्तार व प्रताड़ित करने में जल्दबाजी दिखाती है। ऐसे ही एक प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को राज्य के किसी फैसले पर आलोचना करने का अधिकार है। दरअसल, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की निंदा करने वाली एक टिप्पणी पर एक प्रोफेसर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करते हुए शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी की। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र पुलिस ने ह्यपांच अगस्त को ब्लैक डे जम्मू और कश्मीर रद्ध और ह्य14 अगस्त पर पाकिस्तान को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं द्ध जैसे व्हाट्सएप संदेश पोस्ट करने के लिये प्रोफेसर जावेद अहमद पर आईपीसी की धारा 153-ए के तहत मामला दर्ज किया था। दरअसल, यह मामला धर्म, जाति आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने पर दर्ज किया जाता है। इसी वजह से बॉम्बे हाईकोर्ट के एक आदेश को रद्द करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि राज्य के कार्यों की हर आलोचना या विरोध को धारा 153-ए के तहत अपराध माना जाता है तो यह संविधान प्रदत्त अनिवार्य हक के विरुद्ध, लोकतंत्र की आत्मा के हनन जैसा होगा। इस मामले पर चर्चा करते हुए शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि वैध तरीके से असहमति का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 19(1)ए के तहत गारंटीशुदा अधिकार है।

उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने बीते साल दिसंबर में अनुच्छेद 370 को केंद्र सरकार द्वारा निरस्त करने के वर्ष 2019 के फैसले को बरकरार रखा था। इसके बावजूद केंद्र सरकार के फैसले को लेकर अस्वीकृति की आवाजें अभी कम नहीं हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आलोक में पिछले दिनों प्रधानमंत्री की जम्मू-कश्मीर यात्रा के दौरान भी विपक्षी नेताओं की ऐसी प्रतिक्रिया देखी गई। लेकिन प्रोफेसर के मामले में पुलिस की विवादास्पद भूमिका को न्यायिक और सार्वजनिक जांच के दायरे में ला दिया है। दरअसल, देखा जाता है कि ऐसे मामलों में पुलिस आनन-फानन में असहमति जताने वाले को पकड़ने के लिये मामले को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर देती है। यही वजह है कि अदालत को कहना पड़ा कि बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अवधारणा तथा इस आजादी को लेकर उचित संयम की सीमा के बारे में हमारे पुलिस तंत्र को जागरूक व शिक्षित करने की जरूरत है। निश्चित रूप से देश के नीति-नियंताओं को शीर्ष अदालत के सुझाव पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। वहीं देश के पुलिसकर्मियों को संविधान में निहित लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। निस्संदेह, सामान्य मामलों के आधार पर मुकदमें दर्ज करना पुलिस के निरंकुश व्यवहार को ही दशार्ता है। जो निश्चित रूप से एक अलोकतांत्रिक कदम कहा जाएगा। विश्वास किया जाना चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आलोक में अब पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पोस्ट के आधार पर व्यक्ति विशेष को असामाजिक व राष्ट्रविरोधी करार देने से रोका जाएगा। निस्संदेह, हिंसा व घृणा को बढ़ावा न देने वाली टिप्पणियों पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं होनी चाहिए।

इस्लामोफोबिया से मुकाबिल संयुक्त राष्ट्र संघः एक प्रशंसनीय पहल

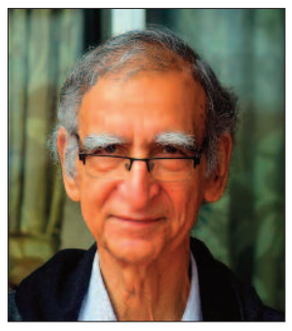

राम पुनियानी

सभ्यताओं के टकराव के सिद्धांत को गलत सिद्ध करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने हर संभव प्रयास किए। संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव कोफी अन्नान ने इस सिद्धांत की पड़ताल करने के लिए एक उच्च स्तर समिति की नियुक्ति की। इस समिति, जिसमें एक भारतीय सदस्य भी था, ने जो रिपोर्ट प्रस्तुत की उसका शीर्षक था एलायन्स आफ सिविलाईजेशन्स अर्थात सभ्यातओं का गठबंधन। इस रिपोर्ट में यह कहा गया था कि मानव जाति ने जो भी उन्नति की है उसमें सभी सभ्यताओं, धर्मों और संस्कृतियों का योगदान रहा है। अब चूंकि दुनिया भर में अमरीका का बोलबाला है इसलिए इस रिपोर्ट को मीडिया ने नजरअंदाज कर दिया और इस्लामोफोबिया बना रहा।

कुछ सालों पहले संयुक्त राष्ट्र संघ में एक प्रस्ताव प्रस्तुत कर पाकिस्तान ने यह मांग की थी कि वर्ष के किसी एक दिन को ह्यइस्लामोफोबिया के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवसह्ल घोषित किया जाए। उस समय कई देशों, जिनमें भारत भी शमिल था, ने इसका विरोध करते हुए कहा था कि फोबिया अर्थात उनके प्रति डर के भाव से कई अन्य धर्म भी पीड़ित हैं। प्रस्ताव का विरोध करने वाले देशों की संख्या कम थी और संयुक्त राष्ट्र संघ ने अंततः 15 मार्च को इस्लामोफोबिया के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस घोषित कर दिया। दुर्भाग्यवश, पिछले महीने इस दिवस पर कोई चर्चा नहीं हुई।

इस साल संयुक्त राष्ट्र संघ ने एक कदम और आगे बढ़ाते हुए इस मांग को स्वीकार कर लिया है कि इस्लामोफोबिया से मुकाबला करने के लिए विशिष्ट कार्यवाहियाँ करने हेतु विशेष दूत की नियुक्ति की जाए। यह मांग भी पाकिस्तान की ओर से आई थी और इसका भी भारत सहित कई देशों ने विरोध किया था। प्रस्ताव पर बोलते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत टी.एस. तिरूमूर्ति ने कहा कि पूरी दुनिया में धर्मों और पंथों पर लक्षित हिंसा में बढ़ोत्तरी हो रही है। कुछ लोग यहूदियों के विरूद्ध हैं, कुछ ईसाईयों के और कुछ हिन्दुओं के। बौद्धों और सिक्खों के विरूद्ध हिंसा की घटनाएँ भी होती रहती हैं। उनके अनुसार दुनिया में बहुत से फोबिया हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हम सब जानते हैं कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने 16 नवम्बर को सहिष्णुता दिवस घोषित किया है। उन्होंने यह भी कहा कि बहुवाद इन सभी फोबिया से निपटने के लिए पर्याप्त है और इस्लामोफोबिया के लिए अलग से कुछ किये जाने की जरूरत नहीं है।

सच क्या है? क्या अन्य धर्मों के खिलाफ फोबिया और इस्लामोफोबिया में कोई फर्क है? यह सही है कि दुनिया में अलग-अलग धर्मों के लोगों को दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में फोबिया का सामना पड़ा है। अगर हम दक्षिण एशिया की बात करें तो श्रीलंका में तमिल हिन्दुओं और पाकिस्तान में सभी हिन्दुओं को प्रताड़ित किया गया। इसी तरह श्रीलंका, पाकिस्तान और भारत में भी ईसाई प्रताड़ित किये गये हैं। वर्तमान में तालिबान-शासित अफगानिस्तान में रह रहे सिक्ख हर तरह से परेशान हैं।

तो फिर इस्लामोफोबिया अन्य धर्मों के प्रति फोबिया से इतना अलग क्यों है कि संयुक्त राष्ट्र संघ को उससे मुकाबला करने के लिए एक विशेष दिवस की घोषणा करनी पड़ी और एक विशेष दूत नियुक्त करना पड़ा? यह हमारा दुर्भाग्य है कि वर्तमान में वैश्विक राजनीति पर पहचान से जुड़े मुद्दों का वर्चस्व है। श्रीलंका में लिट्टे के सदस्यों के दमन के पीछे नस्लीय मुद्दे थे। वैश्विक स्तर पर इस्लामोफोबिया की आमद से बहुत पहले से भारत में मुसलमान अलग-अलग तरह से डराये-धमकाये जाते थे और उनके प्रति नफरत का भाव भी था। इसके कारण उनके खिलाफ हिंसा भी होती थी। तो ऐसे में इस्लामोफोबिया अलग क्यों है और वह अन्य धार्मिक फोबिया से अधिक डरावना क्यों है?

केवल धर्म के आधार पर किसी को प्रताड़ित करने या किसी से नफरत करने का पागलपन बहुत पुराना है। इस मामले में इस्लामोफोबिया एक नई परिघटना है। इस्लामोफोबिया का उदय सन 1970 के दशक में हुआ जब अमरीका के पिट्ठू रजा शाह पहलवी को अपदस्थ कर अयातुल्ला खुमैनी ने ईरान में सत्ता संभाली। उस समय अमरीका ने यह कहा कि इस्लाम दुनिया के लिए नया खतरा है। टाईम पत्रिका की कवर स्टोरी का शीर्षक था इस्लाम एज द न्यू थ्रेट। नया खतरा क्यों? वह इसलिए क्योंकि उस समय तक अमरीकी मीडिया कम्युनिज्म को स्वतंत्र दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बताता था। स्वतंत्र दुनिया से आशय था अमरीका के वर्चस्व वाली दुनिया। उस समय अमरीका की राजनैतिक और आर्थिक दादागिरी को रूस (सोवियत संघ) के नेतृत्व वाला समाजवादी गुट ही चुनौती दे रहा था। उस समय अमरीका ने दुनिया को यह समझाया कि कम्युनिज्म उसके लिए सबसे बड़ा खतरा है। इस विचार, जिसे दुनिया का सबसे ताकतवर देश फैला रहा था, को पूरी दुनिया ने स्वीकार कर लिया। इससे कार्ल मार्क्स का वह कथन एक बार फिर सही साबित हुआ कि शासक वर्ग के विचार ही शासन करते हैं।

शनैः शनैः समाजवादी रूस कमजोर होता गया और फिर 1990 के दशक में वह पूरी तरह बिखर गया। अब दुनिया के सबसे ताकतवर देश को लड़ने के लिए कोई और दानव चाहिए था। यह वह समय था जब अमरीका अपने पिट्ठू पाकिस्तान में मदरसों की स्थापना कर रहा था। महमूद ममदानी ने अपनी पुस्तक गुड मुस्लिम, बैड मुस्लिम में सीआईए के दस्तावेजों के हवाले से लिखा है कि अमरीका ने ही इन मदरसों का पाठ्यक्रम तैयार किया। यह पाठ्यक्रम इस्लाम के एक संकीर्ण (वहाबी) संस्करण पर आधारित था। अमरीका ने करीब 800 करोड़ डालर और स्ट्रिंगर मिसाईलों सहित 7,000 टन गोला-बारूद इन मदरसों में से पढ़कर निकले युवकों पर खर्च किए। ये युवक मुजाहिदीन कहलाते थे और बाद में इन्हीं से तालिबान और अलकायदा उपजे। हिलेरी क्लिंटन ने खुल्लम-खुल्ला कहा था कि अमरीका को अफगानिस्तान में रूसी कम्युनिस्टों ने लड़ने के लिए जुनूनी युवक चाहिए थे इसलिए उसने तालिबान को खड़ा किया और रूस की अफगानिस्तान से वापसी के बाद तालिबान को भी मदद देना बंद कर दिया।

अमरीका का उद्देश्य था पश्चिम एशिया में तेल के कुंओं पर कब्जा करना। उसकी सभी नीतियाँ इसी लक्ष्य को ध्यान में रखकर बनाई गई थीं। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर 9/11, 2001 को हुए हमले में करीब 3,000 निर्दोष लोग मारे गये। मरने वालों में सभी धर्मों और सभी देशों के लोग थे। इसे बहाना बनाकर अमरीका ने अफगानिस्तान पर हमला कर दिया जिसमें 60,000 से ज्यादा जानें गईं। उसके बाद इस आधार पर ईराक पर हमला किया गया कि ईराक के पास महासंहारक हथियारों का जखीरा है। मगर ईराक पर कब्जा करने के बाद अमरीका वहां एक भी ऐसा हथियार नहीं ढूंढ सका।

वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमला, जिसे ओसामा-बिन-लादेन की कारगुजारी बताया जाता है, के बाद अमरीकी मीडिया ने इस्लामिक आतंकवाद शब्द गढ़ा। अमरीका राजनैतिक, आर्थिक और सैन्य दृष्टि से दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश है। जाहिर है कि उसका मीडिया भी दुनिया में सबसे शक्तिशाली है। और इसी के चलते दुनियाभर के मीडिया ने इस्लामिक आतंकवाद शब्द का प्रयोग करना शुरू कर दिया और इसी से इस्लामोफोबिया जन्मा। एक समय सैम्युअल हंटिंगटन का एक सिद्धांत बहुत प्रसिद्ध था। इसे क्लैश ऑफ सिविलाईजेशन्स (सभ्यताओं का टकराव) कहा जाता था। उस समय ऐसी मान्यता थी कि पिछड़ी हुई इस्लामिक सभ्यता और विकसित पश्चिमी सभ्यता में वैश्विक स्तर पर टकराव होगा।

इस्लामोफोबिया के कारण ही अमरीका में मुसलमान समझकर एक सिक्ख की हत्या कर दी गई। इस्लामोफोबिया के कारण ही अमरीका में एक पादरी ने कुरान की एक प्रति जलाई। फिर एक अमरीकी ईसाई ने एक फिल्म बनाई जिसका शीर्षक था इनोसेन्स आफ मुस्लिम्स। इस फिल्म की एक क्लिप जो वायरल हुई थी में लंबी दाढ़ी वाले मुसलमानों को ईसाईयों पर हमले करते दिखाया गया था। हम सब को डेनमार्क की एक पत्रिका में प्रकाशित वह कार्टून याद है जिसमें पैगम्बर मोहम्मद को अपनी पगड़ी में एक बम छिपाए हुए दिखाया गया था। जाहिर है कि यह सब इसलिए हुआ क्योंकि पूरी दुनिया में इस्लाम के प्रति एक डर का भाव पैदा कर दिया गया। सबको लगने लगा कि इस्लाम और मुसलमान दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं।

सभ्यताओं के टकराव के सिद्धांत को गलत सिद्ध करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने हर संभव प्रयास किए। संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव कोफी अन्नान ने इस सिद्धांत की पड़ताल करने के लिए एक उच्च स्तर समिति की नियुक्ति की। इस समिति, जिसमें एक भारतीय सदस्य भी था, ने जो रिपोर्ट प्रस्तुत की उसका शीर्षक था एलायन्स आफ सिविलाईजेशन्स अर्थात सभ्यातओं का गठबंधन। इस रिपोर्ट में यह कहा गया था कि मानव जाति ने जो भी उन्नति की है उसमें सभी सभ्यताओं, धर्मों और संस्कृतियों का योगदान रहा है। अब चूंकि दुनिया भर में अमरीका का बोलबाला है इसलिए इस रिपोर्ट को मीडिया ने नजर-अंदाज कर दिया और इस्लामोफोबिया बना रहा।

भारत में समस्या और गंभीर इसलिए है क्योंकि यहां पहले से ही साम्प्रदायिक राजनीति के कारण विभिन्न समुदायों के बीच शत्रुता का भाव था। वैश्विक इस्लामोफोबिया ने मुसलमानों के खिलाफ नफरत में और इजाफा किया। स्वाधीनता संग्राम के दौरान मुस्लिम साम्प्रदायिक ताकतें हिन्दुओं के खिलाफ नफरत फैलाती थीं और हिन्दू साम्प्रदायिक ताकतें (हिन्दू महासभा और आरएसएस) मुसलमानों के खिलाफ। स्वतंत्रता के बाद मुस्लिम साम्प्रदायिक ताकतें कमजोर पड़ गई जबकि हिन्दू साम्प्रदायिक ताकतें और शक्तिशाली होती गईं और इस कारण ही देश में इस्लामोफोबिया व्याप्त है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने इस्लामोफोबिया से मुकाबला करने के लिए जो कदम उठाए हैं वे सराहनीय और उम्मीद जगाने वाले हैं।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हर-देनिया लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हामोर्नी एवार्ड से सम्मानित

(चिंतन-मनन)

सच्चे ज्ञानी की विशेषता

व्यक्ति सत्संगति से तीन वस्तुओं को-शरीर, शरीर का स्वामी या आत्मा तथा आत्मा के मित्र को- एक साथ संयुक्त देखता है, वही सच्चा ज्ञानी है। जब तक आध्यात्मिक विषयों के वास्तविक ज्ञाता को संगति नहीं होती, वे अज्ञानी हैं, वे केवल शरीर को देखते हैं, और जब यह शरीर विनष्ट हो जाता है, तो समझते हैं कि सब कुछ नष्ट हो गया। लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। शरीर के विनष्ट होने पर आत्मा तथा परमात्मा का अस्तित्व बना रहता है, और वे अनेक विविध चर तथा अचर रूपों में सदैव जाते रहते हैं। कभी-कभी संस्कृत शब्द परमेर का अनुवाद जीवात्मा के रूप में किया जाता है, क्योंकि आत्मा ही शरीर का स्वामी है और शरीर के विनाश होने पर वह अन्यत्र देहांतरण कर जाता है। इस तरह वह स्वामी है। लेकिन कुछ लोग इस परमेश्वर का अर्थ परमात्मा लेते हैं। प्रत्येक दशा में परमात्मा तथा आत्मा दोनों रह जाते हैं। वे विनष्ट नहीं होते। जो इस प्रकार देख सकता है, वही वास्तव में देख सकता है कि क्या घटित हो रहा है।

जीव, अपना भौतिक अस्तित्व स्वीकार करने के कारण अपने आध्यात्मिक अस्तित्व से पृथक स्थित हो गया है। किंतु यदि वह यह समझता है कि परमेश्वर अपने परमात्मा स्वरूप में सर्वत्र स्थित हैं, अर्थात यदि वह भगवान की उपस्थिति प्रत्येक वस्तु में देखता है, तो वह विघटनकारी मानसिकता से अपने आपको नीचे नहीं गिराता, और इसीलिए वह प्रमशः वैकुण्ठ-लोक की ओर बढ़ता जाता है। सामान्यतया मन इंद्रियतृप्तिकारी कार्यों में लीन रहता है, लेकिन जब वही परमात्मा की ओर उन्मुख होता है, तो मनुष्य आध्यात्मिक ज्ञान में आगे बढ़ जाता है।

सूक्ति

भय ही पतन और पाप का मुख्य कारण है।

- स्वामी विवेकानंद

उत्कृष्टता एक शतत प्रक्रिया है कोई दुर्घटना नहीं।

- अब्दुल कलाम

राशिफल

शुभ संवत 2080 शाके 1945, सौम्य गोष्ठ, चैत्र कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्व शुक्रोदय पूर्व तिथि चर्तुदर्शी, रविवार, पू.मा. पद नक्षत्रे, वृण योगे, विवकरणे, मीन की चंद्रमा, भद्रा सुबह 9/42 तक चर्तुदर्शी व्रत, सर्वार्थ सिद्ध योग 1/55 दोपहर तक तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, प्रबल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उत्तम वृत्ति वाला, धनी-मानी होगा।

मेष राशि - आशानुकूल सफलता के साधन जुटायें तथा संतोषजनक सफलता प्राप्त होगी।

वृष राशि - आय-व्यय एवं व्यवसायिक स्थिति पर नियंत्रण रखें, समय का ध्यान रखें।

मिथुन राशि - अधिकारियों का समर्थन फलप्रद होगा, इष्ट मित्रों से परेशानी होगी।

कर्क राशि - इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, कुटुम्ब की समस्यायें सुलझेंगी, लाभ होगा।

सिंह राशि - प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, बड़े लोगों से मेल-मिलाप होगा, हर्षप्रद वातावरण रहेगा।

कन्या राशि - संघर्ष से सफलता मिलेगी, संतोष, व्यवसायिक क्षमता अनुकूल होगी ध्यान दें।

तुला राशि - मान प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि होगी, कार्यक्षमता बढ़ेगी, समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

वृश्चिक राशि - सामाजिक कार्य में सुधार, कार्यगति में अनुकूलता, इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे।

धनु राशि - अचानक कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा, कार्यगति में सुधार तथा चिन्ता होगी।

मकर राशि - स्थिति यथावत रहेगी, सोचे कार्य समय पर पूर्ण होंगे, कार्य बनेंगे।

कुंभ राशि - इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, शरीर कष्ट, चिन्ता व असमंजस की स्थिति बनेगी।

मीन राशि - इष्ट मित्र सहायक रहेंगे, दैनिक कार्यगति अनुकूल रहेगी, समय स्थिति का लाभ लें।

परिवारवाद की जकड़न में फसता लोकतंत्र

सुरेश हिंदुस्तानी

भारत में लोकतंत्र को बचाने के लिए परिवारवाद को राजनीति से अलग करने की जरुरत है, क्योंकि जहां परिवार को आगे बढ़ाने की राजनीति होगी, वहां लोकतंत्र के लिए कोई जगह ही नहीं बचेगी। लोकतंत्र जनता का होता है, जहां जनता को महत्व मिलेगा, वही तो लोकतंत्र है, और जहां परिवार को महत्व दिया जाता हो, वहां तानाशाह जैसी प्रवृति जन्म लेती है। उनको इसका अहंकार भी हो सकता है कि हम तो सत्ता के लिए ही बने हैं और यही अहंकार भारत के लोकतंत्र को कमजोर करता है।

भारत एक मजबूत लोकतांत्रिक देश है। यह सभी जानते हैं कि भारत में जनता के लिए जनता का ही शासन है। जनता के शासन का सीधा तात्पर्य यही है कि जनता अपने बीच के किसी व्यक्ति को नायक बनाकर अपना प्रतिनिधि बनाती है। लोकतंत्र में जनता की पसंद और नापसन्द को ही महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन आज हमारे देश में राजनीतिक दल अपने ही परिवार के कुछ लोगों को जबरदस्ती आगे करके नायक बनाने का खेल खेल रहीं हैं। यह खेल निश्चित रूप से लोकतंत्र को कमजोर करने वाला कहा जा सकता है। इस श्रेणी में एक या दो दल नहीं, कमोवेश हर राजनीतिक दल आज परिवारवाद की राह का अनुसरण करने के लिए अग्रसर हो रहा है। सवाल यह आता है कि आज नेता का बेटा या बेटी को ही विरासत सौंपने का चलन क्यों बढ़ रहा है, जबकि सारे राजनीतिक दल विशेषकर विपक्षी राजनीतिक दल लोकतंत्र को बचाने का नाराज बुलंद करने का सब्जबाग दिखा रहे हैं। अभी कुछ दिन पूर्व दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी राजनीतिक दलों ने लोकतंत्र बचाने के नाम पर एक रैली की, जिसमें परिवार को राजनीतिक विरासत सौपने की ही राजनीति दिखाई दी। इसका तात्पर्य यही हो सकता है कि अब विपक्षी दल लोकतंत्र के बजाय परिवारवाद को ज्यादा महत्वपूर्ण मान रहे हैं।

लोकसभा चुनाव में सत्ता चाह की रास्ते तलाश करने वाला विपक्ष आज पूरी तरह से परिवारवाद की राजनीति को ही चरितार्थ करने की ओर अग्रसर होता दिखाई दे रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की गिरफ़्तारी के पश्चात विपक्षी राजनीतिक दलों की राजनीति परिवार को आगे लाने की कवायद करने वाली ही लग रही है। पहले कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, शिवसेना उद्धव ठाकरे और राष्ट्रीय जनता दल केवल अपने परिवार को ही आगे करके राजनीति करते रहे और आज भी कर रहे हैं, लेकिन अब इस दिशा में आम आदमी पार्टी और झारखण्ड मुक्ति मोर्चा भी शामिल हो गयी है। मुख्यमंत्री केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने भी अब सक्रिय राजनीति में कदम रख दिया है। हालांकि वे जनता की सहानुभूति पाने के लिए अरविन्द केजरीवाल के राजनीतिक अस्तित्व को फिर से स्थापित करने का प्रयास करेंगी, लेकिन केजरीवाल पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर विपक्ष की ओर से कोई भी बोलने के लिए तैयार नहीं है। जिस भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए आज से एक दशक पूर्व दिल्ली के रामलीला मैदान से पटकथा लिखी गई, आज वही रामलीला मैदान भ्रष्टाचार के आरोप लगने पर केजरीवाल को बचाने का गवाह बना। लोकतंत्र बचाने के नाम पर की गयी इस रैली को किसी आभासी प्रहसन से कम नहीं कहा जा सकता। अगर केजरीवाल ने कुछ किया नहीं होता तो उसे न्यायालय से आरोप मुक्त करके छोड़ दिया जाता। पहले प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत के बाद अब केजरीवाल न्यायिक हिरासत में दिल्ली की तिहाड़ जेल में हैं। ऐसे में यह भी स्पष्ट हो जाता है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल के पास अपने बचाव के लिए ठोस प्रमाण नहीं हैं। यह बात सही है कि एक समय दिल्ली की जनता भ्रष्टाचार और वर्तमान राजनीतिक कार्य प्रणाली से बहुत त्रस्त हो गई थी, ऐसी स्थिति में जनता को केजरीवाल में एक नायक दिखाई दिया, जो जननायक बनने की श्रेणी में आ सकता था, लेकिन जब उन पर और उनके मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने लगे, तब इस पटकथा की इबारत बदली हुई सी लगने लगी। अब आप पार्टी के नेता और राज्यसभा के सांसद संजय सिंह दो लाख के निजी मुचलके पर जेल से सशर्त बाहर आए तो उनका स्वागत ऐसे किया गया, जैसे वे आरोप मुक्त हो गए हों। आम आदमी पार्टी के इस प्रकार के चरित्र को देखकर यही कहा जा सकता है कि जो पार्टी राजनीति में बदलाव लाने का सपना दिखाकर मैदान में आई थी, आज वह भी समय के अनुसार बदल गई है। खैरङ्क यहां परिवारवाद की बात हो रही है। आप नेता संजय सिंह जेल से छूटने के बाद अरविन्द केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मिलने पहुंचे। यह वाकया निश्चित ही यह संकेत दे रहा है कि अब संभवतः सुनीता केजरीवाल दिल्ली में आम आदमी पार्टी के सपनों को पूरा करने वाली हैं।

यह बात एक दम प्रामाणिक रूप से कही जा सकती है कि भारतीय लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा परिवारवाद है, इस्के बावजूद भी राजनीतिक दल अपने परिवार तक ही अपने दल को सीमित रखने की कवायद कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में यही कहा जा सकता है कि इन दलों को वास्तविक लोकतंत्र से कोई मतलब नहीं है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने तो परिवारवाद की सीमाएं लांघ दी। उन्होंने बिना किसी राजनीतिक योग्यता के एक अनपढ़ पत्नी को राज्य की कमान सौंप दी। अब अपने पुत्रों को गद्दी सौंपने की तैयारी कर रहे हैं। इसी प्रकार दो बार लोकसभा के चुनावों में पराजय की स्थिति में पहुंचाने वाले विरासती पृष्ठभूमि के नेता राहुल गांधी भी परिवारवाद के ही परिचायक हैं। आज भले ही कांग्रेस ने अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष बदल दिया हो, लेकिन वे भी राहुल गांधी को किनारे करने का साहस नहीं दिखा सकते। कांग्रेस के बारे में यही कहा जा सकता है कि वह आज भी परिवारवाद के चंगुल से बाहर नहीं निकल सकी है। कुछ ऐसा ही नहीं, बल्कि इससे ज्यादा परिवारवाद समाजवादी पार्टी में दीखता है। मुलायम सिंह के परिवार के लगभग सभी सदस्य या तो विधायक और सांसद हैं या रह चुके हैं। बसपा नेता मायावती ने भी अपनी विरासत अपने परिवार को ही सौंपी है। ऐसे उदाहरण से क्षेत्रीय दल भी अछूते नहीं हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव गुट पर परिवार कायम है तो नेशनल कान्फ्रेंस पर शेख अब्दुल्लाह का परिवार ही कमान संभाल रहा है। खास बात यह है कि यह सभी परिवार पार्टी के मुखिया ने ही स्थापित किए हैं। लोकतंत्र में ऐसी राजनीति नहीं होना चाहिए।

भारत में लोकतंत्र को बचाने के लिए परिवारवाद को राजनीति से अलग करने की जरुरत है, क्योंकि जहां परिवार को आगे बढ़ाने की राजनीति होगी, वहां लोकतंत्र के लिए कोई जगह ही नहीं बचेगी। लोकतंत्र जनता का होता है, जहां जनता को महत्व मिलेगा, वही तो लोकतंत्र है, और जहां परिवार को महत्व दिया जाता हो, वहां तानाशाह जैसी प्रवृति जन्म लेती है। उनको इसका अहंकार भी हो सकता है कि हम तो सत्ता के लिए ही बने हैं और यही अहंकार भारत के लोकतंत्र को कमजोर करता है। इसलिए अब इस बात की बहुत आवश्यकता है कि भारत में लोकतंत्र को कायम करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं, नहीं तो जनता के शासन के स्थान पर परिवारवाद के सहारे तानाशाही का राजनीति कायम हो जाएगा।

www.sutrakarsamachar.com
सूत्रकार सब्सक्राइब करें
रांची,मंगलवार, 16 अप्रैल2024

न्यूज फ्लैश

बांका में इस लोकसभा चुनाव में लड़ाई दिलचस्प

बांका : बिहार के बांका लोकसभा क्षेत्र में इस लोकसभा चुनाव में लड़ाई दिलचस्प होने की उम्मीद है। ऐतिहासिक और पौराणिक धरती के रूप में पहचाने जाने वाले बांका की धरती समजवादियो की गढ़ मानी जाती रही है। मधु लिमये जैसे समाजवादी नेता भी इस क्षेत्र का नेतृत्व कर चुके हैं। हालांकि, इस चुनाव में मुख्य मुकाबला एनडीए और महागठबंधन के बीच माना जा रहा है।

मंदार पर्वत के कारण प्रसिद्ध बांका शहर ऐतिहासिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। मान्यता है कि इसी मंदार पर्वत से समुद्र मंथन हुआ था। बांका संसदीय क्षेत्र में कुल छह विधानसभा सीटें हैं, जिनमें सुल्तानगंज, अमरपुर, धोरैया, बांका, कटोरिया और बेलहर विधानसभा सीटें आती हैं। धोरैया विधानसभा सीट अनुसूचित जाति (एससी) और कटोरिया विधानसभा सीट अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए सुरक्षित है। करीब 17 लाख मतदाताओं वाले इस लोकसभा क्षेत्र के मतदाता कभी कांग्रेस को सिर पर बिठाया तो कभी यहां जनसंघ भी मतदाताओं का पसंद बना।

समाजवादी नेताओं ने भी यहां पैठ बनाई, हालांकि समाजवादी नेता जॉर्ज फर्नांडीस को यहां दो बार हार का भी मुंह देखना पड़ा। लोकसभा चुनाव 2019 में यहां त्रिकोणात्मक मुकाबला देखने को मिला था। हालांकि, जदयू के गिरिधारी यादव ने राजद के जय प्रकाश यादव को पराजित कर राजद से यह सीट छीन ली थी। इस सीट पर जदयू को जहां 4,77,788 वोट मिले थे, वहीं राजद के जय प्रकाश 2,77,256 वोटों के साथ दूसरे नंबर पर रहे थे। निर्दलीय उम्मीदवार पुतुल कुमारी 1,03,729 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

इस चुनाव में भी एनडीए ने फिर से जदयू के गिरिधारी यादव को प्रत्याशी बनाया है, वहीं महागठबंधन की ओर से राजद ने जय प्रकाश यादव पर भरोसा जताया है। 2014 में राजद के जय प्रकाश नारायण यहां से चुने गए थे, जबकि 2009 में निर्दलीय प्रत्याशी दिग्विजय सिंह ने परचम लहराया था। सिंह के निधन के बाद 2010 में हुए उपचुनाव में पुतुल कुमारी सांसद बनी थीं। दिग्विजय सिंह ने तीन बार इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले जय प्रकाश यादव और दिग्विजय सिंह केंद्र सरकार में मंत्री बने।

साल 1957 में अस्तित्व में आई बांका लोकसभा सीट के जातीय समीकरण पर गौर करें तो यहां यादव और राजपूत मतदाताओं की संख्या सर्वाधिक है। इसके अलावा, ओबीसी और एससी-एसटी जातियों के मतदाता भी हर चुनाव में निर्णायक भूमिका अदा करते हैं। इस क्षेत्र से चुनाव लड़ने वालों में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर सिंह, उनकी पत नी मनोरमा सिंह, मधु लिमये, जॉर्ज फर्नांडीस, बी.एस. शर्मा का नाम शामिल रहा है।

तेजस्वी ने सीएम योगी के आरोपों का दिया जवाब, कहा - यूपी के लोगों को तो हम दे रहे नौकरी

पटना : बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोमवार को चुनाव प्रचार से लौटने के बाद योगी आदित्यनाथ के आरोपों का जवाब दिया। तेजस्वी ने कहा कि 17 महीने में उन्होंने क्या देख लिया, 17 महीने जब महागठबंधन की सरकार थी तो उन्हें क्या परिवर्तन लगा, योगी जी कुछ तो बताएं। यूपी में आज जैसे हालत हैं, वे किसी से छुपे हुए नहीं हैं।

तेजस्वी ने कहा कि योगी आदित्यनाथ ऐसे पहले मुख्यमंत्री बने, जो मुख्यमंत्री बनने के बाद पहला काम यह किया कि अपना सारा मुकदमा खत्म करवा लिया। इन लोगों को काम से मतलब नहीं है, सिर्फ इधर-उधर की बात करनी है।

उन्होंने कहा, ₹यूपी के लोगों को हमने नौकरी दी है। आपके प्रदेश के लोग यहां आकर नौकरी कर रहे हैं, तो आप क्या कर रहे हैं। किस बात के मुख्यमंत्री हैं आप? उत्तर प्रदेश की सरकार पेपर लीक में मशहूर हो चुकी है। सिर्फ उत्तर प्रदेश में पेपर लीक हो रहा है।

राजीव प्रताप रूडी के आरोपों पर तेजस्वी ने कहा कि रोहिणी आचार्य ने माता-पिता की सेवा की है। अपनी किडनी देकर पिता को जीवन दान दिया है। उन्होंने जिस अपने माता-पिता को संभाला है, उसी तरह सारण को संभालेंगी। रूडी के छपरा में रहते छपरा बर्बाद हो रहा है। रोहिणी छपरा की महान जनता की इतनी सेवा करेंगी कि नया उदाहरण बनेगा ।प्रधानमंत्री की होने वाली जनसभा पर तेजस्वी ने कहा कि ₹जब आएंगे तो देखेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को बिहार में दो चुनावी रैली को करेंगे संबोधित

पटना : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को एक बार फिर बिहार आ रहे हैं। पीएम मोदी ज्ञान की धरती गया और सीमांचल के पूर्णिया में रैली को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के आगमन को लेकर दोनों स्थानों में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। बिहार भाजपा के नेताओं के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी सबसे पहले गया पहुंचेंगे, जहां वे गांधी मैदान में हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रत्याशी जीतनराम मांझी के पक्ष में रैली को संबोधित करेंगे।

इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी पूर्णिया के रंगभूमि मैदान में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। यह पीएम मोदी की सीमांचल और कोसी की पहली चुनावी सभा होगी। पूर्णिया की सभा में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भी शामिल होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि बिहार में सभी सात चरणों में चुनाव होने हैं। पहले चरण में 19 अप्रैल को गया, नवादा, जमुई और औरंगाबाद के मतदाता मतदान करेंगे।

सारण से राजद उम्मीदवार रोहिणी आचार्य ने बीजेपी के घोषणापत्र की आलोचना की

सारण: राजद नेता और सारण लोकसभा सीट से उम्मीदवार रोहिणी आचार्य ने सोमवार को भाजपा के घोषणापत्र की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें रोजगार का मुद्दा गायब हो गया है। एएनआई से बात करते हुए, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी रोहिणी आचार्य ने कहा, ₹उन्हें लोगों के मुद्दे उठाने चाहिए। रोजगार का मुद्दा भाजपा के घोषणापत्र से गायब हो गया है। वे केवल लालू प्रसाद के परिवार को निशाना बना रहे हैं।₹ उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार ने पिछले दस साल में महंगाई पर काबू पाने के लिए कुछ नहीं किया है. उन्होंने कहा , ₹ बीजेपी ने पिछले 10 वर्षों में महंगाई को नियंत्रित करने के लिए कुछ नहीं किया है। इसी तरह, बीजेपी के कार्यकाल के दौरान बेरोजगारी की समस्या बढ़ी है। उन्होंने (बीजेपी) दो करोड़ नौकरियों का वादा किया था। उन्हें लोगों को बताना चाहिए कि अतीत में उनके चुनावी वादे क्यों नहीं पूरे हुए।₹ लागू किया गया है, ह्लआचार्य ने आगे कहा। आचार्य का मुकाबला मौजूदा भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी से है।

लालू प्रसाद यादव पहले भी कई बार इस सीट से जीत चुके हैं। बिहार के पूर्व सीएम ने चारा घोटाले से जुड़े एक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद अयोग्य ठहराए जाने तक इस सीट का प्रतिनिधित्व किया। 2019 के आम चुनावों में, रूडी ने 4.99 लाख से अधिक वोटों और 51.29 प्रतिशत वोट शेयर से सीट जीती। 2014 में, उन्होंने सारण निर्वाचन क्षेत्र में 3.55 लाख से अधिक वोटों और 41.12 प्रतिशत वोट शेयर से जीत हासिल की। यह एक करीबी लड़ाई थी क्योंकि पूर्व केंद्रीय मंत्री ने राजद की राबड़ी देवी के खिलाफ 50,000 से कम वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी।

सारण सीट कभी लालू प्रसाद के परिवार का गढ़ थी. राजद प्रमुख ने पहली बार 1977 में, फिर 1989, 2004 और 2009 में सीट जीती थी। सारण में 20 मई को सीतामढी, मधुबनी, पूर्वी चंपारण और शिवहर के साथ पांचवें चरण में मतदान होगा। (

सीएम योगी आदित्यनाथ ने राजद पर जमकर हमला बोला

औरंगाबाद : बिहार के औरंगाबाद के रतनुआं मैदान में भाजपा प्रत्याशी सुशील सिंह के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने राजद पर जमकर हमला बोला। उन्होंने राजद को परिवारवाद के मुद्दे पर घेरते हुए कहा कि यह चुनाव 'नेशन फर्स्ट बनाम फैमली फर्स्ट' का है। लालू यादव पर तंज कसते हुए सीएम योगी ने कहा कि बिहार के अंदर तो उनके ही परिवार को सीटें कम पड़ रही थी। लालू यादव अपने परिवार तक ही सिमट कर रह गए हैं। परिवार से आगे सोचा ही नहीं। इनका विकास केवल और केवल परिवार तक सीमित है। विकास भी होना है तो पहले परिवार का होगा। चुनाव में सीट भी मिलनी है तो सिर्फ परिवार को मिलनी है।

सीएम योगी ने अपने संबोधन में आगे कहा कि लालू यादव जैसे परिवार की राजनीति करने वाले यूपी में भी हैं, जिसे मैंने ठंडा कर दिया है। पहले वे भगवान राम को नहीं मान रहे थे और जब हमने अयोध्या में मंदिर बनवाया तो कहने लगे कि राम सबके हैं। यूपी की जनता तो पहले ही वैसे परिवारों को जवाब दे चुकी है और अब बिहार के लोगों को भी जवाब देने के लिए तैयार होना है और इसी के लिए मैं यहां आया हूं। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के लोग अयोध्या में राम मंदिर कभी नहीं बनाते। अयोध्या में हमने राम मंदिर बनाने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में अपराधियों का भी 'राम नाम सत्य' कराया।

कार्ड बांटकर लौटने के दौरान ट्रक ने कुचला, शादी को चार दिन बाकि थे

बिहार : भोजपुर के कोईलवर थाना क्षेत्र अंतर्गत हरीपुर गांव के समीप आरा-छपरा फोरलेन पर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो भाइयों को रौंद दिया। हादसे में एक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से जख्मी हो गया। दोनों आपस में चचेरे भाई थे। एक्सीडेंट होते ही चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए आरा अस्पताल भेज दिया।

शादी का कार्ड देकर लौट रहा था

मृतक सारण (छपरा) जिला के डोरीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत रायपुर बिंदगावां गांव निवासी स्वर्गीय बिजनंदन राम का पुत्र राजेश कुमार (24) था। राजेश बालू घाट पर काम करता था। जबकि जख्मी उसी गांव के निवासी राम बाबू राय का पुत्र और मृतक का चचेरा भाई मुकेश कुमार (15) है। घायल मुकेश कुमार ने बताया कि वह राजेश कुमार के साथ उसके ही शादी का कार्ड बांटने के लिए पटना जिला के हरदी छपरा स्थित अपने रिश्तेदार के घर गया था। कार्ड देकर जब वह दोनों बाइक से वापस अपने गांव लौट रहे थे, तभी हरीपुर गांव के समीप विपरीत दिशा से आ रहे बालू लदे ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। घटना होते ही आसपास के लोग उधर दौड़ पड़े। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और अग्रतर कार्रवाई में जुट गई।

मृतक राजेश कुमार की शादी इसी माह 19 अप्रैल को बड़हरा थाना क्षेत्र के कोल्हरामपुर (पचरुखिया) गांव में होने वाली थी। अपनी शादी का कार्ड बांटने गया राकेश कुमार काफी खुश था। लेकिन, उसके सिर पर सेहरा सजाने से पहले ही उसकी अर्थी उठ गई। जहां एक तरफ उसके घर में उसकी शादी को लेकर लोगों में खुशियों का माहौल था।

बिहार के जमुई और नवादा में शुक्रवार को होगा मतदान

नई दिल्ली: देश में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होने से कुछ दिन पहले, बिहार के दो निर्वाचन क्षेत्र - जमुई और नवादा - अपने राजनीतिक इतिहास के संदर्भ में चुने गए उम्मीदवारों से आगे निकल गए हैं। राजनीतिक दल और इन सीटों को सौंपा गया राजनीतिक महत्व। बिहार की एससी श्रेणी की सीट जमुई में, विपक्षी महागठबंधन गठबंधन से राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने प्रमुख निर्वाचन क्षेत्र में अर्चना रविदास को मैदान में उतारा है, जबकि सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) (एलजेपी) ने मैदान में उतारा है। (एनडीए) ने अरुण भारती को मैदान में उतारा है. इससे पहले 2019 के लोकसभा चुनाव में, एलजेपी प्रमुख चिराग कुमार पासवान 55.7 प्रतिशत वोट प्राप्त करके विजयी हुए थे। राजद के भूदेव चौधरी 30.4 प्रतिशत वोट पाकर दूसरे स्थान पर रहे और बहुजन समाज पार्टी के उपेन्द्र र-विदास 3.3 प्रतिशत वोट पाकर तीसरे स्थान पर रहे। बिहार के नवादा में, राजद ने श्रवण कुमार कुशवाहा को मैदान में उतारा है , जबकि सत्तारूढ़ गठबंधन से भारतीय जनता पार्टी ने विवेक ठाकुर को मैदान में उतारा है । राज्यसभा के पूर्व सदस्य सीपी ठाकुर के बेटे ठाकुर, एक नया भूमिहार चेहरा हैं, अपने दावेदारों की तुलना में अपेक्षाकृत नया चेहरा हैं। बीजेपी का गढ़ रही इस सीट से राजद के बागी विनोद यादव भी मैदान में हैं. इससे पहले 2019 के लोकसभा चुनाव में नवादा में एलजेपी के चंदन सिंह ने 52.6 फीसदी वोट हासिल कर जीत हासिल की थी, जबकि राजद की विभा देवी 36.9 फीसदी वोट हासिल कर दूसरे स्थान पर रहीं थीं.

जमुई और नवादा दोनों सीटों पर शुक्रवार को मतदान होगा. बिहार में विपक्षी गठबंधन , जिसमें राजद, कांग्रेस और वामपंथी दल शामिल हैं, ने घोषणा की कि राजद, उसका सबसे बड़ा घटक, चुनाव में राज्य की 40 लोकसभा सीटों में से 26 पर चुनाव लड़ेगा । लोकसभा चुनाव के लिए एनडीए बिहार में जनता दल-यूनाइटेड (जेडीयू) और एलजेपी के साथ सीट-बंटवारे के समझौते पर भी है ।

बीजेपी का घोषणापत्र बेरोजगारी को नजरअंदाज करता है- तेजस्वी यादव

पटना। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को अपने घोषणापत्र में बेरोजगारी, महंगाई और गरीबी पर चुप्पी साधने के लिए भाजपा की क-ड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि देश की 60 फीसदी आबादी युवाओं की है लेकिन घोषणापत्र में इसका कोई जिक्र नहीं है। इसी तरह किसानों की अनदेखी की गयी है. ह्लबीजेपी कितनी नौकरियाँ देगी या नहीं देगी, इसका कोई जिक्र नहीं है। बिहार जैसे गरीब राज्य के विकास का भी कोई जिक्र नहीं है. घोषणापत्र में केवल सतही बातें शामिल की गई हैं।"

घोषणापत्र में बिहार के लिए कुछ भी नहीं है। विशेष पैकेज या विशेष दर्जे का कोई वादा नहीं। इस बात का कोई जिक्र नहीं है कि केंद्र में सत्ता में लौटने पर भाजपा किस तरह महंगाई पर काबू पाना और गरीबी उन्मूलन करना चाहती है?" उसने कहा।

उन्होंने भाजपा के पांच साल तक गरीबों को मुफ्त राशन देने पर प्रतिक्रिया देते हुए पूछा कि इसमें नया क्या है क्योंकि कांग्रेस सत्ता में रहते हुए खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मुफ्त राशन दे रही थी।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय योजनाओं के कार्यान्वयन में राज्य की हिस्सेदारी बढ़ गई है, जिससे बिहार जैसे गरीब राज्यों पर अधिक वित्तीय बोझ पैदा हो गया है। इस बीच, भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गरीबों, युवाओं, किसानों के कल्याण और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए 'असाधारण' घोषणापत्र जारी करने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वादों के कार्यान्वयन से 2047 तक भारत को शीर्ष रैंकिंग वाला देश बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

अपराध की योजना बना रहे 5 अपराधी गिरफ्तार

गोपालगंज: गोपालगंज पुलिस ने अपराध की योजना बना रहे 5 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार अपराधियों के पास से तीन देशी कट्टा, पांच जिंदा कारतूस, एक मोबाइल और एक मास्टर चाभी बरामद किया है। पुलिस ने मीरगंज थाना क्षेत्र के जिगना गांव के समीप रेलवे ढाला पर कार्रवाई कर सभी अपराधियों को गिरफ्तार किया। मामले में एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी अपराध की योजना बना रहे हैं। सुचना मिलने के बाद हथुआ एसडीपीओ के नेतृत्व में एक टीम गठित कर छापेमारी की गई।

छापेमारी में पुलिस ने 5 अपराधियों को तीन देशी कट्टा, पांच जिन्दा कारतूस, एक बाइक, दो मोबाइल और एक मास्टर चाभी के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान मिथिलेश कुमार, सन्देश कुमार, विशाल कुमार, सचिन कुमार और श्रवण कुमार के रूप में की गई। सभी गिरफ्तार अपराधी सीवान के रहने वाले हैं। गिरफ्तार अपराधियों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। फिलहाल पुलिस सभी से पूछताछ कर रही है।

बागी के उतरने से नवादा में राजद की मुश्किलें बढ़ीं

नवादा : बिहार के नवादा सीट पर राजद से बगावत कर चुनावी मैदान में उतरे विनोद यादव ने यहां के संघर्ष को त्रिकोणीय बना दिया है। राजद के लिए यहां की राह अब मुश्किल नजर आने लगी है। इस चुनाव में नवादा सीट पर मुख्य मुकाबला एनडीए और विपक्षी महागठबंधन के बीच माना जा रहा था, लेकिन अब ये मुकाबला दिलचस्प हो गया है।

सीट इस बार एनडीए के घटक दल लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के बदले भाजपा के खाते में चली गई है। भाजपा ने नवादा से भूमिहार समाज से आने वाले विवेक ठाकुर को उम्मीदवार बनाया है, जबकि महागठबंधन की ओर से राजद ने श्रवण कुशवाहा को प्रत्याशी बनाया है। राजद के प्रत्याशी की घोषणा होते ही राजद के नेता विनोद यादव पार्टी से खिलाफत कर चुनावी मैदान में उतर गए। देखा जाए तो इस सीट पर एनडीए का दबदबा रहा है।

वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के भोला सिंह और वर्ष 2014 में गिरिराज सिंह ने जीत का परचम लहराया था। पिछले चुनाव में यह सीट लोजपा के खाते में थी और चंदन सिंह की जीत हुई थी। 2004 के चुनाव में राजद के प्रत्याशी वीरचंद्र पासवान यहां से विजयी हुए थे।

पूर्व विधायक राजवल्लभ यादव के भाई और विधायक विभा देवी के देवर विनोद यादव ने बागी तेवर अपनाते हुए माहौल को स्थानीय बनाम बाहरी बना दिया है। यादव को स्थानीय राजद विधायकों का भी समर्थन मिल रहा है, बताया जाता है कि राजद के बागी के चुनाव मैदान में आने से राजद को नुकसान होना तय है। ऐतिहासिक और धार्मिक नवादा की धरती शुरू से समृद्ध रही है। झारखंड की सीमा से जुड़े इस संसदीय क्षेत्र का चुनाव परिणाम यहां के जातीय समीकरण तय करते रहे हैं। माना जा रहा है कि भूमिहार के सामने कुशवाहा को उतार कर लालू प्रसाद ने एनडीए को टक्कर देने की कोशिश की थी, लेकिन इस चक्कर में उनके कुनबे के लोग यानी यादव ही उनके विरोध में उतर आए हैं।

बिहार में सर्वोदय आश्रम को रखरखाव, सुरक्षा, देखभाल और ढांचागत उन्नति की आवश्यकता

नवादा : बिहार के नवादा जिले के शांत गांव शेखोदेवरा में स्थित सर्वोदय आश्रम, जिसकी स्थापना श्रद्धेय भारत रत्न से सम्मानित लोकनायक जय प्रकाश नारायण ने की थी, उपेक्षा के प्रतीक के रूप में खड़ा है। लगातार सरकारों द्वारा अधूरे वादे। सर्वोदय आश्रम के प्रधान मंत्री अर-विंद कुमार ने सरकार से बार-बार अपील के बावजूद रखरखाव, सुरक्षा और ढांचागत उन्नति की कमी पर अफसोस जताया।

₹आश्रम के प्रबंधन और जय प्र-काश नारायण की शिक्षाओं के प्रसार के लिए एक निश्चित मात्रा में धन की आवश्यकता होती है। 2009 में, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आश्रम को एक पर्यटक आकर्षण में बदलने की योजना की घोषणा की थी, लेकिन आज तक, यह केवल एक घोषणा ही रही है। पूर्व प्रमुख मंत्री जीतन राम मांझी ने अपनी संवाद यात्रा शुरू की. हमने उनसे गुजारिश भी की कि वे मेंटेनेंस के लिए कुछ करें, क्योंकि हमारे पास सीमित संसाधन हैं, लेकिन आज भी हमारी मांग है कि सरकार इस पर बेहतर से बेहतर विचार करे तर-हके, ह्लकुमार ने कहा।

जिला मुख्यालय से लगभग 42 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सर्वोदय आश्रम की स्थापना 1954 में जेपी के नाम से मशहूर जय प्रकाश नारायण ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, ग्रामीण विकास, सामाजिक उत्थान और एकीकरण के उद्देश्य से की थी।

दिलचस्प बात यह है कि इस आश्रम में शासन की संसदीय प्रणाली है जहां एक प्रधान मंत्री मंत्रिपरिषद का प्रमुख होता है। समय के साथ आश्रम ने खुद को कृषि के क्षेत्र में आधुनिक बनाया। इसके कृषि विज्ञान केंद्र को देश में पांचवां स्थान प्राप्त है।

कुमार ने सरकार से आश्रम पर ध्यान देने का आग्रह करते हुए कहा कि उनके पास वैज्ञानिक और विशेषज्ञ हैं लेकिन विकसित करने के लिए संसाधन नहीं हैं।

कुमार ने कहा, ₹इस संबंध में भी हम चाहते हैं कि सरकारें या संसद सदस्य बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर ध्यान दें ताकि हमारे वैज्ञानिक किसानों को अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकें। हमारे पास वैज्ञानिक और विशेषज्ञ हैं लेकिन संसाधन नहीं हैं।₹

आज यह आश्रम इतिहास का अहम हिस्सा बन चुका है। आश्रम के कोने में जेपी का आवास सह कार्यालय आकर्षण का मुख्य केंद्र है जहां उनके जीवनकाल से जुड़ी चीजें, जैसे उनकी आधिकारिक मेज, कु-र्सियां, बिस्तर और अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरकरार रखी गई हैं। यहां तक कि भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने भी इस आश्रम का कई बार दौरा किया था।

लेकिन आजकल यह आश्रम स-रासर नेताओं और सरकारों की लापर-वाही का उदाहरण है। विडंबना यह है कि देश का लगभग हर नेता जेपी नारायण के विचारों से प्रभावित या प्रेरित है, लेकिन आश्रम के रखरखाव, सुरक्षा, संरक्षण और प्रबंधन के लिए आवश्यक धन के लिए सरकार से लगातार अनुरोध किए जाने के बावजूद, उन्हें हमेशा नजरअंदाज किया जाता है।

इसके प्रबंधन के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के अनुसार, आश्रम कुछ विदेशी फंडों की मदद से और आश्रम में उत्पादित कृषि और खादी उत्पादों की बिक्री से प्राप्त आय से चल रहा है, लेकिन इसे सरकार की देखभाल, सुरक्षा और समर्थन की आवश्यकता है। लंबे समय तक।

सरकार की तमाम लापरवाही और अधूरे वादों के बावजूद इस जगह की अपनी खूबसूरती और अहमियत है। जय प्रकाश नारायण की जीवनशैली से प्रेरित लोग यहां अक्सर आते रहते हैं। यह शोधकताओं और इतिहास के छात्रों के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

www.sutrakarsamachar.com
सूत्रकार सब्सक्राइब करें
रांची,मंगलवार, 16 अप्रैल2024

न्यूज फ्लैश

जेहान ने फामूर्ला ई में पहले अंक बनाए

मिसानो (इटली)

भारत के जेहान दारूवाला ने पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक रेसिंग सीरीज फामूर्ला ई में अपने पहले सत्र में खराब शुरूआत के बाद पहले अंक जुटाए। फामूर्ला टू में चार सत्र बिताने के बाद फामूर्ला ई से जुड़ने वाले जेहान ने मासेराती एमएसजी रेसिंग की ओर से प्रतिस्पर्धा करते हुए रविवार को यहां मिसानो ई-प्री की दूसरी रेस में नौवें स्थान पर रहते हुए दो अंक हासिल किए। उन्होंने रेस की शुरूआत 21वें स्थान से की थी। फिया विश्व चैंपियनशिप का दर्जा रखने वाली इस सीरीज में इससे पहले जेहान की शुरूआत खराब रही थी। अब तक उन्होंने जिन रेस में हिस्सा लिया उनमें से दो को पूरा नहीं कर पाए जबकि अन्य में 16वें, 20वें, 15वें और 17वें स्थान पर रहे।

मुंबई इंडियन्स को गेंदबाजी में सुधार करना होगा: लारा

मुंबई

वेस्टइंडीज के पूर्व महान खिलाड़ी ब्रायन लारा ने इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ मुंबई इंडियन्स की 20 रन की हार के बाद कहा कि मुंबई के गेंदबाजी आक्रमण में जसप्रीत बुमराह के अलावा अधिक दम नहीं है और उन्हें खेल के इस विभाग में सुधार करने की जरूरत है। बुमराह (चार ओवर में 27 रन देकर कोई विकेट नहीं) को सुपरकिंग्स के खिलाफ कोई सफलता नहीं मिली जो उनके द्वारा स्थापित शीर्ष मानकों को देखते हुए बेहद सामान्य प्रदर्शन है। मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या के पारी के अंतिम ओवर में महेंद्र सिंह धोनी ने भी लगातार तीन छक्के मारे और र-विवार रात अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। लारा ने 'स्टार स्पोर्ट्स क्रिकेट लाइव शो' पर कहा, "मुझे लगता है कि जब हम मुंबई इंडियंस को देखते हैं तो बहुत से लोग उन्हें प्रबल दावेदार के रूप में देखते हैं, सिर्फ इसलिए कि वे इतनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। उन्होंने 230 रन बनाए, उन्होंने 196 रन का लक्ष्य हासिल किया, इसे बहुत आसान बना दिया, 15 ओवर में, इसलिए इस तथ्य के कारण मुझे लगता है कि हम उन्हें प्रबल दावेदार के रूप में चुनते हैं।" उन्होंने कहा, "लेकिन उनकी गेंदबाजी खराब है। जसप्रीत बुमराह के अलावा, उस गेंदबाजी आक्रमण में उनका समर्थन करने वाला कोई नहीं है और सुपरकिंग्स के बल्लेबाजों ने उन्हें ध्वस्त कर दिया।" आठवें ओवर के बाद मुंबई इंडियन्स ने अपने स्पिनरों का उपयोग नहीं किया क्योंकि धीमे गेंदबाजों के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले शिवम दुबे क्रीज पर थे। लारा ने कहा, "स्पिनरों ने लगभग सात रन प्रति ओवर की दर से रन देने के बाद केवल चार ओवर फेंके क्योंकि शिवम दुबे की मौजूदगी में उन्हें उन पर भरोसा नहीं था। इसलिए मुंबई इंडियन्स को उस क्षेत्र में सुधार करना होगा, उन्हें कुछ गेंदबाज ढूंढने होंगे, मैच जिताने वाले गेंदबाज।"

मैच को नियंत्रित कर सकता है दुबे, टीमें उसके खिलाफ स्पिनरों को उतारने से डरती हैं: सिमंस

मुंबई

चेन्नई सुपरकिंग्स के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने कहा है कि ऑलराउंडर शिवम दुबे में मैचों को नियंत्रित करने की क्षमता है और टीमें उनके खिलाफ स्पिन गेंदबाजों का इस्तेमाल करने से 'डरती' हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज दुबे ने रविवार को यहां मुंबई इंडियन्स के खिलाफ 38 गेंद में नाबाद 66 रन बनाए और अपनी टीम की 20 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। मुंबई ने सात गेंदबाजों का इस्तेमाल किया लेकिन आठवें ओवर के बाद अपने स्पिनरों को गेंदबाजी का मौका नहीं दिया। दुबे ने स्पिनर की सिर्फ एक गेंद का सामना किया और वह गेंद श्रेयस गोपाल की थी। सिमंस ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, "जब वह (दुबे) आता है तो वे (विरोध टीमें) स्पिनरों को हटा देते हैं (और) वे तेज गेंदबाजों से गेंदबाजी कराते हैं। वह इसमें और अधिक प्रभावी हो गया है। लेकिन उन्होंने बाकी मैच में दोबारा स्पिन गेंदबाजी नहीं की क्योंकि वह विकेट पर था।" उन्होंने कहा, "यह इस बारे में है कि आप मैच को कैसे नियंत्रित करते हैं और उसके जैसा कोई व्यक्ति इसे नियंत्रित कर सकता है क्योंकि वे अब स्पिन गेंदबाजी नहीं कर सकते। वे ऐसा नहीं करना चाहते। वे डरे हुए हैं। तेज गेंदबाजी के खिलाफ प्रभावी होने की उसकी क्षमता उसके लिए बहुत फायदेमंद स्थिति बन गई है।"

नई पॉडकास्ट सीरीज '180 नॉटआउट' में नजर आएंगे गंभीर, हरभजन, वॉल्श

नई दिल्ली

गौतम गंभीर, हरभजन सिंह, सुरेश रैना और कर्टनी वॉल्श जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के कुछ पूर्व दिग्गज खिलाड़ी हाल में जारी पॉडकास्ट सीरीज '180 नॉटआउट' में खेल की चुनौतियों, विवादों और भविष्य की संभावनाओं पर अपना रुख साझा करते नजर आएंगे। पॉडकास्ट में 60 से अधिक पूर्व क्रिकेटर और विशेषज्ञ शामिल हैं और पिछली दो शताब्दियों में क्रिकेट की यात्रा और विकास पर चर्चा करेंगे। पंद्रह एपिसोड की इस श्रृंखला में गंभीर, हरभजन, वॉल्श, अफरीदी, क्रिस गेल जैसे खिलाड़ियों की अंतर्दृष्टि के साथ खिलाड़ियों पर खेल का प्रभाव, लीग, व्यावसायीकरण, कोचिंग, फिटनेस, विभिन्न प्रारूप और रिकॉर्ड सहित विविध विषयों को शामिल किया गया है। श्रृंखला में तकनीकी प्रगति, विभिन्न लीग के उदय और खिलाड़ियों के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा होगी। यह पॉडकास्ट सभी वैश्विक ऑडियो मंच पर उपलब्ध है जिसमें स्पोटिफाई, यूट्यूब, एप्पल पॉडकास्ट और गूगल पॉडकास्ट भी शामिल है।

गावस्कर ने हार्दिक को निशाना बनाते हुए कहा, बेहद साधारण गेंदबाजी और कप्तानी

मुंबई

भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को मौजूदा आईपीएल में मुंबई इंडियंस की चौथी हार के बाद प्रमुख पूर्व खिलाड़ियों की तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा और पूर्व महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने अब तक 'बिलकुल साधारण गेंदबाजी और साधारण कप्तानी' के लिए उनकी आलोचना की। मुंबई की कप्तानी संभालने के बाद से प्रशंसकों की हूटिंग का सामना कर रहे पंड्या को रविवार रात चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ टीम की 20 रन की हार के बाद गावस्कर और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन की आलोचना झेलनी पड़ी। पंड्या ने पारी के अंतिम ओवर में 26 रन लु-टाए जिसमें महेंद्र सिंह धोनी ने लगातार तीन छक्के मारे। गावस्कर ने 'स्टार स्पोर्ट्स' पर पारी के ब्रेक के दौरान कहा, "ओह, बेहद साधारण गेंदबाजी, साधारण कप्तानी। शिवम दुबे के साथ रुतुराज गायकवाड़ के काफी अच्छी बल्लेबाजी करने के बावजूद उन्हें कम स्कोर पर रोका जाना चाहिए था। मेरा मानना है कि उन्हें 185-190 रन तक रोका जाना चाहिए था।" उन्होंने कहा, "संभवतः सबसे बदतर गेंदबाजी जो मैंने काफी लंबे समय में देखी है।"

पंड्या ने तीन ओवर में 43 रन देकर दो विकेट चटकाए और बल्लेबाजी करते हुए भी छह गेंद में सिर्फ दो रन बना पाए। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की 63 गेंद में नाबाद 105 रन की पारी के बावजूद मुंबई की टीम 207 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए छह विकेट पर 186 रन ही बना सकी। पीटरसन का मानना है कि इस स्टार ऑलराउंडर पर बाहरी आलोचना का असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, "मैं वास्तव में सोचता हूं कि खेल के इतर की चीजें हार्दिक पंड्या पर बहुत प्रभाव डाल रही हैं। जब वह टॉस के लिए जाता है तो वह बहुत मुस्कुराता है। वह ऐसा दिखाने की कोशिश कर रहा है जैसे वह बहुत खुश है। वह खुश नहीं है। यह मेरे साथ हुआ है। मैं इसका सामना कर चुका हूं और मैं आपको बता सकता हूं कि यह आप पर प्रभाव डालता है।" उन्होंने कहा, "अभी हम जो हूटिंग सुन रहे हैं। मुझे पता है कि वे सुपरकिंग्स के पूर्व कप्तान (धोनी) द्वारा मैदान के हर तरफ उसके (पंड्या) खिलाफ श-ॉट खेलने से खुश थे, इससे आपको दुख होता है।

टी20 विश्वकप के लिए पांड्या से अधिक मजबूत है शिवम की दावेदारी : मनोज तिवारी

नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएके) के ऑलराउंडर शिवम दुबे की जमकर प्रशंसा की है। तिवारी के अनुसार आगामी टी20 विश्वकप में इस क्रिकेटर को जरुर जगह मिलनी चाहिये। साथ ही कहा कि टीम में जगह के लिए उसकी दावेदारी मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या से अधिक मजबूत है। इसलिए अगर चयन के समय उसे पांड्या से अधिक वरीयता मिली चाहिये। तिवारी के अनुसार आईपीएल के इस सत्र में पांड्या का प्रदर्शन कोई विशेष नहीं रही रहा है। बल्लेबाजी में वह रन नहीं बना पाये हैं इसके अलावा गेंदबाजी भी काफी कम की है। उन्होंनें पिछले तीन मैचों में केवल एक ओवर ही किया है। साथ ही कहा कि अगर हार्दिक को टी20 विश्वकप के लिए टीम में अपनी जगह पक्की करनी है तो उन्हें अपने को साबित करन होगा। साथ ही कहा कि अब तक हार्दिक ने इस सत्र में काफी रन दिये हैं। ऐसे अबर वह एक ऑलराउंडर के रूप में खेलना चाहते हैं, तो उन्हें आने वाले मैचों में बेहतर गेंदबाजी करनी होगी।

इसके साथ ही तिवारी ने यह भी कहा किया कि अगर शिवम को टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह नहीं मिलती है तो इसके लिए सीएसके जिम्मेदार मानी जाएगी क्योंकि सीएसके उन्हें गेंदबाजी के अवसर नहीं दे रही। साथ ही कि चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर हमें साहसी फैसले लेते है। ऐसे में वह शायह ही हार्दिक को अवसर दें। साथ कहा कि हार्दिक अगर अच्छा नहीं खेल रहे हैं तो उनके विकल्प के तौर पर शिवम को तैयार किया जाना चाहिये।

उन्होंने शिवम को एक चालाक गेंदबाज बताया। उन्होंने कहा, एक समय हमारे पास वेंकटेश अय्यर भी थे। अचानक दोनों ने गेंदबाजी करना बंद कर दिया। हमें बड़े लक्ष्य को देखना चाहिए। हम एक दशक से विश्वकप नहीं जीत पाये हैं। इसलिए हमें उसके लिए समय से पहले योजना बनानी होगी। अभी हार्दिक फॉर्म में नहीं हैं और शिवम को आईपीएल में गेंदबाजी के अधिक अवसर नहीं मिले हैं। ऐसे में वह कैसा प्रदर्शन करते हैं ये कहा नहीं जा सकता है।

मैं नतीजों के बारे में ज्यादा नहीं सोचता : पथिराना

मुंबई

अपनी शानदार गेंदबाजी की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना ने कहा कि वह नतीजों के बारे में ज्यादा नहीं सोचते, सिर्फ अपने क्रियान्वयन को लेकर चिंतित रहते हैं। पथिराना ने मैच में अपने चार ओवर में 28 रन देकर 4 विकेट लिए।

पथिराना हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण सीएसके के पिछले दो मैचों में नहीं खेल पाए थे, लेकिन जब उन्होंने मुंबई के खिलाफ वापसी की तो अपनी शानदार गेंदबाजी की बदौलत सीएसके को 20 रन से जीत दिला दी, उन्हें उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

रविवार को मैच समाप्त होने के बाद पथिराना ने कहा, ₹जब हम पावरप्ले में गेंदबाजी कर रहे थे तो मैं काफी घबराया हुआ था। मुझसे कहा गया कि मैं शांत रहूं और अपना काम करूं, इससे मुझे आत्मविश्वास मिला। मैं नतीजों के बारे में ज्यादा नहीं सोचता, सिर्फ अपने क्रियान्वयन को लेकर चिंतित रहता हूं। अगर मैं अमल करता हूं, तो मुझे मेरा पुरस्कार मिलेगा।₹

उन्होंने आठवें ओवर में तीन गेंदों के अंतराल में ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव को आउट किया, इसके बाद तिलक वर्मा और रोमारियो शेफ-र्ड को आउट करके सीएसके की जीत सुनिश्चित कर दी। उन्होंने कहा, ₹कभी-कभी मुझे बल्लेबाजों के आधार पर अपनी योजनाएँ बदलनी पड़ती हैं। मैं दो सप्ताह पहले थोड़ी परेशानी से जूझ रहा था, लेकिन सहयोगी स्टाफ ने मेरा समर्थन किया और यही मेरी फॉर्म का मुख्य कारण है।" मैच की बात करें तो मुंबई ने टॉस जीतकर सीएसके को पहले बल्लेबाजी करने का मौका दिया।

अजिंक्य रहाणे (5) और रचिन रवींद्र (16 गेंदों में 21 रन, दो चौका और एक छक्का) ज्यादा प्रभाव नहीं डाल पाए, हालांकि कप्तान रुतुराज गायकवाड़ (40 गेंदों में 69 रन, पांच चौके और पांच छक्के) और शिवम दुबे (38 गेंदों में नाबाद 66 रन, 10 चौके और दो छक्के) और अंतिम ओवर में एमएस धोनी (चार गेंदों में नाबाद 20 रन, तीन छक्के) की विस्फोटक पारी की बदौलत सीएसके ने 20 ओवरों में 4 विकेट पर 206 रन बनाए। मुंबई के लिए हार्दिक पांड्या ने 2, श्रेयस गोपाल और गेराल्ड कोएत्जी को एक-एक विकेट मिला।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की टीम ने शानदार शुरूआत की, ईशान किशन (15 गेंदों में 23 रन, तीन चौका, एक छक्का) और रोहित शर्मा ने पहले विकेट के लिए 70 रन जोड़े। रोहित अपना दूसरा आईपीएल शतक बनाने में सफल रहे, लेकिन तिलक वर्मा (31 रन) के अलावा रोहित को किसी और बल्लेबाज का साथ नहीं मिला और मुंबई की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 186 रन ही बना सकी और 20 रन से मैच हार गई। सीएसके के लिए मथीशा पथिराना (4/28) सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे। मुस्ताफिजुर रहमान और तुषार देशपांडे को भी 1-1 विकेट मिला।

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2024: अंजू और हर्षिता ने जीता रजत पदक

बिश्केक

किर्गिस्तान के बिश्केक में चल रहे 2024 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रविवार को भारत की पहलवान अंजू और हर्षिता ने रजत पदक जीता।

अंजू ने महिलाओं के 53 किग्रा भार वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि हर्षिता महिलाओं के 72 किग्रा वर्ग में दूसरे स्थान पर रहीं। मनीषा और अंतिम पंघाल ने भी क्रमशः महिलाओं के 62 किग्रा और 65 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक हासिल किए। फिलीपींस की अलिया गावलेज के खिलाफ अपना मैच 12-1 से जीतने के बाद, अंजू ने क्वार्टर फाइनल में श्रीलंका की पहलवान नेथमी पोरुथोटेज को 14-4 से हराया। उन्होंने सेमीफाइनल में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की चुन लेई पर 9-6 से जीत हासिल की। हालाँकि, अंजू फाइनल में पिछड़ गईं और उन्हें डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया की जी हयांग किम से 10-0 से हार का सामना करना पड़ा और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हर्षिता भी महिलाओं के 72 किग्रा के स्वर्ण पदक मैच में चीन की कियान जियांग से 5-2 से हार गईं और रजत पदक हासिल किया।

सेमीफाइनल में जापान की सकुरा मोटोकी से 3-0 से हार का सामना करने के बाद, मनीषा ने महिलाओं के 62 किग्रा में कांस्य पदक मैच में फिलीपींस की एरियन जी कार्पो पर 5-0 की आसान जीत हासिल करने के बाद कांस्य पदक जीता। अंतिम ने रविवार को महिलाओं के 65 किलोग्राम भार वर्ग में भारत के लिए दूसरा कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने अपना कांस्य पदक मुकाबला जीता क्योंकि उनके प्रतिद्वंद्वी, दक्षिण कोरिया के सोबिन किम घायल हो गए थे। रविवार को चार पदकों के साथ, एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2024 में भारत के पदकों की संख्या कुल 9 हो गई है, जिसमें चार रजत और पांच कांस्य पदक शामिल हैं। पहले दिन शनिवार को तीन पदक आए, जिसमें पुरुषों की फ्रीस्टाइल कुश्ती में एक रजत और दो कांस्य शामिल थे।

बुंडेसलिगा में बेयर लेवर-कुसेन की खिताबी जीत

बर्लिन

बायर्न म्यूनिख द्वारा लीग पर 11 साल तक लगातार दबदबा बनाए रखने के बाद, बेयर लेवरकुसेन ने आखिरकार रविवार को वेर्डर ब्रेमेन को 5-0 से हर-ाकर बुंडेसलीगा का खिताब जीत लिया।

29वें राउंड के समापन पर वेर्डर ब्रेमेन पर शानदार जीत के बाद, लेवरकुसेन ने पांच राउंड शेष रहते हुए अपना पहला बुंडेसलीगा खिताब जीता।

न्यूज एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मैच की शुरूआत से ही लेवर-कुसेन ने अपना पक्ष हावी रखा और लगातार विरोधी टीम पर दबाव बनाने की कोशिश की। लेवरकुसेन के प्रयासों का फल तब मिला जब विक्टर बोनीफेस ने 22वें मिनट में पेनल्टी को गोल में तब्दील किया। फिर, वेर्डर ब्रेमेन ने कई बार कोशिश की लेकिन मेजबान टीम का दबदबा कायम रहा। लेवरकुसेन के गोलकीपर लुकास ह्राडेकी ने कई शानदार बचाव किए।

दूसरे हाफ में एक बार फिर लेवरकुसेन ने अटैक करना शुरू किया और ग्रैनिट जाका ने 60वें मिनट में टीम की बढ़त दोगुनी कर दी। इसके बाद फ्लोरियन विर्ट्ज.ने 68वें मिनट में एक शक्तिशाली शॉट के साथ टीम की बढ़त 3-0 की। इतना ही नहीं उन्होंने हैट्रिक जमाते हुए 83वें और 90वें मिनट में अपनी टीम के लिए ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ लेवरकुसेन प्रतियोगिताओं में 43 मैचों से अजेय के अपने रिकॉर्ड पर कायम है। टीम के लिए यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, जिसमें इस सीजन में बुंडेसलीगा में 29 मैचों की अजेय श्रृंखला शामिल है। साथ ही उन्होंने अपने नाम रिकॉर्ड 79 अंक अर्जित किए हैं। फ्लोरियन विर्ट्ज.ने कहा, ₹मुझे अभी भी एहसास नहीं हो रहा है कि हमने क्या हासिल किया है।₹

मेजर लीग क्रिकेट 2024: स्टीवन स्मिथ के साथ वाशिंगटन फ्रीडम टीम में शामिल हुए ट्रैविस हेड

नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के स्टार सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड मेजर लीग कि-केट 2024 (एमएलसी) के आगामी संस्करण के लिए वाशिंगटन फ्रीडम में अपने हमवतन स्टीवन स्मिथ के साथ शामिल होंगे। टी20 विश्व कप के समापन के बाद 4 जुलाई को एमएलसी शुरू होगी। हेड ने विश्व कप के बाद आराम करने के बजाय क्रिकेट खेलने का फैसला किया है। ऑस्ट्रेलिया विश्व कप के समापन के बाद सितंबर तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेलेगा, जिसके बाद वे इंग्लैंड के सफेद गेंद दौरे पर निकलेंगे। हेड वर्तमान में चल रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा हैं। उन्होंने चार मैचों में भाग लिया है और 33.25 की औसत और 172.73 की स्ट्राइक रेट से 133 रन बनाए हैं।

ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप जीत के बाद, हेड ने इस साल फरवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी घरेलू सफेद गेंद श्रृंखला से बाहर होने का फैसला किया था। हेड और स्मिथ वाशिंगटन फ्रीडम के नए कोच, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के साथ जुड़ेंगे। पोंटिंग ने हाल ही में ग्रेग शिपर्ड की जगह ली और एमएलसी फ्रेंचाइजी के नए कोच बने। स्मिथ पिछले साल फ्रीडम के ब्रांड एंबेसडर के रूप में टीम में शामिल हुए थे। ऑस्ट्रेलिया में स्मिथ की स्थानीय टीम, न्यू साउथ वेल्स (एनएस-डब्ल्यू) ने फ्रीडम के साथ एक उच्च-प्रदर्शन समझौता किया है। स्मिथ के अलावा, फ्रीडम ने हाल ही में न्यूजीलैंड के हरफनमौला खिलाड़ी रचिन रवींद्र के साथ अनुबंध की घोषणा की। उन्होंने 2023 सीजन के दो विदेशी खिलाड़ियों - मार्को जानसन और अकील होसेन को भी बरकरार रखा। स्मिथ और हेड के अलावा, एमएलसी के दूसरे सीजन में शामिल होने वाले अन्य ऑस्ट्रेलियाई सितारों में एडम जम्पा (लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स), स्पेंसर जॉनसन (नाइट राइडर्स) और टिम डेविड (एमआई न्यूयॉर्क) हैं।

रॉयल्स को हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर पहुंचना चाहेगा केकेआर

कोलकाता

राजस्थान रॉयल्स की टीम मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग में यहां जब दो बार के चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से भिड़ेगी तो उसके बल्लेबाजों के सामने ईडन गार्डन्स पर सुनील नारायण की गेंदबाजी का जवाब ढूंढने की चुनौती होगी। अगले महीने 36 बरस के होने जा रहे नारायण ने 2012 और 2014 में पूर्व कप्तान गौतम गंभीर के नेतृत्व में केकेआर की दो खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वर्ष 2012 में नाइट राइडर्स का हिस्सा बनने के बाद से नारायण ने ईडन गार्डन्स पर अपनी गेंदबाजी से विरोधी बल्लेबाजों को काफी परेशान किया है। मेंटर के रूप में टीम में गंभीर की वापसी के बाद नारायण ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को खिताब के दावेदारों में शामिल कर दिया है।

तालिका की शीर्ष दो टीमों के बीच होने वाले इस मुकाबले में अगर केकेआर जीत दर्ज करता है तो 10 टीम की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच जाएगा। रविवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ केकेआर की आठ विकेट की जीत में फिल सॉल्ट को नाबाद तूफानी अर्धशतक जड़ने के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। लेकिन वह नारायण थे जिनकी किफायती गेंदबाजी के सामने लखनऊ की टीम सात विकेट पर 161 रन ही बना सकी। मौजूदा सत्र में 155 से अधिक के स्ट्रा-इक रेट से रन बनाने वाले रॉयल्स के संजू सैमसन, रियान पराग और शिमरोन हेटमायर जैसे बल्लेबाजों को हालांकि नारायण की चुनौती का हल ढूंढना होगा। यह देखना होगा कि जोस बटलर इस मुकाबले के लिए फिट हैं या नहीं। वह पंजाब किंग्स के खिलाफ रॉयल्स के पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे।मौजूदा सत्र में नारायण बल्ले से भी काफी अच्छी फॉर्म में हैं और उन्होंने 183.51 के स्ट्राइक रेट से 33 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। आईपीएल के इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी मिशेल स्टार्क ने भी सुपरजाइंट्स के खिलाफ पिछले मैच में लय हासिल करते हुए 28 रन देकर तीन विकेट चटकाए थे इस मैच में मुख्य मुकाबला केकेआर की गेंदबाजी और रॉयल्स की बल्लेबाजी के बीच होगा। केकेआर की एकमात्र कमजोर कड़ी उसके कप्तान श्रेयस अय्यर हैं जो खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं और बड़ी पारियां खेलने में विफल रहे हैं। लखनऊ के खिलाफ 162 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अय्यर 38 गेंद में 38 रन बनाकर नाबाद रहे थे लेकिन उन्हें तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों के खिलाफ परेशानी हुई थी। मौजूदा सत्र में केकेआर की बल्लेबाजी शीर्ष क्रम में सॉल्ट और नारायण की आक्रामक बल्लेबाजी और डेथ ओवरों में आंद्रे रसेल के तूफानी तेवरों पर निर्भर रही है। टीम के भारतीय बल्लेबाज मौजूदा सत्र में अब तक प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। रिंकू सिंह को काफी मौके नहीं मिले हैं और वह चार पारियों में 63 रन ही बना पाए हैं। उप कप्तान नितीश राणा चोट के कारण नहीं खेल पा रहे।

ट्रेंट बोल्ट, आवेश खान, युजवेंद्र चहल और केशव महाराज की मौजूदगी में रॉयल्स का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत है। हालांकि यह देखना होगा कि स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन इस मैच के लिए फिट हो पाते हैं या नहीं।

टीम इस प्रकार हैं:

कोलकाता नाइट राइडर्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नितीश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंता चमीरा, साकिब हुसैन और मुजीब उर रहमान। राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान), जोस बटलर, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, डोनोवन फरेरा, कुणाल राठौड़, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप सेन, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, ट्रेंट बोल्ट, युजवेंद्र चहल, आवेश खान , रोवमैन पॉवेल, शुभम दुबे, टॉम कोहलर-कैडमोर, आबिद मुश्ताक, नांद्रे बर्गर, तनुष कोटियन और केशव महाराज।

समय: मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

वर्ष-59, रजिस्ट्रेशन संख्या : WB HIN/00780 **अखबार के स्वामी** : के के एम पब्लिशर के लिए **मुद्रक एवं प्रकाशक** राजीव नयनम द्वारा प्रकाशित तथा एल.एस. पब्लिकेशन प्रा.लि. 4 केनाल वेस्ट रोड, कोलकाता-15 से मुद्रित और के के एम पब्लिशर, 7 मैंगोलेन (प्रथम तल), कोलकाता-700001 से प्रकाशित.
संपादक- अशोक पांडेय*, फोन- 033-48032897 मेल- sutrakaar.news@gmail.com